শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 24 | गुवाहाटी | बुधवार, 21 अगस्त, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मंकी पॉक्स के मद्देनजर एम्स ने जारी किए दिशा निर्देश — पेज 2
बम लगाने के दो मामले एनआईए को सौंपेगी असम पुलिस : डीजीपी — पेज 3
आज राजस्थान बंद का आव्हान जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर — पेज 5
समाओं के बल्लेबाज डेरियस बिजसर ने युवराज का तोड़ा रिकॉर्ड... — पेज 7

बरपेटा रोड में उपद्रवियों ने मचाया उत्पात

सात मंदिरों की प्रतिमाओं को किया क्षतिग्रस्त

आक्रोशितों ने कराया बाजार बंद, एक गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। जिले के बरपेटा रोड शहर के सात मंदिरों में सोमवार रात को अराजकतत्वों ने उत्पात मचाया और कई मूर्तियों को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस घटना को लेकर मंगलवार को आक्रोशित लोगों ने बाजार बंद कराया। इससे इलाके में तनाव हो व्याप्त है। पुलिस ने एक संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। बताया गया कि बीती रात मानसपार के सदियों पुराने काली मंदिर के दरवाजे के ताले को तोड़कर देवी काली की मुख्य मूर्ति के साथ-साथ मां मनसा देवी की मूर्ति, शीतला देवी की मूर्ति, जाखिनी याखिनी की मूर्ति को भी नष्ट कर दिया। यहां तक कि वेदी पर स्थापित मूर्तियों के सिर को तोड़ने के साथ ही मूर्ति के सिर के बाल उखाड़कर बाहर फेंक दिया। इस बीच, उपद्रवी ने बरपेटा रोड के देशबंधु पाड़ा कल्चर क्लब काली मंदिर, रामनगर के सेवक संघ क्लब के शीतला मंदिर, ताराबाड़ी बस्ती में गोविंद मंदिर के पास मनसा देवी मंदिर और काली मंदिर की प्रतिमाओं को भी क्षतिग्रस्त करने का मामला सामने आया है। बरपेटा रोड शहर के मानसपार, देशबंधु पाड़ा, रामनगर, ताराबाड़ी बस्ती में उपद्रवियों ने कई मंदिरों की मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने की घटना के -शेष पृष्ठ दो पर

अजमेर कांड : सौ छात्राओं से गैंगरेप और ब्लैकमेल में सभी छह दोषियों को उम्रकैद

अजमेर(हि.स.)। अजमेर में 32 साल पहले हुए बहुचर्चित अश्लील ब्लैकमेल कांड में दोषी करार छह आरोपितों को अजमेर की पोक्सो प्रकरण की विशिष्ट अदालत संख्या दो ने मंगलवार को उम्र कैद की सजा सुनाई है। कोर्ट ने प्रत्येक पर पांच-पांच लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। इससे पहले अजमेर के पॉक्सो कोर्ट ने आज सुबह ही 6 आरोपितों को दोषी ठहराया था। इस मामले की पीड़ित महिलाओं और उनके परिजनों को यह फैसला आने का इंतजार था। सभी ने इसे न्याय की जीत कहा। आज फैसला सुनाये जाने के समय कोर्ट में छह आरोपित नफीस चिश्ती, नसीम उर्फ टार्जन, सलीम चिश्ती, सोहिल गणी, सैयद जमीर हुसैन मौजूद थे, जबकि एक आरोपित इकबाल भाटी को एम्बुलेंस के जरिए दिल्ली से अजमेर लाया गया। इन छह आरोपितों पर चार्जशीट 23 जून, 2001 को पेश हुई थी। इनकी सुनवाई इसी साल जुलाई में पूरी हुई है। तब आरोपितों में से एक इकबाल के हाजिर नहीं होने पर अदालत ने फैसला 20 जुलाई तक रोक लिया था। इन सभी को दोषी मानते हुए अदालत ने आज दोपहर दो बजे बाद निर्णय सुनाया। यह मामला 32 साल पुराना है, जब अजमेर के कई कॉलेजों की 100 से ज्यादा छात्राओं को फोटो खींचकर ब्लैकमेल किया गया था। वर्ष 1992 में इस प्रकरण के उजागर होने के बाद उपरोक्त छह आरोपितों के साथ जिन नौ आरोपियों को चिन्हित किया था, उनमें फारूक चिश्ती, अनवर चिश्ती, परवेज अंसारी, पुत्तन इलाहाबादी, इशरत उर्फ लल्ली, महेश लुधानी, कैलाश सोनी, हरीश तोलानी व शम्सु भिश्ती उर्फ मेराडोना शामिल हैं। सभी को अजमेर की गंज थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज होने के बाद गिरफ्तार किया था। इस मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 104 गवाह और 245 दस्तावेज पेश किए गए हैं। इस मामले में कुल अट्ठारह आरोपितों में से नौ आरोपितों को पहले ही अजमेर के सेशन कोर्ट से उम्र कैद की सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि एक आरोपित आत्महत्या कर चुका है। एक आरोपित अलमास महाराज फरार है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इस दौरान गिरफ्तार हुए पुत्तन इलाहाबादी का रिश्तेदार इलाहाबाद निवासी नसीम उर्फ टार्जन जमानत पर रिहा होने के बाद फरार हो -शेष पृष्ठ दो पर

अखिल गोगोई ने सरकार से की अपील, कहा-

ऊपरी असम में गैर-असमिया द्वारा भूमि खरीद पर लगाएं प्रतिबंध

शिवसागर। शिवसागर के विधायक अखिल गोगोई ने एक ठोस कानून के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया है, जो गैर-असमिया व्यक्तियों को ऊपरी असम के पांच जिलों में स्वदेशी लोगों से जमीन खरीदने से रोकेगा। यह मांग 30 संगठनों द्वारा जिले में एक राष्ट्रीय खिलाड़ी पर गैर-असमिया समुदाय के तीन सदस्यों द्वारा किए गए हमले के विरोध में रखी गई है। रायजोर दल के प्रमुख गोगोई ने प्रस्तावित कानून के महत्व पर प्रकाश डाला तथा 22 अगस्त से शुरू होने वाले विधानसभा के -शेष पृष्ठ दो पर

महिला समेत चार घुसपैठियों को असम पुलिस ने वापस बांग्लादेश भेजा

गुवाहाटी (हि.स.)। असम पुलिस ने निचले असम के धुबड़ी से पकड़ी गई बांग्लादेशी महिला समेत चार बांग्लादेशी नागरिकों को असम पुलिस ने बीती रात वापस बांग्लादेश भेज दिया। वर्तमान में पड़ोसी देश बांग्लादेश में अराजक स्थिति और सत्ता परिवर्तन के चलते हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। हालांकि, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर सीमा सुरक्षा बल जवान लगातार कड़ी चौकसी बरत रहे हैं, इसके बावजूद मौका पाकर बांग्लादेशी नागरिक चोरी-छिपे घुसपैठ की कोशिशों में हैं। पुलिस के अनुसार ढाका डिवीजन की निवासी लिपी अख्तर ने 18 अगस्त की सुबह 24 घंटे बस और नाव यात्रा के बाद भारतीय क्षेत्र में प्रवेश किया था। सुखचर के एक घर में पनाह लेने के बाद वह नाव से धुबड़ी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph — Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जो जिस कार्य में कुशल हो उसे उसी कार्य में लगना चाहिए।
- **आचार्य चाणक्य**

चंपई सोरेन के तेवर पड़े नरम, बदला फैसला

जमशेदपुर। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो नेता चंपई सोरेन नरम पड़ गए हैं। बताया गया कि चंपई की झामुमो के सुप्रीमो गुरुजी शिबू सोरेन से दो राउंड फोन पर बातचीत हुई। इसके बाद उन्होंने फिलहाल अपना निर्णय बदला है। चंपई सोरेन ने शिबू सोरेन से बातचीत के बाद कहा कि शिबू सोरेन मेरे लिए भगवान हैं। मैं दिल्ली भाजपा नेताओं से मिलने नहीं बल्कि निजी काम से आया था। चंपई सोरेन ने मंगलवार को दोपहर में नई दिल्ली से कोलकाता की फ्लाइट पकड़ी और कोलकाता से सड़क मार्ग से वापस अपने गृह क्षेत्र पहुंचे। झारखंड से नई दिल्ली -शेष पृष्ठ दो पर

यूपीएससी में नहीं होगी सीधी भर्ती मोदी सरकार ने लगाई रोक

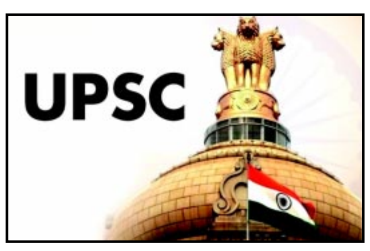

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लेटरल एंट्री के विज्ञापन पर रोक लगा दी है। इस मामले को लेकर कार्मिक मंत्री ने यूपीएससी (यूपीएससी) चेयरमैन को पत्र लिखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर सीधी भर्ती के विज्ञापन पर रोक लगा दी गई है। बता दें कि यूपीएससी ने 17 अगस्त को एक विज्ञापन जारी करते हुए 45 ज्वाइंट सेक्रेटरी, डिप्टी सेक्रेटरी और डायरेक्टर लेवल की भर्तियां निकाली थी। सरकार के इस फैसले पर जमकर सियासी बवाल मचा। कांग्रेस समेत ज्यादातर विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि सरकार आरक्षण पर चोट कर रही है। इतना ही नहीं एनडीए के घटक दलों ने भी फैसले की आलोचना की। केंद्रीय कार्मिक मंत्री जितेंद्र सिंह ने यूपीएससी चेयरमैन को लिखे पत्र में बताया कि सरकार ने यह फैसला लेटरल एंट्री के व्यापक पुनर्मूल्यांकन के तहत लिया है। पत्र में कहा गया है कि ज्यादातर लेटरल एंट्री 2014 से पहले की थी। 2014 से पहले होने वाले लेटरल एंट्री में आरक्षण के बारे में कभी सोचा नहीं गया। नेशनल एडवाइजरी काउंसिल पीएमओ को कंट्रोल करती थी। वहीं, मोदी सरकार का मानना है कि सार्वजनिक नौकरियों -शेष पृष्ठ दो पर

आरक्षण पर एससी के फैसले के विरोध में आज भारत बंद का एलान

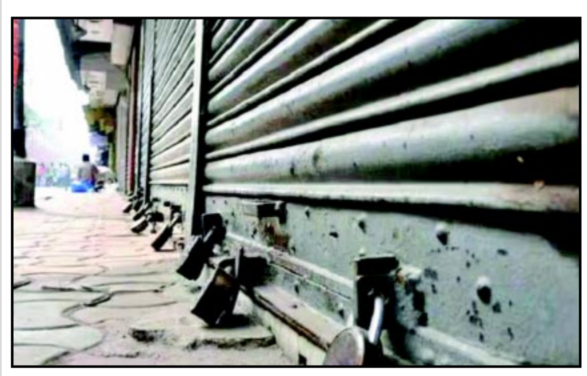

नई दिल्ली। अनुसूचित जाति व जनजाति आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ देश भर के विभिन्न संगठनों ने 21 अगस्त को *भारत बंद* का आह्वान किया है। बसपा समेत कई पार्टियां इस बंद का समर्थन कर रही हैं। ऐसे में सवाल ये हैं कि भारत बंद क्यों बुलाया गया है? सुप्रीम कोर्ट का वो कौन-सा फैसला है, जिसका दलित संगठन विरोध कर हैं? दलित संगठनों की क्या मांगे हैं? संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) में लेटरल एंट्री क्यों सवालों के घेरे में है? भारत बंद के दौरान क्या-क्या खुलेगा और क्या बंद रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमीलेयर को लेकर फैसला सुनाते हुए कहा था कि सभी एससी और एसटी जातियां और जनजातियां एक समान वर्ग नहीं हैं। कुछ जातियां अधिक पिछड़ी हो सकती हैं। उदाहरण के लिए - सीवर की सफाई और बुनकर का काम करने वाले। ये दोनों जातियां एससी में आती हैं, लेकिन इस जाति के लोग बाकियों से अधिक पिछड़े रहते हैं। इन लोगों के उत्थान के लिए राज्य सरकारें एससी-एसटी आरक्षण का वर्गीकरण (सब-क्लासिफिकेशन) कर अलग से कोटा निर्धारित कर सकती है। ऐसा करना संविधान के आर्टिकल-341 के खिलाफ नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कोटे में कोटा निर्धारित करने के फैसले के साथ ही राज्यों को जरूरी हिदायत भी दी। कहा कि राज्य सरकारें मनमर्जी से यह फैसला नहीं कर सकतीं। इसमें भी दो शर्त लागू होंगी। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुनाया था, जिनमें कहा गया था कि एससी -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

त्रिपुरा में भूस्खलन, एक ही परिवार के तीन लोगों समेत पांच की मौत

अगरतला। त्रिपुरा में लगातार बारिश के कारण तीन स्थानों पर हुए भूस्खलन में एक ही परिवार के तीन सदस्यों सहित कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई जबकि एक ग्रामीण लापता है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शांतिरबाजार के उप जिलाधिकारी (एसडीएम) अभेदानंद -शेष पृष्ठ दो पर

सिक्किम में भूस्खलन से तीस्ता डैम पावर स्टेशन तबाह

बालुतार। सिक्किम के बालूतार में मंगलवार की सुबह भीषण भूस्खलन आया। इसके कारण वहां स्थित नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉरपोरेशन (एनएचपीसी) के तीस्ता स्टेज 5 बांध का पावर स्टेशन पूरी तरह से तबाह हो गया। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में पहाड़ के एक बड़े हिस्से को पावर प्लांट पर गिरता हुआ देखा जा सकता है। राहत ही बात यह रही कि इसमें किसी के हताहत -शेष पृष्ठ दो पर

कोलकाता कांड पर सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स का किया गठन

नई दिल्ली। कोलकाता में ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ हुई दुष्कर्म के मामले पर सुप्रीम में आज सुनवाई हुई। इस मामले पर कोर्ट ने स्वत: संज्ञान ली है। कोर्ट ने इस मामले पर राज्य सरकार, पुलिस और अस्पताल प्रशासन से कड़े सवाल पूछे। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने आठ सदस्यीय नेशनल टास्क फोर्स गठन करने का भी आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने पूछा कि आखिर प्रिंसिपल क्या कर रहे थे। कोर्ट ने पूछा कि पुलिस ने क्राइम सीन को प्रोटेक्ट क्यों नहीं किया। एफआईआर दर्ज करने में देरी क्यों हुई। वहीं, कोर्ट ने कहा कि आरजी कर अस्पताल में डॉक्टरों की चल रहे विरोध प्रदर्शन को जबरदस्ती बंद न कराया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने 22 अगस्त को सीबीआई स्टेटस रिपोर्ट तलब करने का आदेश दिया है। इस मामले की अगली सुनवाई अब 22 अगस्त को होगी। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ एक मर्डर का मामला नहीं है। कोर्ट ने डॉक्टरों की सुरक्षा की चिंता भी जताई है। वहीं, सोशल मीडिया पर पीड़िता की पहचान उजागर करने पर कोर्ट ने चिंता भी जाहिर की है। सीजेआई ने पूछा कि क्या यह सच है कि पीड़ित परिवार को बॉडी नहीं देखना दिया गया। इसपर पश्चिम बंगाल सरकार के वकील ने कहा कि ऐसे आरोप सही है। कोर्ट ने पूछा कि अभिभावक को बॉडी सौंपने के साढ़े तीन घंटे के बाद एफआईआर क्यों किया गया। कोर्ट ने इस घटना -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश से छिनी महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी

दुबई। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी मंगलवार को बांग्लादेश से छीन ली है। तीन से 20 अक्तूबर तक होने वाला यह वैश्विक टूर्नामेंट अब संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। क्रिकेट की वैश्विक संस्था ने यह फैसला बांग्लादेश में भारी उथल-पुथल और हिंसा को देखते हुए लिया है। मालूम हो कि पिछले कुछ महीनों से बांग्लादेश में अराजकता की स्थिति बनी हुई है जिस -शेष पृष्ठ दो पर

मेघालय : कांग्रेस को झटका, तीन विधायकों ने छोड़ी पार्टी, बने एनडीए का हिस्सा

शिलांग। पहाड़ी राज्य मेघालय में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी के चार में से तीन विधायकों ने अचानक पाला बदल लिया है। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के सांग्मा की मौजूदगी में सोमवार को कांग्रेस के तीन विधायक नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) ज्वाइन की। एक्स पर सीएम सांग्मा ने लिखा कि विधायकों का पार्टी में शामिल होना एनडीए सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। सांग्मा ने कहा कि कांग्रेस के तीन विधायकों का एनपीपी में स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। उनका शामिल होना -शेष पृष्ठ दो पर

ठाणे : बदलापूर में करीब 12 घंटे बाद आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज

स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ के मामले से बिगड़ा माहौल

पूरे दिन रहा रेलवे ट्रैक पर प्रदर्शनकारियों का जमावड़ा

ठाणे (हि.स.)। मुंबई से निकट ठाणे जिले के बदलापुर में स्कूली छात्राओं के साथ छेड़छाड़ को लेकर मंगलवार को पूरे दिन रेलवे ट्रैक पर आंदोलनकारी डटे रहे। इस कारण मध्य रेलवे का यातायात प्रभावित रहा। आखिरकार करीब 12 घंटे बाद पुलिस को आंदोलनकारियों पर लाठीचार्ज करना पड़ा। जानकारी के अनुसार बदलापुर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में 2 नाबालिग लड़कियों से छेड़छाड़ की गई। स्कूल के सफाई कर्मचारी ने इन बच्चियों के साथ दुर्व्यवहार किया है। प्रदर्शनकारियों ने हत्यारे को फांसी देने की मांग को लेकर सुबह 6.30 बजे से प्रदर्शन शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने पूरे दिन बदलापुर रेलवे ट्रैक को जाम कर रखा था। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से आंदोलन वापस लेने की अपील की। साथ ही राज्य के मंत्री गिरीश महाजन ने भी बीच-बचाव की कोशिश की लेकिन वे सफल नहीं हुए। प्रदर्शनकारियों ने आरोपितों को आज ही फांसी देने की मांग करते हुए पीछे हटने से इनकार कर दिया। ऐसे में शाम करीब 6 बजे पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा और प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर किया गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव भी किया। खबर है कि इसमें कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। बतौर पुलिस अधिकारी स्थिति फिलहाल नियंत्रण में है। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रेलवे ट्रैक से हटा दिया है। बदलापुर में आंदोलन के मद्देनजर -शेष पृष्ठ दो पर

आरएसएस की अखिल भारतीय समन्वय बैठक 31 से

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की अखिल भारतीय समन्वय बैठक इस वर्ष केरल के पलक्कड़ में होगी। 31 अगस्त से शुरू होने वाली यह तीन दिवसीय बैठक बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें आगामी चुनावों सहित राष्ट्रीय संदर्भ के बड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श हो सकता है। इस बैठक में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी भाग ले सकते हैं। गत लोकसभा चुनाव में उनके एक बयान से भाजपा-आरएसएस में कुछ मतभेद होने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

AFFIDAVIT

I Sazzad Kabir S/O Late Abu Bahar Vill. - Alopati P.O. Alopati P.S. - Alopati char Dist. Barpeta, Before the Notary Public, Barpeta at Barpeta, dt. 20.08.2024.That my actual and correct name is Sazzad Kabir, Which is recorded in my relevant documents. But in my HSLC, HS & BA documents my name has been inadvertently recorded as Md. Sazzad Kabir instead of Sazzad Kabir.

मंकी पॉक्स के मद्देनजर एम्स ने जारी किए दिशा निर्देश

नई दिल्ली (हि.स.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने मंगलवार को मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों के इलाज के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और पृथक-वास में इलाज के लिए पांच बेड चिह्नित किए हैं। मंगलवार को जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में कहा गया है कि संदिग्ध रोगियों को तुरंत एक निर्दिष्ट आइसोलेशन क्षेत्र में रखा जाना चाहिए ताकि अन्य रोगियों और कर्मचारियों के साथ संपर्क कम से कम हो। इसके साथ मरीज के संपर्क में आए सभी लोगों को ट्रेस कर उन्हें भी निगरानी में रखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने मंकीपॉक्स के प्रकोप को अंतर्राष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है, जिससे बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने, तेजी से पहचान करने और आगे फैलने से रोकने के लिए कड़े संक्रमण नियंत्रण उपायों की आवश्यकता बढ़ गई है। एम्स एसओपी के अनुसार मंकीपॉक्स एक वायरल बीमारी है, जिसमें चेचक के रोगियों जैसे लक्षण देखे जाते हैं। हालांकि ये नैदानिक रूप से कम गंभीर है। इस रोग के इलाज के लिए एम्स के आपातकालीन विभाग में ऐसे मामलों से निपटने के लिए आवश्यक कदमों का उल्लेख किया गया है। प्रोटोकॉल के अनुसार आगमन पर बुखार, दाने या पुष्टि किए गए मंकीपॉक्स मामलों के संपर्क के इतिहास वाले रोगियों को तत्काल मूल्यांकन के लिए चिह्नित किया जाना चाहिए। मंकी पॉक्स के लक्षणों में बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द, पीठ दर्द, सूजन लिम्फ नोड्स, ठंड लगना, थकावट और विशेषता त्वचा के घाव शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंकी पॉक्स के मरीजों के इलाज के लिए सफदरजंग, लेडी हार्डिंग और राम मनोहर लोहिया अस्पताल को नोडल अस्पताल बनाया गया है। इन अस्पतालों में पांच पांच बेड मंकी पॉक्स के लिए चिह्नित किए गए हैं।

बटाद्रवा में पति ने की पत्नी की हत्या

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के बटद्रवा के पास आलीटांगनी में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की नृशंस तरीके से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने आज बताया कि जुरिया थाना क्षेत्र के आलीटांगनी में आज तड़के शाहिदुल इस्लाम नामक व्यक्ति ने घरेलू झगड़े के चलते अपनी पत्नी और पांच बच्चों की मां फातिमा खातून पर बेरहमी से हमला कर दिया, जिसमें उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि आरोपी शाहिदुल इस्लाम किसी मानसिक विकार से पीड़ित था। पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

लमडिंग रेलवे मंडल प्रबंधक के कार्यालय में लगी आग

होजाई (हिंस)। लुमडिंग रेलवे मंडल प्रबंधक के कार्यालय में आज सुबह आग लग गई। आग लमडिंग रेलवे मंडल प्रबंधक कार्यालय के दूसरे मंजिल पर लगी। फायर ब्रिगेड की मौजूदगी में आग पर काबू पा लिया गया। आग में महत्वपूर्ण सामग्री तथा दस्तावेज जल गए। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि आग बिजली के सर्किट के कारण लगी।

दक्षिण सालमारा में 500 ग्राम हेरोइन जब्त, दो तस्कर गिरफ्तार

दक्षिण सालमारा (हिंस)। दक्षिण सलमारा पुलिस ने करीब 500 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि दक्षिण सालमारा थाना प्रभारी तिलक चंद्र राय ने दक्षिण सालमारा थाना क्षेत्र के राजबाला भालुककांदी में बीती रात छापा मारा। इस दौरान हसन अली और जैद अली के घर से कई हेरोइन के बक्से और कंटेनरों सहित लगभग 500 ग्राम हेरोइन जब्त की। इस सिलसिले में कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

उधर बिहपुरिया में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने बिहपुरिया के जापजूप से दो ड्रग्स तस्करों को गिरफ्तार किया है। तस्करों की पहचान सत्यनाथ लागासु और महंत कुटुम के रूप में हुई है। दोनों तस्करों के पास से साबुनदानी में लाखों रुपए की संदिग्ध हेरोइन जब्त की गई। दोनों तस्करों को बिहपुरिया पुलिस ने स्थानीय ग्राम रक्षकों के सहयोग से पकड़ा। दोनों तस्कर बिहपुरिया के दघरिया नंबर दो के निवासी हैं। पुलिस इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर दोनों से पूछताछ कर रही है।

हड़ताल खत्म करने को लेकर डॉक्टरों में असमंजस

नई दिल्ली (हि.स.)। कोलकाता में आरजी कर हॉस्पिटल में एक चिकित्सक की हत्या और दुष्कर्म के विरोध में देश भर में रेजिडेंट डॉक्टर हड़ताल पर हैं। हड़ताल खत्म करने को लेकर डॉक्टरों के बीच असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मंगलवार को राम मनोहर लोहिया अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल वापस लेने का फैसला किया लेकिन कुछ देर बाद रेजिडेंट डॉक्टरों ने हड़ताल जारी रखने का कर दिया। कोलकाता की एक चिकित्सक से कथित दुष्कर्म और हत्या के विरोध में नौ दिनों से हड़ताल पर हैं। इससे अस्पताल में ओपीडी और अन्य स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हैं। लोगों को बहुत परेशानी उठानी पड़ रही है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने भी मंगलवार शाम को अहम बैठक बुलाई है। मंगलवार को सुबह जारी राम मनोहर लोहिया रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी अस्पतालों में सुरक्षा कड़ी करने और राज्य सरकारों को परामर्श जारी करने का भी संकल्प लिया है। डॉक्टरों ने कहा कि हालांकि वे अपनी हड़ताल स्थगित करने पर सहमत हो गए हैं लेकिन वे आरजी कर मामले में न्याय की वकालत करना जारी रखेंगे।

रूस ने यूक्रेन की ऊर्जा व औद्योगिक इकाई पर किए हवाई हमले, फैल गई भीषण आग

मॉस्को। रूसी सेना द्वारा टेरनोपिल ओब्लास्ट में एक औद्योगिक सुविधा पर हमला करने के बाद वातावरण में खतरनाक रसायन फैल गए हैं। यूक्रेन ने लोगों को घर के अंदर रहने की सलाह दी गई है। लोगों से कहा गया कि अपने घर से अनावश्यक रूप से बाहर न निकलें, बच्चों को जितना संभव हो सके बाहर न जाने दें, घर के अंदर खिड़कियां बंद रखें। कीव: रूस ने रातभर मिसाइल और ड्रोन हमले करके उत्तरी यूक्रेन की ऊर्जा अवसंरचना को बुरी तरह से प्रभावित किया। यूक्रेनी अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इन हमलों के कारण देश के पश्चिमी हिस्से में एक बड़ी आग भी लग गई। यूक्रेनी वायु सेना के कमांडर ने कहा कि रूस ने नौ क्षेत्रों पर हमला किया, जिसमें 26 ड्रोन और तीन बैलिस्टिक मिसाइलें शामिल थीं। यूक्रेनी सेना ने इनमें से 25 ड्रोन और तीन मिसाइलों को मार गिराया। रूस की सीमा से लगे पूर्वोत्तर सुमी क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि एक ऊर्जा सुविधा पर हमला हुआ, जिससे 72 बस्तियों और 18,500 से अधिक उपभोक्ताओं के लिए बिजली आपूर्ति ठप्प हो गई। क्षेत्रीय प्रशासन ने टेलीग्राम पर बताया कि ऊर्जा विभाग के कर्मचारी क्षतिग्रस्त सुविधा की मुरम्मत के लिए पहुंच गए हैं। कीव शहर के अधिकारियों ने कहा कि राजधानी पर हमला किया गया था, लेकिन उसे बिना किसी बड़ी क्षति या हताहत के विफल कर दिया गया। यूक्रेन के अधिकारियों ने सोमवार को पूर्वी शहर पोक्रोवस्क के लोगों के लिए निकासी का आदेश जारी किया।

CONSULTATION WITH APOLLO EXPERTS
Apollo HOSPITALS
NEPHROLOGY CLINIC
DR VENKATESH RAJKUMAR
MD (Gen Medicine), DM (Nephrology) FISN(Interventions)
visiting GUWAHATI on 25th August'2024
Consultation for Urinary incontinence, bladder problems high level of urea & Creatinine, Chronic Renal failure, Kidney problems
APOLLO HOSPITALS REGIONAL OFFICE
Rajgarh Main Road, Opp-By Lane -10
Ph :8404037649, 03613102669, 0361-3102166

पृष्ठ एक का शेष

सात मंदिरों की ...

बाद बरपेटा रोड पर हजारों लोग सड़कों पर उतर आए। मंदिर में घुसकर मूर्तियों को क्षतिग्रस्त करने से लोग बेहद नाराज आए। प्रदर्शनकारियों ने घटना के मुख्य दोषियों को गिरफ्तार करने की मांग करते हुए पुलिस स्टेशन का घेराव किया। बरपेटा रोड परिवहन सेवाएं, व्यापारिक प्रतिष्ठान और दुकानें बंद कर दी गई हैं। बरपेटा रोड पुलिस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और कई शीर्ष पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति को सामान्य बनाने में जुट गए। गुस्साई भीड़ ने दोषियों की जांच के लिए सात दिन के भीतर जांच की समयसीमा तय की है। बरपेटा जिला के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विद्युत विकास बोरा भुइयां ने घटना के संबंध में बताया है कि मृदुल सूत्रधर को उत्तर बरपेटा रोड के रामेंद्र नगर में काली मंदिर के अंदर नशे की हालत में देखा गया था। उसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि मृदुल सूत्रधर बरपेटा रोड स्थित मिलन नगर में किराएदार के रूप में रहता है, जबकि वह मूल रूप से ग्वालापाड़ा जिले का निवासी है। उन्होंने बताया है कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस जांच के बाद पूरी घटना सामने आएगी। पुलिस प्रशासन ने इस संबंध में लोगों से धैर्य बनाए रखने की अपील की है। पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन इस संबंध में आगे की जांच जारी रखे हुए है।

अजमेर कांड : सौ छात्राओं ...

गया था, जो बाद में पकड़ा गया। अदालत ने उसके खिलाफ अलग से सुनवाई शुरू की और उसके खिलाफ सुनवाई चल रही है। आरोपितों में सलीम चिश्ती को पुलिस ने खुफिया सूचना के आधार पर दरगाह क्षेत्र से गिरफ्तार किया था, जबकि जमील चिश्ती को अदालत से अग्रिम जमानत मिली थी। इस कांड के सरगना कहे जाने वाले नफीस चिश्ती को फरारी के दौरान दिल्ली की धौला कुआं चौकी के सिपाहियों ने महिला के वेश में बुर्का पहनकर बस में सफर करने के दौरान पकड़ा था। इसके बाद मुंबई निवासी इकबाल भाटी को पकड़ा गया। करीब 29 साल की फरारी काटने के बाद आरोपित सोहेल गनी ने अदालत में समर्पण किया था। इस बहुचर्चित मामले में एक आरोपित अलमास महारा मफरूर घोषित है। हालांकि, उसके अमेरिका में होने की सूचना बताई जाती है। उसके खिलाफ रेड कार्नर वारंट भी जारी हो चुका है। इस मामले में परवेज अंसारी, महेश लुधानी, हरीश तोलानी, कैलाश सोनी को निचली कोर्ट ने 1998 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी लेकिन बाद में इन्हें हाई कोर्ट ने दोषमुक्त कर दिया था। आरोपित पुरुषोत्तम उर्फ बबली ने जमानत पर बाहर आने के बाद 1994 में केस चलने के दौरान सुसाइड कर लिया था। एक अन्य आरोपित जहूर चिश्ती के खिलाफ एक लड़के के साथ कुकर्म का केस चल रहा है। फारुख चिश्ती को निचली कोर्ट ने 2007 में उम्र कैद की सजा सुनाई थी। 2013 में उसे भुगती हुई सजा पर ही हाई कोर्ट ने रिहा कर दिया था। इस मामले का खुलासा तब हुआ जब आरोपितों ने रील डेवलप करने के लिए एक फोटो लैब में दी थी। न्यूड तस्वीरें देख लैब के कर्मचारियों की नीयत बिगड़ गई थी। उनके माध्यम से ही लड़कियों की न्यूड फोटो बाजार में आई। मास्टर प्रिंट कुछ लोगों के पास ही थे लेकिन इनकी जेरोक्स कॉपी शहर में सर्कुलेट होने लगी। ये फोटो, जिसके भी हाथ में लगी, उसने लड़कियों को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। इस कारण कॉलेज की 6 लड़कियों ने सुसाइड कर लिया। परेशान होकर कुछ छात्राओं ने हिम्मत दिखाई और पुलिस के पास पहुंचीं। केस में कई रईसजादों के नाम सामने आए थे। इसमें मास्टरमाइंड अजमेर यूथ कांग्रेस का अध्यक्ष फारूक चिश्ती, नफीस चिश्ती और अनवर चिश्ती के नाम भी शामिल थे। तत्कालीन भैंरोसिंह शेखावत सरकार ने जांच सीआईडी को दी थी।

ऊपरी असम में ...

शरदकालीन सत्र के दौरान कानून पेश करने की मुख्यमंत्री की योजना का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने निचले असम के तीन जिलों, बरपेटा और ग्वालपाड़ा में स्वदेशी भूमि की खरीद को रोकने के लिए विधानसभा के शरदकालीन सत्र के दौरान एक कानून पेश करने की योजना की घोषणा की है। हम सरकार से आग्रह करते हैं कि इस कानून को पांच और जिलों- डिब्रूगढ़, शिवसागर, जोरहाट, गोलाघाट और तिनसुकिया को भी इसमें शामिल किया जाए। गोगोई ने कहा कि हालांकि ऐसा कानून *आदर्श रूप से पूरे राज्य पर लागू होना चाहिए,* लेकिन ऊपरी असम के पांच जिलों की वर्तमान स्थिति उन्हें प्रस्तावित कानून में तत्काल शामिल करने को उचित ठहराती है। उन्होंने कहा कि हम इस कानून का समर्थन तभी करेंगे जब इन पांच जिलों को इसमें शामिल किया जाएगा। गोगोई ने इन जिलों में स्थानीय व्यवसायों से कम से कम 90 प्रतिशत असमिया श्रमिकों को रोजगार देने और अपने साइनेज में असमिया भाषा को शामिल करने का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ये मांगें स्वस्थ क्षेत्रवाद के उदाहरण हैं। ये आक्रामक मांगें नहीं हैं और इनसे किसी विशेष समुदाय को नुकसान नहीं पहुंचेगा। गोगोई का यह बयान 13 अगस्त को एक नाबालिग राष्ट्रीय स्वर्ण पदक विजेता, आर्म रेसलर पर तीन गैर-असमिया व्यापारियों द्वारा किए गए हमले के बाद आया है। इस घटना के कारण पूरे क्षेत्र में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए तथा 30 संगठनों ने हमले की निंदा करते हुए प्रदर्शन किए। बढ़ते तनाव के जवाब में, शिवसागर के गैर-असमिया समुदाय ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी और पीड़ित को एकमुश्त सहायता के रूप में 2 लाख रुपए की पेशकश की। गोगोई ने नाबालिग पर हमले के मद्देनजर यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के सख्त क्रियान्वयन की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने स्थिति की गंभीरता को रेखांकित करते हुए कहा कि अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

महिला समेत चार ...

पहुंच गई, जहां उसे असम पुलिस ने पकड़ा था। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया के जरिए मंगलवार को बताया कि असम पुलिस ने बीती रात लिपी अख्तर को बांग्लादेशी प्राधिकरण को सौंप दिया। दूसरी ओर, बीती रात असम पुलिस ने त्रिपुरा के रास्ते भारत में घुसे तीन बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया। इनमें राजशाही जिले के अखिला गांव निवासी अबू सईद, राजशाही जिले के गोदागरी गांव निवासी असदुल इस्लाम और राजशाही जिले के गोदागरी गांव निवासी मोहम्मद सरवर हैं। तीनों बांग्लादेशी अवैध घुसपैठियों का इरादा दक्षिण भारत के राज्य चेन्नई जाने का था। असम पुलिस ने इन तीनों नागरिकों को भी वापस बांग्लादेश भेज दिया है।

चंपई सोरेन के तेवर ...

जाने के लिए चंपई सोरेन ने इसी रास्ते का इस्तेमाल किया था। जानकारी के अनुसार, सवा पांच बजे के करीब वे कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरकर झारखंड के लिए निकले। नई दिल्ली से चंपई सोरेन स्पाइस जेट के विमान संख्या एसजी 8173 से लौटे हैं। यह विमान कोलकाता में शाम पांच बजकर पांच मिनट पर पहुंचता है।

यूपीएससी में नहीं ...

में आरक्षण के साथ छेड़छाड़ नहीं होनी चाहिए। पत्र में आगे लिखा गया कि ये पद विशेष हैं ऐसे में इन पदों पर नियुक्तियों को लेकर आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। इसकी समीक्षा और जरूरत के अनुरूप इनमें सुधार की जरूरत है क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी का पूरा फोकस सामाजिक न्याय की ओर है। सरकार के इस फैसले पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था कि एनडीए सरकार ने लेटरल एंट्री को लागू करने के लिए एक पारदर्शी तरीका बनाया है। यूपीएससी के माध्यम से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की जाएंगी। इस सुधार से प्रशासन में सुधार होगा। भाजपा ने कहा था कि लेटर एंट्री का प्रस्ताव कांग्रेस शासन में लाया गया था। वहीं, मनमोहन सिंह, मोंटेक सिंह अहलूवालिया, सैम पित्रोदा सरीखे लोगों को लेटरल एंट्री के जरिए ही कांग्रेस शासन में सरकार का हिस्सा बनाया गया था।

कोलकाता कांड पर ...

पर राज्य सरकार की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कई सख्त सवाल पूछे हैं। कोर्ट ने पूछा कि पीड़िता की पहचान उजागर कैसे हुई ? जब 7 हजार लोग अस्पताल में घुसे तब पुलिस वहां क्या कर रही थी। हम सीबीआई से गुरुवार तक स्टेटस रिपोर्ट चाहते हैं। हम एक नेशनल टास्क फोर्स बनाने जा रहे हैं। टास्क फोर्स में एम्स के निदेशक शामिल होंगे। टास्क फोर्स तीन हफ्ते में अंतरिम रिपोर्ट देगी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पितृसत्तात्मक सोच की वजह से महिला डॉक्टरों को अधिक निशाना बनाया जाता है। जैसे-जैसे अधिक से अधिक महिलाएं कार्यबल में शामिल हो रही हैं, उनकी सुरक्षा को लेकर चिंताएं भी बढ़ रही है। सूत्रों के अनुसार पूर्व प्रिंसिपल गलत जानकारी दे रहे हैं। उनके बयान में विसंगतियां हैं। वहीं, बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। जानकारी के मुताबिक राज्यपाल बोस गृहमंत्री अमित शाह और स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से भी मुलाकात कर सकते हैं। सोमवार को राज्यपाल ने बंगाल की कानून-व्यवस्था पर चिंता जाहिर की। उन्होंने राजभवन में महिला नेताओं और डॉक्टरों से मुलाकात की। राज्यपाल ने कहा कि बंगाल महिलाओं के लिए सुरक्षित जगह नहीं है। मौजूदा सरकार ने राज्य को महिलाओं के लिए असुरक्षित बना दिया है।

बांग्लादेश से छिनी ...

कारण पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीन को अपना पद और देश छोड़ना पड़ा था। महिला टी20 विश्व कप के मुकाबले अब दुबई और शारजाह में खेले जाएंगे। आईसीसी के मुख्य कार्यकारी जियोफ एलार्डिस ने कहा कि बांग्लादेश के लिए महिला टी20 विश्व कप की मेजबानी नहीं करना निराशाजनक है क्योंकि हम जानते हैं कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने एक यादगार आयोजन की तैयारी की थी।

आरक्षण पर एससी के ...

और एसटी के आरक्षण का फायदा उनमें शामिल कुछ ही जातियों को मिला है। इससे कई जातियां पीछे रह गई हैं। उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए कोटे में कोटा होना चाहिए। इस दलील के आड़े 2004 का फैसला आ रहा था, जिसमें कहा गया था कि अनुसूचित जातियों का वर्गीकरण कर सकते हैं। देशभर के दलित संगठनों ने 21 अगस्त को भारत बंद का एलान किया है। इनको बहुजन समाजवादी पार्टी सुप्रीमो, भीम आर्मी चीफ चंद्रशेखर आजाद भारत आदिवासी पार्टी मोहन लात रोत का भी समर्थन मिल रहा है। साथ ही कांग्रेस समेत कुछ पार्टियों के नेता भी समर्थन में हैं। भारत बंद को लेकर राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड और छत्तीसगढ़ समेत देश भर में इसके बारे में सर्च किया जा रहा है। हम सब जानते हैं कि बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष बहन मायावती ने सुप्रीम कोर्ट के उप वर्गीकरण के फैसले का पुरजोर विरोध किया है। बहन जी के दिशानिर्देश बीएसपी के सभी छोटे-बड़े कार्यकर्ताओं से अपील है कि बीएसपी के नीला झंडा और हाथी निशान के तहत 21 अगस्त 2024 को होने वाले भारत बंद में शामिल हों और जनता को खासकर दलित, शोषित, वंचित, अल्पसंख्यक और न्याय पसंद लोगों तक उप वर्गीकरण के बारे में जागरूक करें। साथ ही उन्होंने अपील की कि बसपा के सभी कार्यकर्ता अनुशासित एवं संवैधानिक तरीके से बड़ी संख्या में भारत बंद में शामिल हों। भारत बंद बुलाने वाले दलित संगठनों की मांगे हैं कि सुप्रीम कोर्ट कोटे में कोटा वाले फैसले को वापस ले या पुनर्विचार करे। भारत बंद को लेकर अभी तक किसी भी राज्य सरकार ने आधिकारिक तौर पर दिशा-निर्देश जारी नहीं किए हैं। पुलिस-प्रशासन को अलर्ट पर रखा गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अधिकारी व्यापक कदम उठा रहे हैं। 21 अगस्त को भारत बंद के दौरान अस्पताल और एंबुलेंस जैसी आपातकालीन सेवाएं चालू रहेंगी। बैंक दफ्तर और सरकारी कार्यालय बंद रखने संबंधी अभी तक कोई आदेश सरकार की तरफ से नहीं आया है। इसलिए बुधवार को बैंक और सरकारी दफ्तर भी खुलेंगे, ऐसा माना जा रहा है। देश में भारत बंद को लेकर लोग अलग-अलग कीवर्ड से सर्च कर रहे हैं। जैसे- कल भारत क्यों बद रहेगा, भारत बंद, भारत बंद टुमोरो, कल भारत बंद है या नहीं आदि। यूपीएससी में लेटरल एंट्री यानी प्राइवेट सेक्टर के लोगों की सरकार के बड़े पदों पर सीधी भर्ती करना है। उद्देश्य है- प्रशासन में एक्सपर्ट्स शामिल होते हैं और प्रतिस्पर्धा बनी रहती है। लेटरल एंट्री के तहत सरकार में संयुक्त सचिव, निदेशक या उप-सचिव की भर्ती होती है। केंद्र सरकार ने 17 अगस्त को 45 अधिकारियों की भर्ती के लिए वैकेंसी निकाली थीं। इसको लेकर भाजपा आईटी सेल के प्रभारी अमित मालवीय का कहना है कि आयोग की ओर से निकाली गई लेटरल वैकेंसी में आरक्षण के वे नियम लागू होंगे, जो यूपीएससी की किसी भी दूसरे परीक्षाओं में लागू होते हैं। वहीं भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ पर्सनल एंड ट्रेनिंग ने एक आरटीआई के जवाब में बताया कि सरकारी नौकरियों में 13 रोस्टर पॉइंट के जरिए रिजर्वेशन लागू होता है। इसमें सरकारी नौकरी में हर चौथा पद ओबीसी, हर 7वां पद एससी, हर 14वां पद एसटी और हर 10वां पद ईडब्यूएस के लिए रिजर्व होना चाहिए। हालांकि, तीन से कम पदों पर भर्ती के लिए रिजर्वेशन लागू नहीं होता है। बता दें कि सरकार ने कानूनी की तकनीकी वजहों का लाभ उठाते हुए अलग-अलग विभागों से तीन से कम पदों के लिए विज्ञापन जारी किए हैं। इसलिए इसमें रिजर्वेशन लागू नहीं होता है। हालांकि, आज सरकार ने लेटरल एंट्री भर्ती रद्द कर दी है।

मेघालय : कांग्रेस को झटका...

हमारी सरकार के विजन में विश्वास का प्रमाण है। अब हमारे पास 60 सीटों वाली मेघालय विधानसभा में 31 सदस्य हैं। इससे हमें पूर्ण बहुमत मिल गया है। हमारे समर्थकों और शुभचिंतकों को शुभकामनाएं! आपको बता दें कि मेघालय की 60 सीटों वाली विधानसभा में एनडीए के 46 विधायक हैं। इनमें एनपीपी के 31 (तीन कांग्रेस विधायकों के शामिल होने के बाद), भाजपा के दो, यूनाइटेड डेमोक्रेटिक पार्टी के 12 और हिल स्टेट पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (एचडीपीडीपी) के दो विधायक शामिल हैं। एनडीए गठबंधन को दो निर्दलीय उम्मीदवारों का भी समर्थन प्राप्त है। मेघायल में इंडी गठबंधन के कुल 13 विधायक हैं। इनमें सबसे अधिक पांच विधायक टीएमसी के हैं। कांग्रेस के पास अब केवल एक और वॉयस ऑफ द पीपल पार्टी के पास चार विधायक हैं। इस बीच मेघालय के मुख्यमंत्री सांग्मा ने घोषणा की है कि सरकार चरणबद्ध तरीके से स्थानीय लोगों को *पर्यटक सहायक* के रूप में नियुक्त करेगी। यह अर्ध-वर्दीधारी कर्मचारी होंगे, जो टूर गाइड के रूप में काम करेंगे, सुरक्षा प्रदान करेंगे और पर्यटकों को जानकारी देंगे।

ठाणे : बदलापूर में ...

मध्य रेलवे ने अंबरनाथ तक यातायात जारी रखने का फैसला किया है। इस संबंध में रेलवे की ओर से घोषणा कर दी गई है। कर्जत मार्ग पर अप और डाउन ट्रेनें अंबरनाथ तक चल रही हैं। लंबी दूरी की ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित कर दिया गया है। बदलापुर स्टेशन पर आंदोलन के कारण मध्य रेलवे यातायात बाधित हो गया है। इस मामले को ले कर राज्य सरकार हरकत मे आई है। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री तथा गृहमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मामले की जांच के लिए राज्य सरकार की ओर से एक विशेष जांच दल का गठन किया है। इस विशेष जांच दल का गठन पुलिस महानिरीक्षक स्तर की वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी आरती सिंह की अध्यक्षता में किया गया है। इसके अलावा सरकार ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को इस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में ले जाने के भी निर्देश दिए हैं। क्या है पुरा मामला.... ? बदलापुर के एक प्रतिष्ठित स्कूल में 1 अगस्त को 24 वर्षीय आरोपित को सफाईकर्मी के पद पर नियुक्त किया गया था। उसे छोटी लड़कियों को वॉशरूम तक ले जाने की जिम्मेदारी दी गई थी। एक लड़की ने बताया कि 12 और 13 अगस्त को नाबालिग लड़कियों के साथ घिनौनी हरकत हुई। गुरुवार, 14 अगस्त को 4 साल की दो लड़कियों में से एक ने अपने दादा को बताया कि उसके प्राइवेट पार्ट में परेशानी हो रही है और उसने अपनी मां को भी यह बात बताई। डरे हुए माता-पिता ने दूसरी पीड़ित लड़की के माता-पिता से संपर्क किया। उन्होंने यह भी कहा कि उनकी बेटी स्कूल जाने से भी इनकार कर रही है। इसके बाद जब अभिभावकों ने एक निजी डॉक्टर से मेडिकल जांच कराई तो डॉक्टर ने बताया कि दोनों लड़कियों के साथ यौन उत्पीड़न किया गया है। बहरहाल इस मामले की शिकायत करने पुलिस थाने पहुंचे लड़कियों के माता-पिता को 12 घंटे तक इंतजार कराया गया। पुलिस प्रशासन के खिलाफ गुस्सा जाहिर होते ही आनन-फानन में सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर शुभदा शितोले का तबादला कर दिया गया। साथ ही बदलापुर थाने में दो नये पुलिस इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारियों की नियुक्ति की गई।

आरएसएस की अखिल...

की खबरें आई थीं, लेकिन दोनों ही संगठनों के शीर्ष नेताओं ने इससे इनकार किया था। इस बैठक में दोनों संगठनों में बेहतर समन्वय को लेकर भी विचार-विमर्श हो सकता है। आरएसएस के प्रमुख पदाधिकारी सुनील आंबेडकर ने बताया है कि इस बैठक में राष्ट्रीय महत्त्व के विभिन्न विषयों, हाल में हुई महत्वपूर्ण घटनाओं और अन्य विषयों के संदर्भ में चर्चा होगी। आरएसएस के सभी अनुषांगिक संगठन विविध विषयों पर परस्पर सहयोग को और अधिक बढ़ाने हेतु आवश्यक उपायों पर भी चर्चा करेंगे। इस बैठक में आरएसएस सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले सहित संघ के सभी छह सह सरकार्यवाह और अन्य प्रमुख पदाधिकारी भाग लेंगे। सामान्यत: यह बैठक वर्ष में एक बार आयोजित की जाती है। पिछले वर्ष यह बैठक सितंबर 2023 में पुणे में हुई थी।

त्रिपुरा में भूस्खलन...

बैद्य ने फोन पर बताया कि दक्षिण त्रिपुरा जिले के देबीपुर में सोमवार रात भीषण भूस्खलन से एक घर के ढह जाने से एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान त्रिशंकर चकमा, उनकी पत्नी रजनी और उनकी बेटी बिनीता के रूप में हुई है। अतिरिक्त जिलाधिकारी (एडीएम) बीबी दास ने बताया कि सोमवार को गुमाटी जिले के कारबुक इलाके में भूस्खलन में 52 वर्षीय मौई रियांग की मौत हो गई, जबकि एक अन्य ग्रामीण लापता हो गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 19 अगस्त को खोवाई जिले के चम्पलाई इलाके में एक 14 वर्षीय लड़के के घर पर मिट्टी का ढेर गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने मंगलवार को जिला प्रशासन को सार्वजनिक सुरक्षा को प्राथमिकता देने और प्राकृतिक आपदा के प्रभाव को कम करने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश दिए। एसडीएम बैद्य ने कहा कि शांतिरबाजार उपखंड के कई निचले इलाके भारी बारिश के कारण जलमग्न हो गए। उन्होंने कहा कि महुरी और लावांग नदियां खतरे के निशान से ऊपर बहर रही हैं और बाढ़ प्रभावित लोगों की मदद के लिए चार राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

सिक्किम में भूस्खलन...

होने की खबर नहीं आई है। दरअसल, बिजलीघर को कुछ दिन पहले ही खाली करा लिया गया था। हालांकि, बिजलीघर पर काम कर रहे कर्मचारियों ने भूस्खलन को अपने फोन पर रिकॉर्ड कर लिया है। बता दें कि सिक्किम में भारी बारिश के कारण कई हिस्सों में भूस्खलन की घटनाएं सामने आई है। अक्तूबर 2023 में तीस्ता नदी बेसिन में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (जीएलओएफ) के बाद स्टेज 5 बांध निष्क्रिय हो गया था। बाढ़ के कारण नष्ट हुए बांध का पुनर्निर्माण किया जा रहा है।

होजाई में भारी संख्या में तस्करी के मवेशियों के साथ ट्रक जब्त

होजाई (हिंस)। होजाई में तस्करी के मवेशियों से भरा एक ट्रक जब्त किया गया है। पुलिस ने आज बताया कि होजाई पुलिस ने पुरनि बाजार में भीमसरिया रोड के पास से पशुओं से लदे ट्रक को जब्त किया। मवेशियों की तस्करी ट्रक (एएस-01एमसी-0887) में की गई थी। होजाई पुलिस ने ट्रक चालक को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। साथ ही पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

नगांव में हेरोइन के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। नगांव के रांगलू में पुलिस ने हेरोइन के साथ चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि पुलिस ने ग्राम रक्षकों की मदद से तस्करों को पकड़ने में सफलता प्राप्त की। गिरफ्तार तस्करों के पास से हेरोइन से भरे 30 कंटेनर जब्त किए गए। गिरफ्तार तस्करों की पहचान नबी हुसैन, नजरुल हक, नासिर अली और जुल्फिकार अहमद के रूप में हुई है।

बम लगाने के दो मामले एनआईए को सौंपेगी असम पुलिस : डीजीपी

गुवाहाटी (हिंस)। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने कहा है कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अल्फा-स्वा द्वारा बम लगाए जाने से संबंधित दो मामले असम पुलिस राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपेगी। मीडिया से बात करते हुए आज डीजीपी ने कहा कि असम पुलिस ने अल्फा-स्वा द्वारा 15 अगस्त को राज्य में 25 स्थानों पर बम लगाने संबंधी किए गए दावे के सिलसिले में 10 मामले दर्ज किए हैं। इनमें से दो मामले एनआईए को सौंपे जाएंगे। इसमें एक मामला गुवाहाटी और दूसरा लखीमपुर का है। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि पुलिस ने जांच में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। साजिश में शामिल होने के संदेह में शिवसागर में चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है। जिनमें से एक व्यक्ति को मुख्य साजिशकर्ता माना जा रहा है। डीजीपी ने कहा कि अपराधियों को दंड जरूर दिया जाएगा। असम के विकास को बाधित करने का प्रयास करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य में शांतिपूर्ण माहौल के कारण प्रगति हो रही है। यह घटना राज्य के विकास की गति को अवरुद्ध करने का एक प्रयास है। यह सुनिश्चित करेंगे कि कानून और व्यवस्था कायम रहे। सोमवार को गुवाहाटी के सिटी सेंटर शॉपिंग मॉल में बम की अफवाह के बारे में डीजीपी ने कहा कि यह एक झूठा अफवाह था। उन्होंने कहा कि मॉल को खाली करा लिया गया और गहन तलाशी ली गई। लेकिन, कुछ नहीं मिला।

दो करोड़ की ड्रग्स और नशीली गोलियां जब्त, दो गिरफ्तार

जोरहाट (हिंस)। तीताबार पुलिस ने फूलबाड़ी बाजार के पास छापा मारकर ड्रग्स की तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से एक करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स और नशीली गोलियां जब्त की है। एक सूचना के बाद डीएसपी कौशिक कलिता के नेतृत्व में तीताबर पुलिस ने तीताबर के फूलबाड़ी बाजार के पास छापा मारा। पुलिस ने यहां से यहां से नगालैंड के न्यूचुरी बस्ती निवासी सुम्बम और आकाह टो बस्ती निवासी खेट बी को पकड़ा। पुलिस ने इन दोनों के पास एक करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स और नशीली गोलियां जब्त की हैं। इसके बाद पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि पुलिस ने दोनों आरोपियों के पास से आठ साबुनदानी में छुपाए गए ड्रग्स और पॉलीथिन में छुपाए गए सैम्पेक्स 599 नशीले टेबल को जब्त किया है। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूसीरे ने बुकिंग काउंटरों पर टिकटिंग के लिए क्यूआर कोड मशीनें की स्थापित

गुवाहाटी (हिंस)। डिजिटल इंडिया विजन को बढ़ावा देने और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (पूसीरे) के रेलवे स्टेशनों के बुकिंग काउंटरों पर नकद रहित लेनदेन की सुविधा के लिए, पांच मंडलों-कटिहार, रंगिया, अलीपुरद्वार, लुमडिंग और तिनसुकिया में 422 स्थानों पर कुल 191 क्यूआर कोड मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। इन स्थानों पर अब तक कुल 587 काउंटरों को इस सुविधा से लैस किया गया है। इसके अलावा 189 अतिरिक्त क्यूआर कोड मशीनें खरीद के अंतिम चरण में हैं और जल्द ही कुछ चुनिंदा स्टेशनों पर यह स्थापित की जाएंगी। पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने मंगलवार को एक बयान जारी कर बताया है कि क्यूआर कोड मशीनों से लैस कुछ प्रमुख स्टेशनों में गुवाहाटी, कामाख्या, न्यू जलपाईगुड़ी, रंगिया, न्यू तिनसुकिया, कटिहार, न्यू बंगाईगांव, ग्वालपारा टाउन, दार्जिलिंग, किशनगंज, न्यू कोचबिहार, घुम आदि शामिल हैं। उन्होंने बताया कि क्यूआर कोड आधारित टिकटिंग प्रणाली यात्रियों को विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने टिकट बुक करने और स्टेशन पर क्यूआर कोड को स्कैन कर बिना किसी शारीरिक संपर्क के स्वत: टिकट प्राप्त करने की सुविधा देगी। इस कदम से टिकट काउंटरों पर कतार कम होने, नकद का कम से कम उपयोग और तेज एवं

सुरक्षित टिकटिंग प्रक्रिया सुनिश्चित होने की उम्मीद है। नकद रहित टिकटिंग के लिए क्यूआर कोड मशीनों की शुरुआत पूसीरे द्वारा सेवाओं को आधुनिक बनाने और यात्री सुविधा बढ़ाने के प्रयासों की दिशा में हासिल की गई एक और उपलब्धि है। टिकटिंग प्रणालियों में नवीन तकनीकों को अपनाने से ट्रेन यात्रियों के लिए यात्रा करना और अधिक आसान एवं सुरक्षित हो जाएगा। अनारक्षित टिकट प्रणाली (यूटीएस) ऐप के माध्यम से मोबाइल ऐप-आधारित टिकटिंग प्रणाली को पूसीरे पहले ही अपना चुका है। इस ऐप के माध्यम से यात्रियों को अपनी योजनाबद्ध यात्रा के लिए अपने स्मार्ट फोन का उपयोग कर अपने घरों से आसानीपूर्वक अनारक्षित टिकट बुक करा सकते हैं।

नशेड़ी पति ने की पत्नी की हत्या

धुबड़ी (हिंस)। नशे की हालात में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी। गुस्साए लोगों ने वहां पहुंची पुलिस पर हमला कर दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को गोली चलानी पड़ी। पुलिस ने आज बताया कि यह सनसनीखेज हत्या धुबड़ी जिले के फकीरगंज थाना अंतर्गत कुमरी परोवा गांव में हुई। पत्नी की हत्या करने के बाद आरोपी पति राकिब मंडल तालाब में छिप गया। फकीरगंज पुलिस मौके पर पहुंची और कई घंटों तक तलाशी के बाद आखिरकार आरोपी को पकड़ने में कामयाब रही। उसे गिरफ्तार कर थाना ले जाया गया। गुस्साई भीड़ ने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर हमला कर दिया। भीड़ के हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। उत्तेजित भीड़ ने पुलिस वाहन की तोड़फोड़ की। जिन दो घरों में पुलिसकर्मियों ने शरण ली थी, उन्हें भी गुस्साए लोगों ने तोड़ दिया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आखिरकार पुलिस को गोली चलानी पड़ी। इस घटना से पूरे क्षेत्र में तनाव व्याप्त है।

जोरहाट में शव बरामद

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट में आज सुबह एक शव बरामद किया गया। जोरहाट के फांसी आली के धोबीघाट इलाके में शव लावारिस अवस्था में पाया गया। पुलिस ने बताया कि सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान जोरहाट राजामैदाम न्यू कॉलोनी के उस्मान अली के बेटे फरीद अली के रूप में हुई है। युवक की मौत के कारणों का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। पुलिस की जांच से सामने आएगा कि यह सुनियोजित हत्या थी या आत्महत्या।

रामेश्वर तेली और मिशन रंजन होंगे भाजपा के रास सीटों पर उम्मीदवार

गुवाहाटी (हिंस)। राज्यसभा की दो रिक्त सीटों के लिए होने वाले चुनाव के लिए भाजपा के दोनों उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप दिया गया है। रामेश्वर तेली और मिशन रंजन दास राज्यसभा सीटों के लिए के उम्मीदवार होंगे। दोनों उम्मीदवारों के कल औपचारिक रूप से नामांकन पत्र दाखिल करने की संभावना है। उल्लेखनीय है कि रामेश्वर तेली पहले दुलियाजान विधानसभा क्षेत्र से विधायक थे। वह डिब्रूगढ़ लोकसभा से सांसद के रूप में केंद्रीय राज्य मंत्री भी थे। वहीं, मिशन रंजन दास उत्तर करीमगंज निर्वाचन क्षेत्र से चार बार विधायक रहे। वहीं दूसरी ओर, इस बार कांग्रेस नेतृत्व वाले विपक्षी गठबंधन द्वारा राज्यसभा के लिए कोई उम्मीदवार नहीं दिया गया है।

असमिया कॉमेडी फिल्म लोकल कुंग फू-3 का पोस्टर अनावरण और ट्रेलर लांच

गुवाहाटी (हिंस)। पहली असमिया कॉमेडी फिल्म लोकल कुंग फू-3 का तीसरा संस्करण एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने आ गई है। सिनेमाघरों में 5 सितंबर को रिलीज होने वाली इस फिल्म का पोस्टर अनावरण और ट्रेलर लांच मंगलवार को गुवाहाटी के काहिलीपारा स्थित ज्योतिचित्रबन में किया गया। लोकल कुंग फू केनी देओरी बसुमतारी के निर्देशन में बनी असमिया कॉमेडी फिल्म है। इसे भारत की पहली कुंग फू फिल्म भी कहा गया है। इसकी कहानी गुवाहाटी के एक साधारण लड़के, उसकी प्रेमिका और कई पागल किरदारों के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म के पहले संस्करण के पात्र बोनजो, डुलू, तानसेन, मोंटू दा, चार्ली आदि लोकल कुंग फू-3 में वापस आ रहे हैं। निर्देशक केनी ने कहा कि इस बार फिल्म में अन्य नियमित कलाकारों के साथ चार्ली की प्रेम रुचि के रूप

में रिंपी दास, दुलु तानसेन के बिग बॉस के रूप में रोहन दास और नए खलनायक के रूप में जावेद अख्तर तथा रूबुल बोरो जैसे नए कलाकार भी शामिल हैं। एल्बम में शामिल 8 गानों के साथ इस फिल्म का संगीत केनी की सभी फिल्मों में से सबसे महत्वाकांक्षी है। अचूर्ज्य बोरपात्र, शाश्वती फुकन, नील आकाश, राज जे कोंवर और अंबर दास जैसे दिग्गजों के साथ शैडी मेलो, जनम कश्यप, स्नेहा और श्रुति सरमा जैसे युवा और उभरते कलाकारों ने भी इन गानों में अपनी आवाज दी है। बोनी देओरी ने *आई एम गोना गिव धुलाई* नामक एक विशेष गीत भी गाया है, जो उनके बेहद लोकप्रिय *नंबर वन अंडर-18 डॉन इज बोनजो* की अगली कड़ी है। फिल्म रिलीज करने के बारे में केनी ने कहा कि यह एक अद्भुत संयोग है कि हम टीचर्स डे पर फिल्म रिलीज कर रहे हैं, क्योंकि फिल्म में शिक्षक-छात्र का रिश्ता सबसे महत्वपूर्ण रिश्ता है। इसी वजह से हमने राज जे कोंवर द्वारा प्रस्तुत *गुरु मोर, गुरु आमार* शीर्षक गीत तैयार किया है। मुझे उम्मीद है कि राजद्वीप के बोल के साथ अचूर्ज्य बोरपात्र द्वारा गाया गया यह गीत शिक्षक दिवस के कार्यक्रमों में पेश किया जाएगा। उन्होंने बताया कि लोकल कुंग फू-2 में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाने वाले बिभूति भूषण हजारिका अब एलकेएफ-3 में आदर्श शिक्षक की भूमिका निभा रहे हैं। उनके शिष्यों में अद्रिता परसा महंत और पहली बार इस श्रृंखला में काम करने वाली फरेन्या कश्यप शामिल हैं। फिल्म में कैमरामैन सुरुज डेका, लाइन प्रोड्यूसर के रूप में अनुपम बैश्य, प्रोडक्शन मैनेजर के रूप में बिभाष सिन्हा और कुछ बहुत ही अनोखे साउंडिंग पीस के साथ बैकग्राउंड म्यूजिक को टोनी देवरी बसुमतारी और डेरिक कोर्रेया ने संभाला है। इसके अलावा अनमोल राज सैकिया ने मुख्य सहायक निर्देशक के रूप में काम किया है। बिस्वा कलिता ने मेकअप विभाग का नेतृत्व किया, ज्योति शंकर भट्टाचार्य ने कला विभाग, श्यामल दास ने कलर ग्रेडिंग और प्रेम राभा वेशभूषा का काम संभाला। टीम ने कहा कि उन्होंने एलकेएफ 3 में केवल वेशभूषा पर एलकेएफ 1 के पूरे बजट का दोगुना खर्च किया है। प्रचार डिजाइन अभिजीत लस्कर और टोनमोय काकोती ने किया है। केनी ने कहा कि लोकल कुंग फू-3 ऐसी फिल्म है जो बच्चों से लेकर दादा-दादी तक सभी का मनोरंजन कर सकती है। अगर कोई एलकेएफ 1 को फिर से देखना चाहता है या अपने बच्चों को दिखाना चाहता है तो वे इसे रीलड्रामा पर हमारी अन्य फिल्मों के साथ देख सकते हैं। लोकल कुंग फू-3 की अभिनेत्री रिम्पी दास ने इस अवसर पर कहा कि मैं खुश हूं कि यह परियोजना मेरे दिल के बहुत करीब है। हम सभी ने दर्शकों के मनोरंजन के लिए आवश्यक सब कुछ किया है, मुझे यकीन है कि लोग फिल्म को खुशी-खुशी अपनाएंगे।

सीआईटी कोकराझाड़ के विद्यार्थियों और 135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स ने पर्यावरण प्रतिज्ञा दिवस के साथ मनाया रक्षाबंधन

कोकराझारड़ (विभास)। परंपरा और पर्यावरण चेतना के एक दिल को छू लेने वाले मिश्रण में, केंद्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (सीआईटी) कोकराझाड़ के 20 छात्रों ने सीआईटी गर्ल्स हॉस्टल में नए लगाए गए पौधों की रक्षा और पोषण करने की प्रतिज्ञा के साथ रक्षाबंधन के त्यौहार को मनाया। 135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में छात्रों ने पौधों को प्रतीकात्मक राखी बांधी और उनकी देखभाल करने की शपथ ली, जैसे वे अपने भाई-बहन की करते हैं। त्योहार के लिए यह अभिनव दृष्टिकोण, जो पारंपरिक रूप से भाई-बहनों के बीच के बंधन का जश्न मनाता है, पर्यावरण की सुरक्षा की भावना को बढ़ाता है। छात्र मामलों के सहायक डीन, श्री देवर्षि कुमार ब्रह्म ने कहा कि हम रक्षाबंधन को

एक नया अर्थ देना चाहते थे। इन पौधों की रक्षा करने की प्रतिज्ञा करके, हम न केवल एक हरियाली भरे परिसर में योगदान दे रहे हैं, बल्कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को भी बढ़ावा दे रहे हैं। वनरोपण और पारिस्थितिकी बहाली में अपने प्रयासों के लिए जानी जाने वाली 135 पारिस्थितिकी टास्क फोर्स ने पौधों को उचित रोपण तकनीकों और उनकी देखभाल के बारे में मार्गदर्शन प्रदान किया। टास्क फोर्स का प्रतिनिधित्व करने वाले लेफ्टिनेंट कर्नल ई प्रेमजीत सिंह ने छात्रों की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि युवा दिमागों को हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए देखना उत्साहजनक है। जैसे-जैसे पौधे बड़े होंगे, वे पर्यावरण संरक्षण के लिए छात्रों की प्रतिबद्धता की जीवंत याद दिलाएंगे, जिससे रक्षाबंधन के प्रिय त्योहार में अर्थ की एक नई परत जुड़ जाएगी। इस आयोजन की सफलता ने इसे एक वार्षिक परंपरा बनाने की योजनाओं को प्रेरित किया है, जिसमें आने वाले वर्षों में अधिक छात्रों और बड़ी संख्या में पौधों को शामिल करने की संभावना है।

कोकराझाड़ : बीटीसी ने परियोजना निगरानी समिति का गठन किया

कोकराझारड़। बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) ने घोषणा की है। तेजी से सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक परिषद स्तरीय केंद्रीय परियोजना निगरानी समिति का गठन और बीटीसी जिलों में विकास परियोजनाओं का प्रभावी कार्यान्वयन। यह समिति परियोजना की प्रगति को सुविधाजनक बनाने, अंतर-संबंध को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विभागीय समन्वय, भूमि मुआवजा वितरण में तेजी लाना और किसी को संबोधित करना भूमि संबंधी मुद्दे जो कोकराझाड़ जिलों में परियोजना की प्रगति में बाधा बन सकते हैं, चिरांग, बक्सा, तामुलपुर और उदलगुरी। केंद्रीय परियोजना निगरानी समिति की अध्यक्षता के प्रधान सचिव करेंगे बीटीसी आकाश दीप। समिति

परियोजना कार्यान्वयन द्वारा प्रस्तुत मुद्दों को संबोधित करेगी। एजेंसियाँ यदि संबंधित विभागों द्वारा क्षेत्र स्तर पर अनसुलझी हैं। बीटीसी बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र और यह नई समिति चुनौतियों पर काबू पाने के प्रति इसके समर्पण का प्रमाण है और परियोजना को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना।

सात दिवसीय भव्य कार्यक्रमों के साथ 100वां झूलनोत्सव संपन्न

अद्वितीय विद्युत प्रकाश व्यवस्था रही आकर्षण का केंद्र

रंगिया (विभास)। रंगिया के श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में हर बार की तरह इस बार भी भव्य कार्यक्रमों के साथ सात दिवसीय झूलन महोत्सव कार्यक्रम का संपन्न हुआ। भव्य कार्यक्रमों के साथ आयोजित श्री श्री राधाकृष्ण झूलन यात्रा शतवार्षिकी महोत्सव का सोमवार को सफल समापन हुआ। बता दे कि रंगिया का यह ऐतिहासिक महोत्सव दूर दूर तक विख्यात है। वहीं इस वर्ष महोत्सव के सौवें आयोजन में अनूठी तकनीकी की विद्युत सजावट और आकर्षक झांकियों ने भक्तों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। महोत्सव के दौरान मंदिर प्रांगण में 200 से भी अधिक भगवान की मनोरम मूर्तियां सजाई गई थी जिसके द्वारा आयोजकों ने भगवान कृष्ण की विभिन्न लीलाओं को दिखाया। महोत्सव में हर दिन, असंख्य भक्तों का आवागमन देखा गया। मालूम होकि रंगिया का यह महोत्सव राज्यभर में अपना एक विशिष्ट स्थान रखता है। इस दौरान प्रतिदिन लाखों दर्शनार्थी इस महोत्सव का हिस्सा बनते है। इस वर्ष तोरोनी रास महोत्सव गत 13 अगस्त से प्रारंभ होकर इसका समापन 19 दिसंबर को किया गया। महोत्सव के सफलता पूर्वक समापन में सभी की सहयोगिता और मार्गदर्शन के लिए आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश सिकरिया, सचिव प्रमोद अग्रवाल, संयोजक राजकुमार लुंडिया और कोषाध्यक्ष दिनेश अग्रवाल सहित समिति के सभी पदाधिकारियों द्वारा सभी समाजबंधुओं, कार्यकर्ताओं और भक्तों का आभार व्यक्त किया गया है।

पूर्वोत्तर में लगातार बारिश के कारण व्यापक तबाही

गुवाहाटी (हिंस)। असम समेत पूर्वोत्तर के कई राज्यों में बीते 72 घंटे से हो रही रह रहकर बारिश के कारण भारी तबाही मची हुई है। बारिश के कारण मेघालय, मिजोरम, मणिपुर, असम, अरुणाचल प्रदेश आदि पहाड़ी राज्यों में अनेक स्थानों पर भूस्खलन होने की सूचना प्राप्त हुई है। वहीं दूसरी ओर, बाढ़ के कारण ऊपरी असम तथा निचले असम के कई जिले भीषण बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। असम समेत पूर्वोत्तर भारत के कई शहरों में जल जमाव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। सड़कों पर तथा लोगों के घरों में बारिश का पानी भर गया है। भूस्खलन और जल जमाव के कारण कई स्थानों पर सड़क मार्ग अवरुद्ध हुए हैं। राजधानी गुवाहाटी में लगातार हुई बारिश के कारण कई इलाकों में जल जमाव हो गया है। मौसम विभाग द्वारा लगातार इस सिलसिले में चेतावनी जारी की जा रही है।

बंगाईगांव : श्री अग्रवाल समाज एवं युवा परिषद का शपथ विधि समारोह संपन्न

बंगाईगांव। श्री अग्रवाल समाज सभा, बंगाईगांव एवं श्री अग्रवाल युवा परिषद का 2024-2026 सत्र के लिए नए कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह 18 अगस्त रविवार को संपन्न हुआ। समाज के वरिष्ठ सदस्य प्रेमनाथ हरलालका की अध्यक्षता में आयोजित हुआ शपथ ग्रहण समारोह में समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। राष्ट्रगान के साथ शुरू हुए इस शपथ ग्रहण समारोह में सर्वप्रथम प्रेमनाथ हरलालका ने अग्रवाल समाज सभा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनोज हरलालका को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई तथा सुशील अग्रवाल ने नव निर्वाचित सचिव विकास सुरेका को शपथ पाठ करवाया। मनोज हरलालका ने अग्रवाल युवा परिषद के नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल को शपथ पाठ करवाया। सुरेश डाबड़ीवाल (उपाध्यक्ष), सुनील अग्रवाल एवं जितेश बजाज (सह-सचिव), कैलाश गर्ग (कोषाध्यक्ष),

गोपाल हरलालका (प्रचार सचिव), दिपेश सुरेका एवं दीपक अग्रवाल (सह-प्रचार सचिव), महेश कुमार अग्रवाल (सांस्कृतिक सचिव), नीरज सुरेका (सह-संस्कृति सचिव) के अलावा उपस्थित कुछ सदस्यों ने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में भी शपथ ली। प्रेमनाथ हरलालका, राजकुमार बजाज, सुशील अग्रवाल, पवन गुप्ता, विनोद अग्रवाल को सलाहकार बनाकर कार्यकारिणी का गठन किया गया है। महेश कुमार अग्रवाल ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। इस गरिमामय शपथ ग्रहण समारोह को प्रेमनाथ हरलालका, मनोज कुमार हरलालका, राजकुमार बजाज, गोपाल हरलालका, महेश कुमार अग्रवाल, विकास सुरेका, गोविंद अग्रवाल आदि ने संबोधित किया। प्रेम नाथ हरलालका ने अपने संबोधन में समाज की एकता पर बल दिया तथा सभी को साथ मिलकर आगे बढ़ने का आह्वान किया तथा जल्द से जल्द महिला शाखा की नई कार्यकारिणी के गठन करने का आग्रह किया। मनोज कुमार हरलालका ने समाज को और ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। महेश कुमार अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ। यह जानकारी प्रचार सचिव गोपाल हरलालका ने दी।

संपादकीय

आरक्षण की छद्म राजनीति

आरक्षण पर फर्जी, छद्म, झूठी, अतार्किक कहानियां गढ़ी जा रही हैं। खासकर कांग्रेस और समाजवादी पार्टी आरक्षण और उसके आधार संविधान के जरिए मोदी-विरोध की राजनीति कर रही हैं। लोकसभा चुनाव में उनका यह 'हथियार', कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को 'ब्रह्मसत्य' मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है। इस सूची में पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह का नाम भी है, जिन्हें 'विशेषज्ञ अर्थशास्त्री' के कारण तत्कालीन केंद्र सरकार ने भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया था। फिर 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया था। 1991 में जब वह केंद्रीय वित्त मंत्री बने, तो वित्त सचिव के पद पर उन्होंने मोंटेक सिंह आहलूवालिया को मांगा था। मोंटेक आईएएस नहीं थे, फिर भी देश के वित्त सचिव बनाए गए। बाद में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार में उन्हें 'योजना आयोग' का उपाध्यक्ष भी बनाया गया। इसी सूची में रघुराम राजन, विमल जालान, नंदन नीलेकणि, सैम पित्रोदा, एनटीपीसी के चेयरमैन रहे पी. कपूर आदि सैकड़ों नाम दर्ज हैं, जिन्हें सरकार ने सीधे ही नौकरशाही के वरिष्ठ पदों पर नियुक्त किया था। ऐसी नौकरियां 1968 से दी जा रही हैं और अधिकतर कांग्रेस सरकारों के दौरान ही दी गई हैं। तब संविधान को खत्म करने और आरक्षण को छीनने के मुद्दे नहीं उठाए गए। अब भी सीधी भर्ती वाले 57 शीर्ष अधिकारी भारत सरकार में कार्यरत हैं। इन भर्तियों से आईएएस, आईपीएस, आईएफएस, आईआरएस आदि के युवा दावेदार कहीं भी प्रभावित नहीं होंगे। यह मुद्दा राहुल गांधी बार-बार उठा रहे हैं। भारत सरकार में जो अधिकारी आज सचिव के पद पर हैं, वे 1990 के दशक में आईएएस बने होंगे। आरक्षण तब लागू हुआ होगा, नतीजतन 3-4 सचिव आज अनुसूचित जाति और जनजाति के भी हैं। इस व्यवस्था में प्रधानमंत्री भी कुछ नहीं कर सकता। संघ लोक सेवा आयोग की अपनी स्वायत्तता है। लोकतंत्र में जनादेश ही अधिकार देता है। जनादेश से जिसकी सत्ता बनी है और प्रधानमंत्री, कैबिनेट आदि तय हुए हैं, तो संविधान उन्हें कुछ विशेषाधिकार भी देता है। पहले तो प्रधानमंत्री ही तमाम संवैधानिक पदों पर नियुक्ति करते थे। अब कमोबेश नेता प्रतिपक्ष भी चयन समिति के सदस्य हैं। लिहाजा सीधी भर्तियां भी सरकार कर सकती है। इसमें कुछ भी असंवैधानिक नहीं है। यदि विपक्ष को कुछ गलत लगता है, तो वह सर्वोच्च अदालत में चुनौती दे सकता है। सचिव की बात छोड़ भी दें, तो संयुक्त सचिव पद के लिए भी कमोबेश 15 साल का अनुभव अनिवार्य है। निदेशक/ उपसचिव के लिए भी 10 साल का अनुभव जरूरी है। जो युवा आज आईएएस बन रहे हैं अथवा बनना चाहते हैं, उन्हें शुरुआती दौर में एसडीएम या सहायक कलेक्टर आदि पदों पर नियुक्त किया जा सकता है। सरकार अपेक्षाकृत वरिष्ठ पदों पर विशेषज्ञों के अनुभव का लाभ उठाना चाहती है।

लोकसभा चुनाव में उनका यह 'हथियार', कमोबेश उप्र और महाराष्ट्र में, कारगर साबित हुआ। राजस्थान में भी भाजपा को कुछ हद तक नुकसान झेलना पड़ा। अब उपचुनावों और राज्यों के विधानसभा चुनावों में भी वे इसका इस्तेमाल करना चाहती हैं। न तो संविधान को खत्म किया जा सकता है और न ही आरक्षण छीना जा सकता है, इसे देश को 'ब्रह्मसत्य' मानना चाहिए। यदि दलित, आदिवासी और ओबीसी के किसी बच्चे को, प्राथमिक शिक्षा के स्तर पर, आरक्षण की सुविधा न मिले और पहली नौकरी के समय आरक्षण की अनिवार्यता लागू न की जाए, तो वह आरक्षण-विरोध है। उस पर आंदोलित भी होना चाहिए और अदालत का दरवाजा भी खटखटाना चाहिए, लेकिन भारत सरकार जिन शीर्ष पदों पर 'विशेषज्ञों' की सीधी भर्ती करना चाहती है, वे सामान्य आरक्षण के दायरे में नहीं हैं। संयुक्त सचिव 10 और निदेशक/ उपसचिव की 35 भर्तियां सरकार करेगी। उसका विज्ञापन भी सार्वजनिक किया गया है। यह कवायद पहली बार नहीं की जा रही है।

यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं

इतिहास के उन ओझल पन्नों की याद

कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं।

अगस्त का महीना हमारी आजादी के इतिहास को ही समेटे नहीं है, बल्कि इस महीने के साथ कई क्रांतियों का गौरवमयी इतिहास भी समाहित है। तारीख में उन घटनाओं को तवज्जो तो मिली है, लेकिन भावी इतिहास के संदर्भ में उनके असर को अहमियत नहीं दी गई है। बलिया, तामलुक और सतारा की क्रांतियों और वहां स्वाधीन भारत से पहले ही सुराजी या स्थानीय सरकार की स्थापनाओं ने भावी इतिहास पर कितना असर डाला, इस नजरिए से उन्हें नहीं देखा-समझा गया। नौ अगस्त 1942 की सुबह मुंबई में कांग्रेस के पूरे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया गया। कांग्रेस के मुंबई अधिवेशन में हिस्सा लेने के लिए आ रहे वालंटियर और कार्यकर्ताओं को या तो रास्तों के स्टेशनों पर ही उतार दिया गया या फिर गिरफ्तार कर लिया गया। इसके पहले की रात को कांग्रेस 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव स्वीकार कर चुकी थी। संदर्भ के लिए बता दें कि 'भारत छोड़ो' का नारा कांग्रेस में सक्रिय समाजवादी धड़े के युवा नेता युसूफ मेहर अली ने दिया था। चूंकि आज की तरह उन दिनों संचार के माध्यम नहीं थे, लिहाजा गांधी, नेहरू, पटेल समेत तमाम कांग्रेसी शीर्ष नेतृत्व की गिरफ्तारी की खबरें देर से देश के सुदूरवर्ती इलाकों में पहुंचीं। जैसे-जैसे ये जानकारी पहुंची, इलाकों में अंग्रेज सरकार के खिलाफ बढ़ता चला गया।

यूरोपीय देशों की सभ्यता की इतिहासकार जब भी चर्चा करते हैं, ब्रिटिश और फ्रेंच समाज को सबसे ज्यादा सुसंस्कृत माना जाता है। लेकिन ब्रिटिश समाज कितना सभ्य था, इसे भारत में किए उसके दमन से समझा जा सकता है। दिलचस्प यह है कि बयालिस की क्रांति के दौरान ही दूसरा विश्व युद्ध जारी था। यूरोप में हिटल को नाजी बताकर ब्रिटिश सेनाएं उसके विरोध में युद्धरत थीं। तब जर्मन शासक हिटलर यूरोप की नजर में असभ्य था। हिटलर को असभ्य और अमानवीय बताने वाली ब्रिटिश सरकार भारत में उन्हीं दिनों हिटलर जैसा ही कहर ढा रही थी। इतिहास में बयालिस की क्रांति और अंग्रेजों के दमन को इस नजरिए से भी कभी व्याख्यायित नहीं किया गया।

बयालिस के आंदोलन के दौरान अंग्रेजों का दमनचक्र हर

उस इलाके में पूरी क्रूरता के साथ चला, जहां के लोगों ने सुराज के लिए आवाज बुलंद की। बलिया को कुछ ज्यादा ही दमनचक्र से गुजरना पड़ा। इसकी वजह यह रही कि बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया। 18 अगस्त को बैरिया, रसड़ा, सुखपुरा आदि जगहों पर हुई अंधाधुंध गोलीबारी और उसमें नौजवानों और छात्रों के बलिदान से बलिया का खून खौल उठा। तकरीबन करीब दस लाख की आबादी सड़कों पर उतर आई। रेलवे लाइनें उखाड़ डाली गईं, थाने और तहसील लूट लिए गए। दिलचस्प यह है कि तब बलिया के कलेक्टर कोई अंग्रेज नहीं, भारतीय जगदीश्वर चंद्र निगम थे। लोगों का गुस्सा इतना बढ़ा कि निगम को हारकर बलिया जेल में बंद कांग्रेस के जिला अध्यक्ष चित्तू पांडेय को छोड़ना पड़ा। 19 अगस्त के दिन बलिया ने खुद को आजाद घोषित कर दिया और चित्तू पांडेय उस सरकार के मुखिया बने, जबकि क्रांतिकारी महानंद मिश्र पुलिस प्रमुख। इस आजादी के बाद जिस व्यवस्था ने पांच-छह दिनों तक व्यवस्था चलाई, उसे 'सुराजी सरकार' नाम दिया गया था। बलिया के साथ मिदिनापुर के तामलुक और महाराष्ट्र के सतारा में भी ऐसी ही देसी सरकारें बनीं। तीनों जगह पांच से लेकर हफ्तेभर में अंग्रेजी हुकूमत ने कब्जा कर लिया और उसके बाद जो दमन चक्र चला, सिहरन के साथ उसे याद करने वाली पीढ़ी भी अपनी उम्र पूरी करके दुनिया को विदा कह चुकी है। इसके बावजूद वह दमन बलिया के लोगों के रगों में आज भी दौड़ रहा है।

ब्रिटिश 23 अगस्त की रात में संयुक्त प्रांत के ब्रिटिश गवर्नर हैलेट ने बनारस के कमिश्नर नेदर सोल को बलिया का प्रभारी जिलाधिकारी बना कर बलूच फौज के साथ भेजा..इसी दिन दोपहर में बक्सर की ओर से जलमार्ग से मार्क स्मिथ और 24 अगस्त की सुबह आजमगढ की ओर से कैप्टन मूर के नेतृत्व में ब्रिटिश फौज बलिया पहुंची और फिर वह बलिया में हिटलर की नाजी सेना बन गई। दमन के आगे निहत्थी जनता कितने दिन तक टिकती। बलिया का सत्ताहस्तांतरण खारिज करके उस पर ब्रिटेन का कब्जा कर लिया गया। हैलट ने ब्रिटिश भारत के सचिव को अगस्त 42 के आखिर में बलिया पर कब्जे का टेलीग्राम भेजा और बीबीसी ने इस पर खबर प्रसारित की।

बलिया की आजादी और हिंसा को लेकर सवाल भी उठाए गए। जाहिर है कि सवाल उठाने वाले ब्रिटिश सभ्यता पोषक ही थे। लेकिन अहिंसा के पुजारी गांधी ने उन सवालों को खारिज कर दिया था। उन्होंने बलिया की घटनाओं के लिए ब्रिटिश सरकार के दमन और अत्याचार को ही जिम्मेदार बताया था। अहमदनगर जेल से छूटते ही बलिया को लेकर जवाहर लाल नेहरू ने जो कहा था, वह भी अहम है। उन्होंने कहा था कि उस हालात में वे भी ऐसा ही करते, जैसा बलिया वालों ने किया।

इस घटना के दो दशक पहले असहयोग आंदोलन के दौरान भी बलिया पर ब्रिटिश सरकार के अत्याचार झेलने पड़े थे। गांधी जी को इसकी रिपोर्ट उनके सबसे छोटे बेटे देवदास गांधी ने भेजी थी, जिसके आधार पर गुजराती नवजीवन में गांधी जी ने बलिया पर लेख लिखा था। पूरी दुनिया बलिया को अक्खड़ बताती है, लेकिन इस लेख में गांधी जी बलिया वालों को सज्जन बताते हैं। 1925 में बलिया पहुंचे जवाहर लाल नेहरू ने कहा था कि वे बलिया की सरजमीं को चूम लेना चाहते हैं।

इतिहास को बदलने में इन घटनाओं की अहम भूमिका रही है। इनके चलते आंदोलनकारी इलाकों ने इतिहास ही नहीं, बाद के दौर में भी कीमत चुकाई है। यह कीमत कभी पिछड़ापन के रूप में दिखती है तो कभी मूल्यांकन की कमी के रूप में। इतिहास की खासियत है कि वह नए संदर्भों में फिर से नए सिरे से उठ खड़ा होता है। यह इतिहास उठ रहा है और अपना हक मांग रहा है।

दृष्टि कोण

माहौल बनाओ, छात्रों का प्लायन रोको

आज स्कूलों में शिक्षा मुफ्त है, वर्दी मुफ्त है, भोजन मुफ्त है, दवाइयां मुफ्त है, स्कॉलरशिप है, परंतु हालात-ए-हाजिर बताते हैं कि प्रदेश के सरकारी स्कूल घटती हुई छात्र संख्या की समस्या से दो-चार है। सोचा क्या था और हो क्या गया, ये परेशानी का सबब है। निस्संदेह कोई भी नीति बेहतरी के लिए ही बनाई जाती है, परंतु परिणाम सफलता-असफलता तो जमीनी कार्यान्वयन व प्रदर्शन पर निर्भर करते हैं। शिक्षा नीति कोई भी हो, अमलीजामा तो उसे स्कूल में कार्यरत अध्यापक ने पहनाना है। ग्राउंड जीरो पर तैनात वह क्या करता है, यही शिक्षा की दशा को निर्धारित करता है। सरकारी स्कूलों में घटती छात्र संख्या का एक बहुत बड़ा तत्त्व है स्कूलों की साख, जो माहौल और वर्क कल्चर पर निर्भर करती है। यदि माइक्रो लैवल पर हर एक स्कूल छोटी-छोटी बातों पर खुद का ध्यान केंद्रित करे, तो निस्संदेह स्थिति सुधरने की संभावना है क्योंकि छोटे-छोटे सुधार ही बड़े-बड़े सुधारों के आधार बनते हैं। वो ऐसा है कि किसी स्कूल में सवेरे छात्रों के प्रवेश से ले कर उनके गृह प्रस्थान तक जो-जो भी घटता और चलता है, उसकी खबर हर शाम उतने घरों तक पहुंचती है, जितने घरों के बच्चे वहां पढने आते हैं। इस तरह समाज में उस स्कूल की एक छवि बन जाती है। ये बात हर अध्यापक को गांठ बांध लेनी चाहिए कि अन्य विभागों के दफ्तरी समय की तरह स्कूलों का कार्य शुरू नहीं होता, बल्कि पहली घंटी बजने के साथ हो जाता है। उससे भी पहले कहा जाए तो गलत नहीं होगा। उदाहरणतः यदि स्कूल का समय दस बजे का है, तो बहुत से छात्र साढ़े नौ बजे के आसपास ही स्कूल पहुंच जाते हैं क्योंकि छात्र विभिन्न क्षेत्रों से बसों में आते हैं जिनका समय अलग-अलग होता है। इस बीच स्कूल में अगर कोई देखरेख करने वाला अध्यापक मौजूद नहीं है, तो जाहिर है अव्यवस्था का माहौल होगा। बच्चे तो बच्चे होते हैं, बचकानी हरकतें कर सकते हैं। यही वह समय होता है, जब छात्र अवांछित गतिविधियों में संलिप्त हो जाते हैं, जिनमें लड़ाई-झगड़ा, नशे का सेवन, छात्राओं से छेडख़ानी की घटनाएं शामिल हैं। ऐसे में अच्छे छात्रों की भी इन गतिविधियों में शामिल होने की संभावना बढ़ जाती हैं और चमकते हुए चांद टूटे हुए सितारे बन जाते हैं, क्योंकि सभी छात्र इतने परिपक्व तो नहीं होते कि रहीम जी के चंदन के वृक्ष बन जाए, जिन पर भुजंगों का असर नहीं होता। बहुत से सेब की तरह भी होते हैं, जो एक सड़े हुए सेब की सोहबत में सड़ जाते हैं। अतः विद्यालय प्रमुख को चाहिए कि दैनिक आधार पर बारी-बारी से अध्यापकों को सवेरे छात्रों की निगरानी के लिए तैनात करे। प्रातःकालीन सभा किसी भी स्कूल का आईना होती है। जितनी बेहतर यह सभा होगी, उतनी बेहतर उस स्कूल की छवि समाज में बनती है। इस समय छात्रों का टर्नआऊट व क्रियाकलाप कैसा है, इस बात का ध्यान रखना अध्यापकों का दायित्व बन जाता है। यह समय अध्यापकों के लिए छात्रों से संवाद करने का सबसे बढिया मौका होता है। कक्षा में ही नहीं, कक्षा के बाहर आध्यापकों का छात्रों से संवाद का लहजा कैसा है, यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। प्रातः कालीन सभा पर स्कूल के आसपास रहने वाले लोगों की नजर रहती है। यह स्कूल के हर अध्यापक का कत्तव्य है कि वह छात्रों से संवाद करे व उनके सर्वांगीण विकास में मदद करें। प्रातःकालीन सभा के क्रियाकलाप जैसे समाचार वाचन, भाषण, प्रार्थना, राष्ट्रगान व राष्ट्रगीत यदि बेहतरीन हो जाए, तो स्कूल की छवि में चार चांद लग जाते हैं। इससे पूरे क्षेत्र में स्कूल के बारे में सकारात्मक संदेश जाता है। इसी तरह छुट्टी का समय भी महत्त्वपूर्ण है। इस समय अध्यापकों का छात्रों से पहले कक्षा से बाहर आना अखरता है और यह भी एक अराजक स्थिति पैदा करता है। सुनिश्चित किया जाए कि छात्रों के स्कूल से बाहर निकलने से पहले अध्यापक स्कूल न छोड़ें। यह सुनिश्चित हो कि छात्र तरतीब से बाहर निकले अर्थात कक्षावार बाहर निकलें न कि एक साथ। इन बातों पर विद्यालय प्रमुख की निगरानी नित्तांत आवश्यक है। अध्यापक के छुट्टी पर होने से खाली कक्षाओं का समायोजन नियमित रूप से होना चाहिए। जब कोई वैकल्पिक विषय का पीरियड होता है, तो अकसर छात्र कमरे बदलते हैं। उस समय भी अध्यापक सुनिश्चित करें कि छात्रों की आवाजाही के बाद ही कक्षा से बाहर आएं अन्यथा रोज अफरा तफरी का माहौल बना रहेगा। ये बात भी जरूरी है कि स्कूलों में छात्रों के बहुआयामी विकास के लिए गतिविधियां होती रहें। जहां संख्या माकूल है, वहां छात्रों को विभिन्न सदनों में बांटा जाए और अंतर सदन प्रतियोगिताओं के आयोजन में अध्यापक निरंतर रुचि दिखाएं। कम संख्या वाले स्कूलों में अंतर कक्षा स्पर्धाएं करवाई जा सकती हैं। विभिन्न अंतर विद्यालय खेल, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में स्कूल का क्या प्रदर्शन रहता है, इस बात से भी स्कूल की छवि बनती है। विद्यालय में चल रही एनएसएस, स्काउट एंड गाइड, एन सी सी, इको क्लब इत्यादि इकाइयों का निरंतर क्रियाशील होना भी आवश्यक है। कहीं फोटो खींच कर ही इतिश्री करने का काम तो नहीं हो रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि सरकारी अध्यापक डिमोटिवेटिड सा हो गया है। अतः जिला व राज्य स्तर पर समय-समय पर अध्यापकों के लिए मोटिवेशनल कार्यशाला या सेमिनार का आयोजन किया जाए।

कुछ अलग

कुरसी पर बंदर...

उत्तर प्रदेश की पुलिस अकसर चर्चाओं में बनी रहती है। कभी लाठी के ऊपर घुड़सवारी की प्रेक्टिस के कारण तो तो कभी मुंह से गोलियां चला कर। कभी उदंड कांवडियों पर हेलिकाप्टर से फूल बरसा कर तो कभी फजरी एनकाऊंटर में लोगों को गोली का निशाना बना कर। उसे नेताओं की तरह किसी न किसी बहाने चर्चा में बने रहने का पुराना अभ्यास और अनुभव जो है। लेकिन फिलहाल चर्चा है अयोध्या राम जन्मभूमि थाने के कोतवाल द्वारा स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर अपनी कुरसी पर बंदर को बिठा कर सलामी देने की। कोतवाल बाकायदा बावर्दी अपने नंग-धडंग पूर्वज को सलाम ठोक रहे हैं। फोटो अखबारों में छपे हैं और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं। खैर! पुलिस को अपने सीनियर को सलाम ठोकने के अलावा नेताओं को सैल्यूट मारने होते हैं। अपने सीनियर को पुलिस वाले उनकी वरिष्ठता के हिसाब से सलाम ठोकते हैं। लेकिन नेताओं को पुलिस अपना पूर्वज समझ कर सलाम ठोकती है या फिर उनका रुतबा देख कर। पहले आम आदमी को यह समझने में थोड़ी दिक्कत हो सकती थी। पर आज़ादी के अमृत काल में सत्ताधीशों ने अपनी हरकतों से जिस तरह आदमी और बंदर के बीच की खाई को सफलता से पाटा है, उससे तो यही लगता है कि राम जन्मभूमि थाना के कोतवाल साहिब की बंदर को दी गई सलामी बेकार नहीं गई। हो सकता है उनकी इस सफलता को देखते हुए जल्द ही उत्तर प्रदेश पुलिस के डीजीपी साहिब या मुख्य मंत्री स्वयं पहल करते हुए राष्ट्रपति पदक के लिए कोतवाल साहिब के नाम की अनुशंसा कर दें। इस बात की भी पूरी संभावना है कि हनुमान को आदिवासी बताने वाले उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी कोतवाल साहिब की इस हनुमान भक्ति को देखते हुए उन्हें यूपीएसी की लेट्रल एंट्री की तरह पिछले दरवाजे से राज्य के डीजीपी के पद पर बिठा दें। संभावनाएं अपार हैं। हो सकता है कि उनकी इस हनुमान भक्ति को देखते हुए केंद्र सरकार उन्हें किसी प्रदेश का राज्यपाल बना दे या केंद्रीय विश्वविद्यालय का वीसी बना दे। अगर किस्मत ज्यादा मेहरबान हुई तो उप राष्ट्रपति का पद भी मिल सकता है। राष्ट्रपति होने की काबिलीयत थोड़ी अलग है। मुश्ताक अहमद यूसुफ़ी ने बंदर की प्रशंसा में लिखा है कि बंदर में हमें इसके इलावा और कोई ऐब नजर नहीं आता कि वो इनसान का जद्द-ए-आला (पूर्वज) है। शायद इसी बात को ध्यान में रखते हुए महात्मा गांधी ने तीन बंदरों को प्रतीक बना कर बुरा न सुनने, बुरा न बोलने और बुरा न कहने के सिद्धांत को समाज के सामने रखा था। लेकिन भारतीयों ने बापू की अन्य बातों की तरह उनके इन तीन सिद्धांतों को भी हवा में उड़ा दिया। बस याद रखा तो उनके बंदरों को और उन्हें इज़्ज़त देते हुए कुरसियों पर बिठा दिया। चाल्र्स डार्विन ने थ्येरी ऑफ इवोल्यूशन में बताया है कि हम कैसे बंदर से इंसान बने। उनका मानना था कि हम सभी के पूर्वज एक हैं। उनमें आए बदलाव उनके आगे की पीढ़ी में दिखने लगे। पर मेरा मानना है कि आदमी के अंदर का बंदर अभी भी ज़िंदा है और मौका देख कर बाहर आ जाता है। फिर चाहे वह झोंपड़ी में रहे या राष्ट्रपति भवन में। ट्रंप की हरकतों से कभी नहीं लगा कि उनके भीतर का बंदर वाशिंगटन छोड़ कर गया है। सदन की कार्यवाही का लाईव प्रसारण देख कर शहर में होने का भ्रम समाप्त हो जाता है। अपनी इस हीन ग्रंथि से छुटकारा पाने के लिए नेताओं ने एनसीईआरटी की नौवीं और दसवीं कक्षा के पाठ्यक्रम से चाल्र्स डार्विन के विकासवाद के सिद्धांत को हटवा दिया ताकि हमें याद न रहे कि कभी हमारे पूर्वज बंदर थे। लेकिन सवाल है कि आदमी उन हरकतों से कैसे छुटकारा पा सकता है जो आज भी उसके बंदर होने का प्रमाण देती हैं। इतिहास में अपने अनुकूल बदलाव किए जा सकते हैं।

देश दुनीया से

समय की सबसे बड़ी मांग अक्षय ऊर्जा

ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं।

पूरी दुनिया में पारंपरिक ऊर्जा के मुकाबले अक्षय ऊर्जा की मांग लगातार तेजी से बढ़ रही है। दरअसल वर्तमान में पूरी दुनिया पर्यावरण संबंधी गंभीर चुनौतियों से जूझ रही है और पारंपरिक ऊर्जा स्रोत इस समस्या को और ज्यादा विकराल बनाने में सहभागी बन रहे हैं जबकि अक्षय ऊर्जा इन गंभीर चुनौतियों से निपटने में कारगर साबित हो सकती है। यही कारण है कि भारत में भी अक्षय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं और सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा इत्यादि का उत्पादन बढ़ाने के लिए बड़ी-बड़ी परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। विभिन्न अवसरों पर प्रधानमंत्री सौर ऊर्जा को 'श्योर, प्योर और सिक्योर' बताते हुए अक्षय ऊर्जा के महत्व को स्पष्ट रेखांकित कर चुके हैं। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में भारत की यह बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है कि भारत दुनियाभर में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में चौथे स्थान पर पहुंच चुका है। देश में अक्षय ऊर्जा को लेकर जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ही वर्ष 2004 से प्रतिवर्ष 20 अगस्त को अक्षय ऊर्जा दिवस मनाया जाता है। प्रदूषणकारी और सीमित मात्रा में उपलब्ध पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा से ही ऊर्जा जरूरतें पूरी करने के लिए अब देश के विभिन्न हिस्सों में विभिन्न अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से उत्पादित होने वाली बिजली के कारण वातावरण में प्रतिवर्ष लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन कम होगा। अक्षय ऊर्जा उत्पादन के मामले में यह संतोषजनक स्थिति ही है कि भारत इस मामले में दुनिया का चौथा देश है और नई-नई अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के साथ तेजी से इस दिशा में आगे बढ़ रहा है। कर्नाटक के पावगाड़ा में दो हजार मेगावाट से अधिक क्षमता के सोलर पार्क सहित देश में रीवा से भी ज्यादा सौर ऊर्जा का उत्पादन कर रहे कुछ और सोलर पार्क भी देश में अक्षय ऊर्जा उत्पादन में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। बहरहाल, अक्षय ऊर्जा को लेकर यह जानना बहुत जरूरी है कि अक्षय ऊर्जा आखिर है क्या और इसके स्रोत कौन से हैं? अक्षय ऊर्जा वह ऊर्जा है, जो असीमित और प्रदूषणरहित है या जिसका नवीकरण होता रहता है। ऊर्जा के ऐसे प्राकृतिक स्रोत, जिनका क्षय नहीं होता, अक्षय ऊर्जा के स्रोत कहे जाते हैं। अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्रोतों में सूर्य, जल, पवन, ज्वारभाटा, भूताप इत्यादि प्रमुख हैं। उदाहरण के रूप में सौर ऊर्जा को ही लें। सूर्य सौर ऊर्जा का मुख्य स्रोत है, जिसकी रोशनी स्वतः ही पृथ्वी पर पहुंचती रहती है। यदि हम सूर्य की इस रोशनी को सौर ऊर्जा में परिवर्तित नहीं भी करते हैं, तब भी यह रोशनी तो पृथ्वी पर आती ही रहेगी लेकिन क्योंकि सूर्य से प्राप्त होने वाली इस असीमित ऊर्जा के उपयोग से न तो यह ऊर्जा घटती है और न ही इससे पर्यावरण को किसी भी प्रकार की क्षति पहुंचती है, इसीलिए सूर्य से प्राप्त होने वाली इस ऊर्जा को अक्षय ऊर्जा कहा जाता है। ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन से बचाव के दृष्टिगत ही आज अक्षय ऊर्जा को अपनाना समय की सबसे बड़ी मांग है। दरअसल पूरी दुनिया इस समय पृथ्वी के बढ़ते तापमान और ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं को लेकर बेहद चिंतित है, इसीलिए कोयला, गैस, पेट्रोलियम पदार्थों जैसे ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के बजाय अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देना बेहद जरूरी है। भारत सहित कई प्रमुख देशों में अब थर्मल पावर प्लांटों में कोयले के इस्तेमाल को कम करते हुए सौर ऊर्जा तथा पवन ऊर्जा जैसे अक्षय ऊर्जा के महत्त्वपूर्ण स्रोतों का उपयोग किया जाने लगा है। दरअसल आज स्वच्छ वातावरण के लिए कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों के बजाय क्लीन और ग्रीन एनर्जी की पूरी दुनिया को जरूरत है और इन्हीं जरूरतों को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री 'वन वल्र्ड, वन सन, वन ग्रिड' की बात करते हुए इस ओर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित कर चुके हैं। पिछले कुछ वर्षों में भारत में सौर ऊर्जा उत्पादन की क्षमता कई गुना बढ़ चुकी है। इसके अलावा करीब साढ़े तीन दशक पूर्व पवन ऊर्जा से ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने की शुरू की गई पहल के बाद से देश की पवन ऊर्जा उत्पादन क्षमता भी काफी बढ़ चुकी है। चीन, अमरीका और जर्मनी के बाद भारत अब पवन ऊर्जा उत्पादन के मामले में भी चौथे स्थान पर है। फिलहाल जिस प्रकार देश में शुद्ध, सुरक्षित और भरोसेमंद ऊर्जा की ओर तेजी से कदम बढ़ाए जा रहे हैं, उससे लगता है कि अगले कुछ दशकों में देश की कोयला, गैस इत्यादि प्रदूषण पैदा करने वाले स्रोतों से ऊर्जा पर निर्भरता काफी कम हो जाएगी। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2030 तक भारत की अक्षय ऊर्जा स्थापित क्षमता को 500 गीगावॉट तक विस्तारित करने का लक्ष्य रखा गया है और 2030 तक देश के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को 1 बिलियन टन तक कम करने, दशक के अंत तक देश की अर्थव्यवस्था की कार्बन तीव्रता को 45 प्रतिशत से कम करने तथा वर्ष 2070 तक नेट जीरो कार्बन उत्सर्जन प्राप्ति का लक्ष्य निर्धारित किया है।

आप का नजरीया

डॉक्टरों की हड़ताल

निश्चित रूप से कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कालेज के अस्पताल में एक जूनियर डॉक्टर की दुराचार के बाद की गई हत्या ने पूरे देश को झकझोरा है। यह हमारे लिये शर्मनाक घटना है कि देर रात मरीजों को नया जीवन बांटने में लगी जूनियर डॉक्टर की अस्मिता व जीवन की रक्षा हम नहीं कर पाये। इस घटना के विरोध में देशव्यापी प्रदर्शन के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने हड़ताल का आह्वान किया था। जो हमारी स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था के भीतर व्याप्त गंभीर संकट को ही उजागर कर गई। निस्संदेह, डॉक्टरों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है, उनकी न्याय की मांग भी उचित है, लेकिन गंभीर रोगों से जूझ रहे मरीजों खासकर गरीब मरीजों पर इस हड़ताल का असर बेहद चिंताजनक है। पहले ही देश में स्वास्थ्य व्यवस्था अपर्याप्त सुविधाओं और अत्यधिक बोझ से ग्रस्त है। ऐसे में कमजोर वर्ग के मरीजों को इस विरोध का खमियाजा भुगतने को मजबूर करना न तो उचित ही है और न ही मानवीय है। इसमें दो राय नहीं कि चिकित्सा वर्ग की सुरक्षा व संरक्षा की मांग तार्किक है, जिसे नजरअंदाज नहीं ही किया जाना चाहिए। रात-दिन मुश्किल हालात में अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले डॉक्टरों को जिन संकटों से गुजरना पड़ता है, उसको लेकर चिंता होना वाजिब ही है। उचित होता यदि रोगियों की देखभाल की अनदेखी किये बिना संतुलित तरीके से समस्या का समाधान निकाला जाता। काले बैज पहनकर क्रमिक हड़ताल करना इसका एक प्रभावी विकल्प हो सकता था। कहने का अभिप्राय है कि डॉक्टरों को अपनी चिंताओं को भी अभिव्यक्त करना चाहिए लेकिन आवश्यक चिकित्सा सेवाएं भी बाधित नहीं होनी चाहिए। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय ने पहले भी हड़तालों के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को निर्बाध रूप से चलाया जाना सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। साथ ही चिकित्सकों के रोगियों के प्रति कानूनी और नैतिक जिम्मेदारी निभाने पर भी बल दिया गया था। सरकार को इस दिशा में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। सरकार को चिकित्सा व्यवस्था के बुनियादी ढांचे में बदलाव करके पर्याप्त वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने चाहिए। जिससे डॉक्टरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ ही उनके असंतोष के मूल कारणों को भी संबोधित किया जा सके। उदाहरणतः रात की पाली में काम करने वाले डॉक्टरों को सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में पर्याप्त सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराये जाने चाहिए। ऐसे वक्त में जब गरीब व कमजोर वर्ग के मरीजों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना अपने आप में एक चुनौती है, अक्रोशित डॉक्टरों की हड़ताल उनकी पीड़ा को ही बढ़ाती है। यह एक हकीकत है कि राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी के चलते देश की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार नहीं हो पा रहा है। जिसकी कीमत मरीजों को चुकानी पड़ रही है। इस संकट के समाधान के लिये केंद्र सरकार को तेजी से काम करना चाहिए। सरकार की कोशिश हो कि समाज के सबसे कमजोर वर्ग को नुकसान पहुंचाए बिना तत्काल न्याय दिया जाए। मरीजों की सेहत देखभाल के मौलिक अधिकारों की रक्षा के साथ डॉक्टरों की वाजिब चिंताओं को दूर करना सरकार का अनिवार्य नैतिक दायित्व है।

मेरी नाराजगी खुद से, भवानी जागेगी तब मान जाऊंगा : किरोड़ीलाल

जयपुर (हिंस)। किरोड़ीलाल मीणा ने हेलिकॉप्टर नहीं मिलने के कारण नाराजगी की चर्चाओं का खंडन किया है। किरोड़ी ने हेलिकॉप्टर के सवाल पर कहा कि हेलिकॉप्टर को लेकर बेवजह विवाद पैदा किया जा रहा है। इस मुद्दे पर मेरी कोई नाराजगी नहीं है। मैं तो सड़कछाप आदमी हूं। सड़क पर घूमता रहता हूं। कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए किरोड़ीलाल मीणा ने कहा है कि आपदा मंत्री बाढ़ में घूम रहा है। मैं भरतपुर, बयाना हिंडौन, करौली घूम कर आया हूं। भगवान न करे कि कहीं फिर से बाढ़ आए। जहां-जहां आपदा आएगी, मैं वहां जाऊंगा। मीणा ने कहा कि मुझे मनाने की जरूरत नहीं है। मैं पार्टी, मुख्यमंत्री या फिर किसी और व्यक्ति से नाराज नहीं हूं। मेरी नाराजगी खुद से है। मैं 45 साल से जनता के बीच में रहकर संघर्ष कर रहा हूं, लेकिन जनता के संघर्ष को वोटों में बदल पार्टी में नहीं डलवा पाया। किरोड़ी खुद से कब मानेंगे ? इस सवाल पर किरोड़ी बोले वैसे भी मानने का तो समय आता है। जब भवानी जागेगी, तब मान जाऊंगा। वरना तो चल ही रहा है। उन्होंने कहा कि क्रीमीलेयर को लेकर देश में जिस तरह से व्यवहार चल रहा है। इसमें मैं सुप्रीम कोर्ट के फैसले के साथ हूं। मेरे गांव में एक व्यक्ति 30 साल से पहाड़ खोदकर, मजदूरी करके पेट पाल रहा है। उसका बेटा भी वही काम कर रहा है। वह मेरा पड़ोसी है, जबकि मैं डॉक्टर बन गया। कैबिनेट मंत्री बन गया, मेरा भाई अफसर बन गया। मेरा पड़ोसी अब तक कुछ नहीं बन पाया। इसलिए अब उसे भी मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि लेटरल एंट्री नेहरू जी के कालखंड से शुरू हुई थी। इसे इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह ने भी जारी रखा था। लेकिन नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी हम पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। मैं पूछना चाहता हूं मनमोहन सिंह ने कांग्रेस राज्य में सीधे वित्त सचिव बनाया था। क्या वह लेटरल एंट्री नहीं थी। मॉन्टेक सिंह अहलूवालिया को योजना आयोग का उपाध्यक्ष बनाया। क्या वह लेटरल एंट्री नहीं थे। क्या सैम पित्रोदा लेटरल एंट्री नहीं थे। कांग्रेस ने जिसको चाहा उसे कुछ भी बना दिया। लेकिन मोदी के आने के बाद इस सिस्टम को सुधारा जा रहा है। यूपीएससी द्वारा इसकी भर्ती की जाती है। राहुल गांधी यह भूल गए हैं, काठ की हांडी एक बार चढ़ती है। बार-बार नहीं चढ़ती है।

आज राजस्थान बंद का आव्हान जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर

जयपुर (हिंस)। अनुसूचित जाति-जनजाति के आरक्षण में क्रीमीलेयर पर सुप्रीम कार्ट के फैसले के विरोध में बुधवार को भारत बंद रहेगा। राजस्थान में भीम सेना बंद करवा रही है। बंद को कांग्रेस ने भी समर्थन दिया है। दूसरी तरफ, बंद के मद्देनजर रोडवेज ने सभी मुख्य प्रबंधक, प्रबंध संचालकों और यातायात प्रबंधकों को मुख्यालय पर रहने के लिए पाबंद किया है। निगम द्वारा सभी वाहनों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर सुरक्षित एवं सावधानी पूर्वक करने के लिए निर्देशित किया है। जयपुर व्यापार मंडल ने बंद का फैसला व्यापारियों पर छोड़ दिया है। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति ने बंद को राजस्थान में समर्थन दिया है। जयपुर बंद के लिए समिति ने 25 टीमें बनाई हैं, जो बाजार बंद कराएगी। बंद समर्थकों की ओर से रैली भी निकाली जाएगी। अनुसूचित जाति-जनजाति संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक अनिल गोठवाल ने बताया कि बंद को शांतिपूर्वक सफल बनाया जाएगा। समिति किसी भी हिंसा का समर्थन नहीं करती है। जयपुर में 25 टीमें बनाई गई हैं। यह टीमें अपने-अपने इलाके में टोलियों में रैली निकालेगी। बाजारों को बंद करवाएगी। बंद के समर्थन में बड़ी रैली रामनिवास बाग से शुरू होगी। जो चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, सांगानेरी गेट, एमआई रोड होते हुए रामनिवास बाग में आकर खत्म होगी। इसके बाद कलेक्टर को ज्ञापन देंगे। बंद के चलते जयपुर सहित प्रदेश के कई जिलों में स्कूलों में कल अवकाश घोषित हो सकता है। भारत बंद के आह्वान को लेकर पुलिस ने जयपुर जिला कलेक्टर को रिपोर्ट सौंपी है। एडिशनल पुलिस कमिश्नर कुंवर राष्ट्रदीप ने जिला कलेक्टर प्रकाश राजपुरोहित को स्थिति से अवगत करवा दिया है। संभवतया शाम तक स्कूलों में अवकाश के आदेश जारी होने की उम्मीद जताई जा रही है। जयपुर व्यापार मंडल के अध्यक्ष डॉ ललित सिंह सांचौरा ने बताया कि हमने सभी व्यापारियों से कहा है कि एक संगठन ने 21 अगस्त को बंद का आह्वान किया है। जयपुर व्यापार मंडल ने यह फैसला किया है कि यह व्यापारियों का स्वैच्छिक बंद होगा। इसका फैसला व्यापारी और व्यापार मंडल स्वयं करेंगे। जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल का कहना है कि व्यापार महासंघ ने यह निर्णय किया है कि सभी व्यापारी अपनी सुरक्षा को देखते हुए अपने प्रतिष्ठान को खोले या बंद रखें। बंद को लेकर गृह विभाग ने सभी कलेक्टर, एसपी को निर्देश जारी किए हैं। इसमें समाज और व्यापारिक संगठन को बाजार बंद नहीं रखने के लिए समझाने के लिए कहा गया है। साथ ही बंद की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को परेशानी न हो, इसके निर्देश दिए गए हैं। बंद के मद्देनजर रोडवेज की ओर से सभी वाहनों के सुरक्षित संचालन के आदेश जारी किए गए हैं। निगम की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रेया गुहा ने बताया कि बंद के मद्देनजर सभी मुख्य प्रबंधक, प्रबंध संचालकों और यातायात प्रबंधकों को मुख्यालय पर ही रहने के लिए पाबंद करने के साथ सभी वाहनों का संचालन यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर सुरक्षित एवं सावधानी पूर्वक करने के लिए निर्देशित किया गया है। किसी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका होने पर वाहन को आगार कार्यशाला में या किसी अन्य सुरक्षित स्थान पर ही रखने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के वाहनों को अवांछनीय और असामाजिक तत्वों से दूर रखकर स्थानीय प्रशासन या पुलिस थानों से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्य सचिव सुधांशु पंत ने सचिवालय में पुलिस महानिदेशक यूआर साहू,, एसीएस (होम) आनंद कुमार, पुलिस महानिदेशक (इंटेलीजेंस) संजय अग्रवाल, एडीजी (कानून व्यवस्था) विशाल बंसल, गृह सचिव रश्मि गुप्ता की मौजूदगी में बंद को लेकर चर्चा की है।

हरियाणा में पैरा मिलेट्री की 70 कंपनियों ने संभाला मोर्चा

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव की घोषणा के साथ चुनाव आयोग तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। राज्य के संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए जा रहे हैं। राज्य में पैरा मिल्ट्री की 70 कंपनियों ने संभाला मोर्चा संभाल लिया है। दरअसल, हरियाणा निर्वाचन आयोग ने केंद्र सरकार से 225 सुरक्षा कंपनियों की डिमांड की है, जिसमें 70 कंपनियां अलाट कर दी गई हैं, बाकी मतदान से पहले पहुंचने की संभावना है। चुनाव के दौरान शराब व नशीले पदार्थों की तस्करी पर तमाम एजेंसियां और पर्यवेक्षक निगरानी रखेंगे। चुनाव में धांधली या किसी अन्य तरह की शिकायत मिलने पर चुनाव आयोग 100 मिनट में कार्रवाई करेगा। इस चुनाव में उम्मीदवार मंगलवार को मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्य निर्वाचन अधिकारी पंकज अग्रवाल ने बताया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष व पारदर्शी कराने को लेकर चुनाव आयोग पूरी तरह तैयार है। आयोग की ओर से 225 सुरक्षा कंपनियों की डिमांड भेजी गई है, जिसमें से 70 कंपनियों ने मोर्चा संभाल लिया है, जोकि विधानसभाओं में मार्च पास्ट निकाल रही हैं। इसके साथ ही उन गांवों का भी दौरा कर रही हैं, जो ज्यादा संवेदनशील हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 27 अगस्त को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। हालांकि 2 सितंबर तक कोई भी व्यक्ति मतदाता सूची में अपना नाम जु ?वा सकता है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पांच सितंबर से नामांकन प्रक्रिया शुरू होगी, जोकि 12 सितंबर तक चलेगा। 13 सितंबर को नामांकनों की छंटनी होगी और 16 सितंबर तक नामांकन वापस लेने का समय निर्धारित किया गया है, इसी दिन प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह अलाट किए जाएंगे। 1 अक्तूबर को मतदान होगा और 4 अक्तूबर को मतों की गणना होगी। पंकज अग्रवाल ने बताया कि उम्मीदवार को उस पर दर्ज मामलों की जानकारी सार्वजनिक करनी होगी, तीन बार उसे यह जानकारी देनी होगी। इसके साथ ही प्रत्याशी चुनाव प्रचार के दौरान 40 लाख रुपए खर्च कर सकेगा और इसका पूरा हिसाब जिला निर्वाचन अधिकारी को देना होगा। प्रदेश में 90 विधानसभा क्षेत्रों में 17 विस क्षेत्र आरक्षित हैं जबकि 73 विस सामान्य वर्ग के लिए हैं।

सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से हुआ क्लोरीन गैस का रिसाव, मचा हड़कंप, हालात पर नियंत्रण

चित्तौड़गढ़ (हिंस)। जिले के निंबाहेड़ा नगरपालिका क्षेत्र में स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट से क्लोरीन गैस का रिसाव होने के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। क्षेत्र में धुआं फैलने के बाद लोगों में उल्टी एवं आंखों में जलन की शिकायत के बाद करीब 2 से 3 किलोमीटर क्षेत्र में आबादी को खाली करवाया गया। पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। उद्योगों से एक्सपर्ट को बुला कर गैस रिसाव पर काबू पाया गया। लेकिन कुछ ही समय बाद पुनः गैस रिसाव से हड़कंप मच गया। बाद में पूरी तरह से गैस रिसाव पर काबू पा लिया, जिससे इससे सभी ने राहत की सांस ली है। जानकारी में सामने आया कि जिले की निंबाहेड़ा नगरपालिका के कासोद इलाके में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट है। यहां मंगलवार को क्लोरीन गैस का रिसाव होने लगा। इससे चारों तरफ धुंआ छा गया। इसके चलते कासोद व कच्ची बस्ती क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल हो गया। देखते ही देखते तेजी से गैस की बदबू व धुंआ इन इलाकों में फैलने लगा। इसके प्रभाव के चलाते लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगी। इसके अलावा आंखों में जलन और उल्टी की शिकायत भी हुई। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचना शुरू हो है। एहतियात के तौर पर कासोद स्थित विद्यालय को बंद करवाया गया। साथ ही छोटीसादड़ी मार्ग पर यातायात के आवागमन को बाधित किया गया। गैस के प्रभाव के क्षेत्र में रहने वाले लोगों को भी मंडी में पहुंचाया गया। घटना की सूचना पर पालिकाध्यक्ष सुभाष शारदा, उपखंड अधिकारी विकास पंचोली सहित प्रशासनिक अमला भी मौके पर पहुंचा। विधायक श्रीचंद कृपलानी, पूर्व मंत्री उदयलाल आंजना ने भी मौके पर पहुंच कर घटना की जानकारी ली। जिला कलक्टर आलोक रंजन, पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी मौके पर पहुंचे। क्लोरीन गैस पर नियंत्रण के लिए हिंदुस्तान जिंक एवं आस पास से सीमेंट प्लांट से एक्सपर्ट की टीमें बुलाई गई। इन्होंने दो से तीन घंटे में गैस रिसाव को रोक दिया। बताया गया कि मौके पर कार्य कर रहे नगरपालिका के 2-3 कर्मचारियों को सुरक्षा की दृष्टि से प्रारम्भिक जांच के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया है।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू को भाजपा ने राजस्थान से बनाया राज्यसभा प्रत्याशी

जयपुर (हिंस)। भाजपा ने राज्यसभा चुनावों के लिए राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू को प्रत्याशी बनाया है। बिट्टू पंजाब के पूर्व सीएम बेअंत सिंह के पोते हैं। बिट्टू मोदी सरकार में रेल राज्य मंत्री हैं। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 21 अगस्त है, इसलिए बिट्टू कल ही नामांकन भरेंगे। इससे पहले उनके हरियाणा से चुनाव लड़ने की भी अटकलें चल रही थीं, लेकिन वहां से भाजपा ने वहां से कांग्रेस छोड़कर आईं नेता किरण चौधरी को राज्यसभा उम्मीदवार बनाया है। लुधियाना से 2 बार सांसद रह चुके रवनीत बिट्टू लोकसभा चुनाव 2024 से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। बिट्टू पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत बेअंत सिंह के पोते और पूर्व मंत्री तेज प्रकाश सिंह के बेटे हैं। भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने उन्हें लुधियाना से टिकट दिया, लेकिन उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार अमरिंदर सिंह राजा वडिंग से 20 हजार 942 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी भाजपा ने पंजाब से किसी और को न चुनकर मोदी 3.0 सरकार में बिट्टू को केंद्रीय राज्य मंत्री बनाया है। इसके बाद उनका राज्यसभा में जाकर सांसद के तौर पर शपथ लेना बेहद जरूरी है। राजस्थान के साथ हरियाणा के रोहतक से दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा सांसद चुने जाने के बाद वहां भी सीट खाली हो गई थी। इस सीट के लिए पहले रवनीत बिट्टू का नाम सामने आया था, लेकिन विरोध बढ़ता देख भाजपा अब रवनीत बिट्टू को राजस्थान से राज्यसभा भेज रही है। राजस्थान में राज्यसभा की कुल 10 सीटें हैं। इनमें से पांच कांग्रेस

के पास और चार भाजपा के पास है। एक सीट खाली है। इसी पर चुनाव होना है। यदि यह सीट भी भाजपा के खाते में जाती है तो दोनों पार्टियों के पास पांच-पांच सीट हो जाएंगी। इस चुनाव के बाद सीधे जून 2026 में दो सीटें खाली होंगी। इसमें एक सीट कांग्रेस की है और एक भाजपा की है। राजस्थान में कुल 200 विधानसभा सीटें हैं, लेकिन छह सीटें खाली हैं। ऐसे में 194 में दो का भाग देकर रिजल्ट में एक जोड़ेंगे तो संख्या 98 आएगी। इस तरह राज्यसभा चुनाव में जीत के लिए 98 वोट चाहिए। बीजेपी के पास 114 विधायक हैं, जबकि कांग्रेस के पास मात्र 66 विधायक हैं। संख्या बल के हिसाब से बीजेपी की जीत तय है। राज्यसभा के सदस्यों को विधायक चुनते हैं। राज्यसभा के चुनाव में अपनाए जाने वाले फॉर्मूले के हिसाब से जितनी सीटें खाली होती हैं, उसमें एक जोड़कर जितनी विधानसभा सीटें होती हैं, उसमें भाग दिया जाता है। भाग के परिणाम में एक जोड़ा जाता है। इससे जो रिजल्ट आता है, उतने वोट एक सीट पर जरूरी होते हैं। राजस्थान में एक सीट पर चुनाव होगा। इसमें एक जोड़ेंगे तो दो होंगे।

रणजीत चौटाला बोले

बीजेपी मुझे टिकट देती है तो ठीक, वरना बीजेपी अपना देखे

सिरसा (हिंस)। हरियाणा सरकार में बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला के बागी तेवर जारी हैं। रणजीत सिंह सिरसा के कालावाली में बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि रानियां से बीजेपी मुझे टिकट देती है तो ठीक, वरना भाजपा अपना देखें। मंत्री बोले रानियां से चुनाव जरूर लडूंगा और जीतूंगा भी। मैं चौधरी देवीलाल का बेटा हूं, प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर मेरा अपना जनाधार है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से हाथ मिलाने पर रणजीत चौटाला बोले, ये समय की बात है, राजनीति में समय बदलता रहता है। हरियाणा में कांडा बंधुओं को लेकर घमासान मच गया है। हलोपा नेता गोपाल कांडा के भाई बीजेपी नेता गोविंद कांडा ने सिरसा की रानियां सीट से अपने बेटे धवल कांडा को उम्मीदवार घोषित कर दिया। इसको लेकर राज्य की भाजपा सरकार में बिजली मंत्री रणजीत चौटाला भड़के हुए हैं। उन्होंने सोमवार को समर्थकों से इस मामले को लेकर मीटिंग भी की है। जिसमें भाजपा नेताओं को नहीं बुलाया था। इस मीटिंग में रणजीत चौटाला ने गोपाल कांडा को लेकर तीखी बयानबाजी की थी। रणजीत चौटाला कह चुके हैं गोपाल कांडा का काम है। एक सीट जीतो और फिर सीएम से सीएलयू करवाओ। इस बार ये सिरसा भी हारेंगे। हरियाणा के राजनीतिक गलियारों में चर्चा चल रही है कि रणजीत चौटाला 22 अगस्त को पूर्व सीएम भूपेंद्र सिंह हुड्डा की मौजूदगी में चंडीगढ़ में भाजपा छोड़कर कांग्रेस जॉइन कर सकते हैं। हालांकि रणजीत चौटाला ने इसको खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि मैं भाजपा में हूं और आगे भी भाजपा में ही रहूंगा। रानियां हलके से भाजपा के टिकट का फैसला हाईकमान करेगा। भाजपा ने हरियाणा लोकहित पार्टी के अध्यक्ष गोपाल कांडा के सामने शर्त रखी है कि एक ही सीट देंगे। वह भी गोपाल कांडा को छोड़कर उनके परिवार के एक सदस्य को।

पीके का तेजस्वी पर तंज, बाबू जी की राजनीति की दुकान पर बैठकर अपने ही नेताओं को दे रहे गाली

पटना (हिंस)। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तेजस्वी पर सोमवार को पटना में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान तंज कसते हुए कहा कि बाबू जी की राजनीति की दुकान पर बैठकर अपने ही नेताओं को गाली दे रहे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने ही पत्र लिख कर अपने कार्यकर्ताओं और नेताओं से कहा कि आप जन सुराज में शामिल न हों। तेजस्वी यादव द्वारा दिए गए बयान का मतलब यह है कि वे खुद अपनी ही पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर सवाल उठा रहे हैं। यदि वे कह रहे हैं कि राजद के लोग पैसा लेकर जन सुराज में जा रहे हैं, तो इसका मतलब यह है कि वे खुद अपनी पार्टी के सदस्यों की नीयत पर शक कर रहे हैं। पीके ने कहा कि ये तो तेजस्वी की राजनीतिक नादानी दिखाता है कि वो अपने ही कार्यकर्ताओं को बिका हुआ बता रहे हैं। यह साफ जाहिर होता है कि केवल पिता जी की राजनीतिक विरासत मिल जाने से कोई बिहार का राजनेता नहीं बन जाता है। लालटेन से किरासन तेल निकलने के डर से तेजस्वी बौखलाए हुए हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि राजनीति में ऐसे बयान अक्सर विरोधियों को कमजोर दिखाने के लिए दिए जाते हैं लेकिन कभी-कभी ये खुद की पार्टी में असंतोष और अव्यवस्था का संकेत भी दे देते हैं। इससे यह भी साफ होता है कि जन सुराज आंदोलन की तरफ से राजद को एक चुनौती महसूस हो रही है। तेजस्वी यादव के बयान से यह प्रतीत होता है कि वे जन सुराज की बढ़ती लोकप्रियता से चिंतित हो गए हैं। इसलिए वे इसे रोकने के लिए ऐसे बयान दे रहे हैं।

उदयपुर ने देवराज को नम आंखों से दी विदाई, अंतिम संस्कार में उमड़ी भीड़

उदयपुर (हिंस)। राजस्थान के उदयपुर में संप्रदाय विशेष के छात्रों के चाकूवार से मारे गए 10वीं के होनहार छात्र देवराज मोची को मंगलवार सुबह शहर ने नम आंखों से विदाई दी। 16 अगस्त को स्कूल में इंटरवल के दौरान हुई इस वारदात के बाद से देवराज वेंटिलेटर पर था। राखी पर सोमवार अपराह्न उसकी मौत हो गई। प्रशासन ने रात को ही अंत्येष्टि कराने का दबाव बनाया लेकिन हिंदू संगठनों के विरोध के चलते अंतिम संस्कार मंगलवार सुबह करने पर सहमति बनी। आज सुबह अंतिम संस्कार में भारी भीड़ रही। 16 अगस्त को वारदात के बाद से ही शहर में माहौल तनावपूर्ण था। लोग आज भी इस बात पर हैरान हैं कि क्या होमवर्क जैसे मामूली विवाद पर आरोपी छात्र कपासन से चाकू खरीद भी लाया और उसने देवराज को घायल भी कर दिया। वार भी जांघ पर ऐसी जगह किया गया कि देवराज का सारा खून कुछ ही देर में बह गया। इसी के चले लगातार शहर में अफवाह का दौर चलता रहा। हाथीपोल, अश्विनी बाजार, सिंधी बाजार, मुखर्जी चौक, मोती चौहट्टा रह-रह कर खुलते और बंद होते रहे।

श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति एवं जीओ गीता की ओर से दिव्य गीता सत्संग 22 से

हिसार (हिंस)। श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति एवं जीओ गीता की ओर से 22 से 25 अगस्त तक दिव्य गीता सत्संग का आयोजन किया जाएगा। सेक्टर 14 स्थित पंजाबी भवन में होने वाले दिव्य गीता सत्संग की तैयारियां जोरों पर चल रही है और श्रद्धालुओं में कार्यक्रम के प्रति उत्साह है। समिति प्रधान सतीश कुमार महता ने मंगलवार को बताया कि यह कार्यक्रम दोपहर 3.30 बजे से सायं 6.30 बजे तक होगा। इसमें गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज श्रद्धालुओं के बीच अमृत वर्षा करेंगे। उन्होंने बताया कि 22 अगस्त को शुभारंभ अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ. कमल गुप्ता एवं बिजली मंत्री रणजीत सिंह मुख्य अतिथि होंगे जबकि समाजसेवी एवं गौभक्त राजेन्द्र गावड़, पंजाबी वेल्फेयर सोसायटी के प्रधान शम्मी नागपाल व वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. उमेश कालड़ा विशिष्ट अतिथि होंगे व गीता पूजन करेंगे। उन्होंने बताया कि अगले दिन 23 अगस्त को दूसरे दिन के कार्यक्रम में हिसार के सांसद जयप्रकाश मुख्य अतिथि होंगे। प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष बजरंग दास गर्ग, समाजसेवी अशोक मंगालीवाला, समाजसेवी रामनिवास राड़ा, नगर परिषद के पूर्व अध्यक्ष हनुमान ऐरन, उनकी धर्मपत्नी रेखा ऐरन, महाराजा अग्रसेन भवन के अध्यक्ष अंजनी खारियावाला व श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर के प्रधान कैलाश चौधरी विशिष्ट अतिथि होंगे। समिति प्रधान सतीश कुमार महता ने बताया कि तीसरे दिन के कार्यक्रम में 24 अगस्त को डिप्टी स्पीकर रणबीर गंगवा व पूर्व मंत्री सावित्री जिंदल मुख्य अतिथि होंगी।

जांच में दोषी पाए जाने पर ग्राम प्रधान व सचिव को रिकवरी नोटिस जारी

बिजनौर (हिंस)। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में 45 जॉब कार्ड में घपला करके 5,71,830 रुपए का चूना सरकार को लगाने वाले ग्राम प्रधान तथा ग्राम विकास अधिकारी के विरुद्ध जिलाधिकारी ने कार्रवाई करते हुए रिकवरी नोटिस जारी कर दिया है। दोनों को 7 दिन का समय देते हुए उक्त धनराशि सरकारी खाते में जमा करने के आदेश दिए गए हैं। अन्यथा ऐसा न होने की स्थिति में रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। मामला ग्राम चतुर्भुजपुर कुशल विकासखंड किरतपुर का है। जहां की प्रधान श्रीमती अनीता तथा ग्राम विकास अधिकारी महेश सिंह ने नरेगा के अंतर्गत फर्जी जॉब कार्ड बना कर 5,71,830 की धनराशि का गबन कर लिया था। जिसकी शिकायत होने के बाद उपयुक्त स्वत रोजगार बिजनौर द्वारा जांच की गई थी। जिसमें ग्राम प्रधान एवं सचिव को दोषी पाया गया था 7 इस जांच में ग्राम प्रधान अनीता पर 2,45,915 रुपए तथा ग्राम विकास अधिकारी महेश सिंह पर 2,85,915 रुपए की रिकवरी जारी की गई है।

हाईकोर्ट ने कांग्रेस के 99 सांसदों के निर्वाचन को अवैध घोषित करने की मांग वाली याचिका खारिज की

प्रयागराज (हिंस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कांग्रेस के 99 सांसदों के निर्वाचन को अवैध घोषित करने, पार्टी का पंजीकरण रद्द करने और चुनाव चिह्न जब्त करने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका मंगलवार को खारिज कर दी। कोर्ट ने याची के अधिवक्ता के अनुरोध पर याचिका को वापस लेने के आधार पर खारिज कर दिया तथा याची को विस्तृत विवरण के साथ दोबारा याचिका दायर करने की छूट दे दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एमके गुप्ता एवं न्यायमूर्ति मनीष कुमार निगम की खंडपीठ ने सामाजिक कार्यकर्ता भारती देवी की याचिका पर पारित किया। याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव 2024 में गारंटी कार्ड जारी किया, जिसमें गरीब, पिछड़े, दलित व अल्पसंख्यकों को चुनाव के बाद 8500 रुपए प्रतिमाह देने का झूठा वादा कर वोट देने का लालच दिया गया। यह कार्य लोक जनप्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया था कि कांग्रेस ने गारंटी कार्ड जारी किए, जिस पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे व राहुल गांधी के हस्ताक्षर हैं। वादा पत्र के साथ एक रसीद लोगों को दी गई ताकि लोगों को विश्वास हो जाए कि जिसके पास यह रसीद होगी उन लोगों को कांग्रेस के पक्ष में वोट देने के बाद पार्टी की ओर से 8500 रुपए प्रति माह दिया जाएगा। याची का कहना है कि इस सम्बंध में पूर्व में केंद्रीय चुनाव आयोग से शिकायत की गई थी। चुनाव आयोग ने कांग्रेस सहित सभी राजनीतिक दलों को एक एडवायजरी नोटिस 02 मई 2024 को जारी की लेकिन कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों ने नोटिस के बाद भी गारंटी कार्ड वापस नहीं लिया। कांग्रेस का यह कार्य लोक जन प्रतिनिधित्व अधिनियम का उल्लंघन है। साथ ही बीएनएस के अंतर्गत भी अपराध है।

कांग्रेस कार्यालय में भारत रत्न, स्व. राजीव गांधी की मनाई गई जयंती

किशनगंज (हिंस)। भारत के सबसे युवा प्रधानमंत्री, 21वीं सदी के भारत निर्माता, डिजिटल क्रांति के जनक एवं भारत रत्न, स्व. राजीव गांधी की जयंती पर कांग्रेस कार्यालय में किशनगंज कांग्रेस नगर अध्यक्ष सजल कुमार साह के अध्यक्षता में एवं कांग्रेस जिलाध्यक्ष इमाम अली चिंटू के नेतृत्व में उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस दौरान किशनगंज युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो. आजाद साहिल, कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष अरुण कुमार साह, कांग्रेस जिला प्रवक्ता शमशीर अहमद दारा, कांग्रेस जिला महासचिव आदर्श कुमार साह, युवा कांग्रेस जिला संयोजक वसीम अख्तर, ओबीसी प्रदेश महासचिव शंभू कुमार यादव, किशनगंज कांग्रेस नेता हाफिज मोबासीर, युवा कांग्रेस नगर महासचिव सुभम कुमार दास, किशनगंज कांग्रेस कार्यालय प्रभारी मो. गुड्डू आदि मौजूद रहे। इस दौरान मो. आजाद साहिल ने कहा कि आज राजीव गांधी की 80वीं जयंती है। उनका राजनीतिक जीवन छोटा लेकिन बेहद महत्वपूर्ण था। मार्च 1985 के बजट में उन्होंने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, जिसने आर्थिक नीति के प्रति एक नया दृष्टिकोण दिया। शहादत को प्राप्त होने से कुछ सप्ताह पहले तक उन्होंने 1991 के लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र को तैयार करने में कई घंटे बिताए

थे, जिसने जून-जुलाई 1991 में नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह द्वारा लाए गए ऐतिहासिक सुधारों की नींव रखी। उन्होंने कहा कि असम, पंजाब, मिजोरम और त्रिपुरा जैसे देश के अशांत क्षेत्रों में शांति समझौते उनकी उस शासन कला के बदौलत संभव हो पाए, जिन्होंने राष्ट्रीय हित को अपनी पार्टी के तात्कालिक हितों से ऊपर रखा। उनके पास विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की सामाजिक उपयोगिता के लिए एक दृष्टिकोण था जो पेयजल आपूर्ति, टीकाकरण, साक्षरता, तिलहन उत्पादन और दूरसंचार एवं डेयरी विकास में प्रभावशाली प्रौद्योगिकी मिशनों में परिलक्षित हुआ। 1985 में, 165,000 ऐसे गांवों की पहचान हुई थी जहां पीने योग्य पानी के किसी भी स्रोत तक आसान पहुंच नहीं थी। 1989 तक, इनमें से 162,000 गांवों को पीने के पानी काफी कम से कम एक सुरक्षित स्रोत प्रदान किया गया था। ओरल पोलियो वैक्सीन बनाने की सुविधाएं स्थापित की गईं। भारत को सॉफ्टवेयर निर्यात में महाशक्ति बनाने की दिशा में पहला प्रत्यक्ष कदम उनके कार्यकाल के दौरान उठाया गया था। ष्ट-ष्ठष्ट जैसी संस्थाएं जिनपर आज हमें गर्व है, 1980 के दशक के अंत में स्थापित की गई थीं। राष्ट्रीय आवास बैंक और भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक जैसी वित्तीय संस्थाएं अस्तित्व में आईं। प्रगतिशील मूल्यों पर आधारित 1986 की नई शिक्षा नीति पर उनकी व्यक्तिगत छाप थी। आज के नवोदय विद्यालय इसी पहल के तहत सामने आए। मतदान की आयु घटाकर 18 वर्ष कर दी गई और स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन को राष्ट्रीय युवा दिवस घोषित किया गया। हमारे संविधान का अनुच्छेद 243 निर्वाचित पंचायतों और नगर पालिकाओं को सशक्त बनाने की उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को श्रद्धांजलि है। आज, स्वशासन की इन संस्थाओं में 30 लाख से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधि हैं जिनमें से 40 प्रतिशत से अधिक महिलाएं हैं। आजाद साहिल ने कहा कि आज हम न सिर्फ एक प्रधानमंत्री को, बल्कि एक बहुत ही नेक दिल और सबकी परवाह करने वाले इंसान को भी याद करते हैं, जिसमें द्वेष नहीं था, प्रतिशोध और बदले की कोई भावना नहीं थी, कोई आडंबर नहीं था, और खुद के महिमा मंडन एवं आत्मप्रशंसा की चाह नहीं थी।

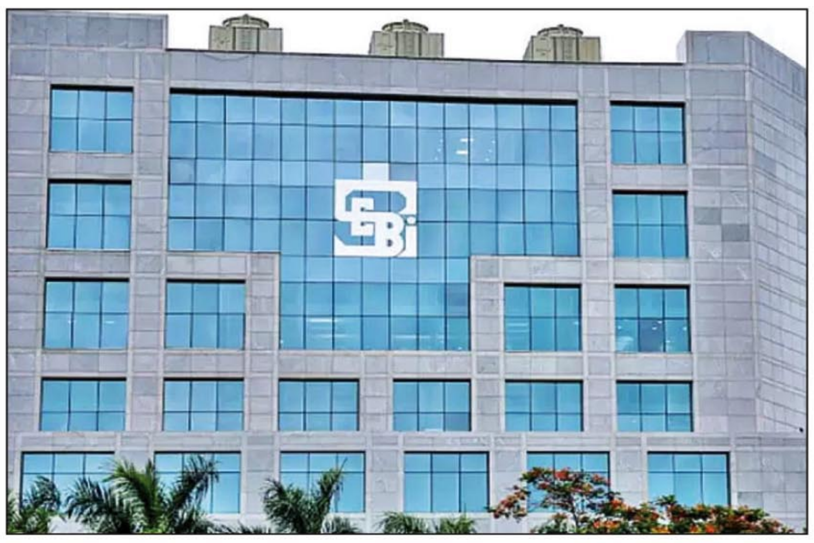

सेबी के लिए चुनौती बना 76 हजार 293 करोड़ बकाया वसूलना, पिछले साल की तुलना में 4 फीसदी बढ़ी रकम

नई दिल्ली।
देश के शेयर बाजार पर नजर रखने वाली संस्था भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) को बकाया वसूलने में बड़ी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। 76,000 करोड़ से भी अधिक की बकाया राशि ऐसी हैं, जिन्हें वसूलना सेबी के लिए चुनौती बन गया है। यह रकम पिछले साल की तुलना में चार फीसदी बढ़ गई है।

ये पैसे दरअसल उन निवेशकों के हैं, जिन्होंने पीएसीएल और सहारा इंडिया जैसी कंपनियों में निवेश किया था लेकिन ये कंपनियां लोगों के पैसे लेकर रफू चक्कर हो गईं। अब सेबी को इन पैसों को निवेशकों को वापस दिलाने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए सेबी को कहना पड़ा है कि इन्हें वापस पाना लगभग असंभव सा लग रहा है। एक अंग्रेजी अखबार की रिपोर्ट में कहा गया है कि सेबी को मार्च 2024 तक 76,293 करोड़ रुपये की ऐसी रकम मिली है, जिसे वसूलना बेहद मुश्किल हो रहा है। ये रकम पिछले साल के मुकाबले 4 फीसदी ज्यादा है। इस रकम का बड़ा हिस्सा उन मामलों से जुड़ा है, जिनकी सुनवाई अदालतों में चल रही है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि ऐसे कुल 807 मामले हैं, जिनमें से 36 मामले राज्य स्तरीय अदालतों, नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल (एनसीएलएटी) में लंबित हैं। इन मामलों में अटकी हुई राशि लगभग 12,199 करोड़ रुपये है। इसके अलावा 60 मामले अदालत द्वारा नियुक्त समितियों के पास हैं, जिनमें करीब 59,970 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

साथ ही लगभग 140 मामले ऐसे हैं, जिनमें संबंधित लोगों का पता ही नहीं चल पा रहा है। इनमें से 131 व्यक्तिगत मामले हैं और 9 कंपनियों से जुड़े हैं। सेबी ने कहा कि अब तक कुल 6,781 रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, जिनमें से 3,871 अभी भी लंबित हैं। कुल मिलाकर सेबी को करीब एक लाख करोड़ रुपये वसूल करने हैं। इसमें जुर्माना न भरने वाली कंपनियों के साथ-साथ उन निवेशकों का पैसा भी शामिल है, जिन्हें पैसा वापस मिलना था। पीएसीएल और सहारा इंडिया के मामलों में सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इन दोनों कंपनियों के विरुद्ध निवेश योजना से जुड़े मामले हैं, जिनमें करीब 63,206 करोड़ रुपये अटके हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मलेशियाई कंपनियों को भारत में तेल, गैस में निवेश का न्योता

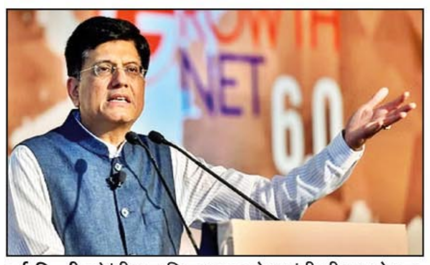

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित भारत-मलयेशिया सीईओ फोरम की बैठक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापारिक सहयोग को मजबूत करने महत्व पर जोर दिया। केंद्रीय मंत्री गोयल ने हाल ही में बैठक में ऐसे कई क्षेत्रों पर प्रकाश डाला, जहां दोनों देश अधिक गहराई से सहयोग कर सकते हैं, जिससे उनके व्यापार और व्यावसायिक संबंधों का विस्तार हो सकता है। फोरम ने दोनों देशों के व्यापारिक नेताओं को आपसी अवसरों का पता लगाने और विकास को बढ़ावा देने की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए कए मंच प्रदान किया। गोयल ने भारत और मलयेशिया में व्यवसायों के बीच अधिक तालमेल की संभावना पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, बुनियादी ढांचे, पर्यटन, डिजिटल अर्थव्यवस्था, ई-कॉमर्स और स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में, उन्होंने दोनों देशों के बीच साझेदारी को और मजबूत करने के लिए इन क्षेत्रों में दोनों देशों की ओर से संयुक्त प्रयास किए जाने के महत्व पर जोर दिया।

एलआईसी ने हिंदुस्तान कॉपर में घटाई हिस्सेदारी

मुंबई। देश की सबसे बड़ी सार्वजनिक बीमा कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने खुले बाजार में हिंदुस्तान कॉपर में 2.09 प्रतिशत हिस्सेदारी 447 करोड़ रुपए में बेच दी है। एलआईसी ने शेयर बाजार को यह सूचना दी। उसने हिंदुस्तान कॉपर के कुल 2,01,62,682 शेयर यानी 2.085 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में लेनदेन के जरिये बेची है। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर के शेयरों को 221.64 रुपए प्रति शेयर की औसत कीमत पर बेचा गया। इस तरह सौदे का कुल मूल्य 446.8 करोड़ रुपए रहा। हिस्सेदारी बिक्री के बाद हिंदुस्तान कॉपर में एलआईसी की हिस्सेदारी 8.17 प्रतिशत से घटकर 6.09 प्रतिशत रह गई है। हिंदुस्तान कॉपर देश में तांबा अयस्क के खनन में लगी इकलौती कंपनी है। इसके अलावा यह परिष्कृत तांबे की एकमात्र उत्पादक कंपनी भी है। मंगलवार को बीएसई पर हिंदुस्तान कॉपर का शेयर 1.07 फीसदी की गिरावट के साथ 320.10 रुपए पर आ गया। एलआईसी का शेयर 0.39 फीसदी की तेजी के साथ 1076.10 रुपए पर है। सोमवार को हिंदुस्तान कॉपर का शेयर बीएसई पर 3.06 फीसदी तेजी के साथ 323.55 रुपए पर बंद हुआ। इस वैल्यू पर इसका मार्केट प्राइस 31,288.06 करोड़ रुपए है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 415.60 रुपए और न्यूनतम स्तर 135.70 रुपए है। दूसरी ओर एलआईसी का शेयर 1.34 फीसदी तेजी के साथ 1071.95 रुपए पर बंद हुआ।

कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब, कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य फिसलकर 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 74 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.58 डॉलर यानी 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ 77.08 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.68 डॉलर यानी 0.91 फीसदी लुढ़ककर 73.69 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दूसरी तरफ मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की नई दरें जारी कर दी है। बिहार में पेट्रोल 5 पैसे बढ़कर 107.17 रुपये प्रति लीटर और डीजल 5 पैसे बढ़कर 93.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल के दाम 48 पैसे बढ़कर 104.35 रुपये प्रति लीटर और डीजल 45 पैसे बढ़कर 90.87 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। इसके अलावा गोवा, गुजरात, हरियाणा, झारखंड, केरल, ओडिशा, राजस्थान और तेलंगाना में भी पेट्रोल-डीजल के भाव में हल्की बढ़ोतरी हुई है। देश के प्रमुख शहरों जैसे दिल्ली, मुंबई और कोलकाता में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि चेन्नई में पेट्रोल 10 पैसे और डीजल 9 पैसे महंगा हुआ है।

सप्ताह के दूसरे कारोबारी दिवस मार्केट का हाल

खरीदारी के सपोर्ट से बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली।
घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को खरीदारी का जोर बना रहा। कारोबार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में मुनाफा वसूली के कारण शेयर बाजार की चाल में थोड़ी गिरावट भी आई, लेकिन खरीदारों द्वारा थोड़ी देर में ही एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर देने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने दोबारा रफ्तार पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.47 प्रतिशत और निफ्टी 0.51 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

मंगलवार को कारोबार के दौरान एफएमसीजी को छोड़ कर बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। बैंकिंग, आईटी और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में जोरदार खरीदारी होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, ऑटोमोबाइल और मेटल इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार लिवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की तेजी के साथ कारोबार का अंत किया।

मंगलवार को बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 456.57 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी सोमवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 454.39 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 2.18 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,036 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,394 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,544 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 98 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,375 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,494 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 881 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए।

इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 25 शेयर बढ़त के साथ और 5 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 39 शेयर हरे निशान में और 11 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 297.86 अंक की तेजी के साथ 80,722.54 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से ये सूचकांक ओपनिंग लेवल से करीब 200 अंक टूट कर 80,517.95 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के कारण सेंसेक्स 518.28 अंक की मजबूती के साथ 80,942 96 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद -बिक्री के बाद इस सूचकांक ने 378.18 अंक की बढ़त के साथ 80,802.86 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

सेंसेक्स की तरह एनएसई के निफ्टी ने मंगलवार को 76.25 अंक की तेजी के साथ 24,648.90 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक को ओपनिंग लेवल से 40 अंक से अधिक फिसल कर 24,607.20 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 161.65 अंक की मजबूती के साथ 24,734.30 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। दिनभर हुई खरीद-बिक्री के बाद निफ्टी 126.20 अंक की तेजी के साथ 24,698.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

मंगलवार को दिनभर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फिनसर्व 3.25 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 2.29 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.12 प्रतिशत, बजाज फाइनेंस 1.57 प्रतिशत और कोटक महिंद्रा 1.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, भारतीय एयरटेल 1.30 प्रतिशत, आईटीसी 0.48 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 0.35 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.21 प्रतिशत और अल्ट्राटेक सीमेंट 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

कंपनी के ऐलान के बाद ही सीडीएसएल शेयर तूफानी रफ्तार से दौड़ा, छह फीसदी का उछाल

नई दिल्ली।
शेयर बाजार में सप्ताह के पहले दिन उतार-चढ़ाव देखने को मिला और मार्केट क्लोज होने पर सेनसेक्स लाल निशान पर, निफ्टी-50 हरे निशान पर बंद हुआ। इस बीच सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड का शेयर तूफानी तेजी के साथ भागा और कारोबार के दौरान छह फीसदी तक उछल गया। स्टॉक में आई तेजी के पीछे कंपनी की ओर से किया गया ऐलान है।

सीडीएसएल शेयर सोमवार को हरे निशान पर खुला था और 2855 रुपए के स्तर से कारोबार शुरू किया था, लेकिन कुछ ही देर में ये छह फीसदी तक उछलकर 2955 रुपए के हाई लेवल पर पहुंच गया। ये शुरुआती तेजी मार्केट में कारोबार खत्म होते-होते कम हो गई। बाजार बंद होने पर सीडीएसएल का शेयर 3.40 फीसदी की बढ़त लेते हुए 2883 रुपए पर क्लोज हुआ।

कंपनी के शेयर में आई जोरदार तेजी के चलते सीडीएसएल का मार्केट कैप भी बढ़कर 30130 करोड़ रुपए हो गया है। इस स्टॉक में अचानक ये जोरदार तेजी कंपनी की ओर से आई एक खबर के बाद देखने को मिली है। बोर्ड ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में जानकारी शेयर की कि निवेशकों को एक पर एक शेयर बोनस में दिया जाएगा। इसे अप्रूवल मिलने के साथ ही बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड 24 अगस्त तय की गई है। इस खबर का असर कंपनी के शेयर पर तेजी के रूप में दिखाई दिया। सीडीएसएल के शेयर की बीते एक साल की परफॉर्मेंस पर नजर डालें, तो ये अपने निवेशकों के लिए फायदे का सौदा साबित हुआ है। बीते जुलाई 2024 में सीडीएसएल के बोर्ड ने बैठक में कंपनी ने पहली बार एक शेयर पर एक बोनस शेयर जारी करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी और अब इसकी रिकॉर्ड डेट फिक्स कर दी गई है।

दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए

बता दें, कंपनियां अपने फ्री रिजर्व का इस्तेमाल करते हुए बोनस शेयर जारी करती हैं और इससे प्रति शेयर आय यानी ईपीएस के साथ-साथ पेड-अप कैपिटल बढ़ता है। सीडीएसएल कंपनी की स्थापना साल 1999 में की गई थी, जो सिक्योरिटीज को इलेक्ट्रिक फॉर्म में अपने पास डिपॉजिट करती है। ये पहली ऐसी कंपनी है, जिसने दस करोड़ डेमट अकाउंट रजिस्टर किए हैं।

अब त्योहारों पर हवाई यात्रा करना होगा और भी महंगा!

नई दिल्ली।
आगामी त्योहार में अब हवाई यात्रा करना और भी महंगा हो जाएगा। बताया जा रहा है कि हवाई यात्रा के किराए में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है और दिवाली के लिए प्रमुख घरेलू मार्गों पर औसत एकतरफा टिकट की कीमत 10-15 प्रतिशत बढ़ चुकी है। दूसरी ओर ओणम के दौरान केरल के शहरों के लिए कुछ उड़ानों का किराया 20-25 प्रतिशत अधिक है। जानकारी अनुसार, मुंबई-हैदराबाद मार्ग पर टिकट की कीमत 21 प्रतिशत बढ़कर 5,162 रुपये और दिल्ली-गोवा और दिल्ली-अहमदाबाद मार्गों पर 19 प्रतिशत बढ़कर क्रमशः 5,999 रुपये और 4,930 रुपये हो गई है। विश्लेषण में यह सामने आया कि कुछ दूसरे मार्गों पर किराया 1-16 प्रतिशत की सीमा में अधिक है। वहीं केरल में आगामी त्योहार के लिए चुनिंदा रूट्स पर हवाई किराए के रुझानों के विश्लेषण से पता चला है कि कुछ रूट्स पर कीमतों में 1 प्रतिशत से 25 प्रतिशत की सीमा में वृद्धि हुई है। इसी दौरान कुछ मार्गों पर टिकट की कीमतों में लगभग 6-35 प्रतिशत की गिरावट आई है। ये आंकड़े इस साल 6-15 सितंबर की अवधि के दौरान डिपार्चर के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट्स के लिए औसत एकतरफा किराया हैं, जबकि 20-29 अगस्त, 2023 की अवधि में ओणम मनाया गया था। इस तुलनात्मक अवधि के लिए हैदराबाद-तिरुवनंतपुरम फ्लाइट के लिए किराए में 30 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो 4,102 रुपये है। मुंबई-कालीकट फ्लाइट के लिए भी इसी तरह की वृद्धि हुई है, जो 4,448 रुपये है।

जोमैटो के शेयर में 21 करोड़ शेयरों का हुआ सौदा, एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरें हटाई

मुंबई।
ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो के शेयर में मंगलवार को 21 करोड़ शेयरों (2.4 प्रतिशत इक्विटी) का सौदा हुआ। इसकी वैल्यू करीब 5,438.5 करोड़ रुपये थी। यह ब्लॉक डील एंटफिन सिंगापुर की ओर से 258 रुपये प्रति शेयर के भाव पर किए जाने की संभावना है। इस डील के बाद जोमैटो का शेयर हल्की गिरावट के साथ 259.58 रुपये पर शुरुआती कारोबार में कारोबार कर रहा था। एंटफिन सिंगापुर के पास जोमैटो में 4.24 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी। इसकी वैल्यू करीब 10,000 करोड़ रुपये की थी।

रिपोर्ट में बताया गया कि इस ब्लॉक डील के साथ ही एंटफिन के लिए 90 दिनों का लॉक-इन-पीरियड शुरू हो गया है। इसके बाद ही एंटफिन कोई दूसरा सौदा बाजार में कर पाएगी। इससे पहले एक मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया था कि एंटफिन जोमैटो में 1.54 प्रतिशत हिस्सेदारी 408 मिलियन डॉलर में बेचने की योजना बना रही है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जोमैटो के मुनाफे में 126 गुना का इजाफा हुआ है। अप्रैल-जून की अवधि के बीच कंपनी ने 253 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है, जो कि पिछले साल समान अवधि में 2 करोड़ रुपये था। नतीजे आने के बाद से जोमैटो का शेयर 12 प्रतिशत से अधिक रिटर्न दे चुका है। चालू वित्त वर्ष की जून तिमाही में कंपनी की आय में सालाना आधार पर 74 प्रतिशत की वृद्धि देखने मिली है और अप्रैल-जून की अवधि में यह 4,206 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में जोमैटो की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू 27 प्रतिशत बढ़कर 9,264 करोड़ रुपये हो गई है। वहीं क्विक कॉमर्स कंपनी ब्लिंकिट की ग्रॉस ऑर्डर वैल्यू (जीओवी) सालाना आधार पर 130 प्रतिशत बढ़कर 4,923 करोड़ रुपये हो गई है। ब्लिंकिट की योजना मार्च 2025 तक 1,000 स्टोर्स खोलने की है। 2026 के अंत तक मुनाफे में रहते हुए 2,000 स्टोर्स खोलने की है। इसमें से ज्यादातर स्टोर्स टॉप 10 शहरों में खोले जाएंगे।

लोगों ने की तारीफ

ऑनलाइन फूड एप जोमैटो पर अब रेस्टोरेंट एआई से बनाई खाने की तस्वीरों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। जोमैटो के फाउंडर दीपिंदर गोयल ने ऐलान किया है कि वह जोमैटो के प्लेटफॉर्म से एआई जनरेटेड खाने की तस्वीरों को हटा रहे हैं साथ ही उन्होंने अपने फूड पार्टनर्स से एआई तस्वीरों का इस्तेमाल बंद करने को भी कहा है। गोयल ने इसकी जानकारी अपने ट्विटर हैंडल पर दी। गोयल ने मिक्रोब्लॉग्गिंग साइट एक्स पर लिखा-ज़ोमैटो में, हम अपने वर्कफ़्लो को अच्छा बनाने के लिए एआई के विभिन्न रूपों का इस्तेमाल करते हैं।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशियाई बाजारों में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से मंगलवार को लगातार दूसरे दिन मजबूती के संकट मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों ने मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद हरे निशान में कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करते रहे। एशियाई बाजारों में भी मंगलवार को आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

अमेरिका में ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीद की वजह से उत्साह का माहौल बना हुआ है। इस उत्साह के कारण पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट के सूचकांकों में भी तेजी बनी रही। डाउ जॉन्स पिछले सत्र के दौरान 0.73 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.97 प्रतिशत की तेजी के साथ पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 245.05 अंक यानी 1.39 प्रतिशत उछल कर 17,876.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 40,837.06 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,356.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,502.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,421.69 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। हैंग सेंग इंडेक्स 0.32 प्रतिशत टूट कर 17,512.71 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.99 प्रतिशत लुढ़क कर 2,865.18 अंक के स्तर पर पहुंच गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 93 अंक यानी 0.38 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,701.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,377.40 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। निक्केई इंडेक्स ने मंगलवार को बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 768.64 अंक यानी 2.06 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,157.26 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.80 प्रतिशत तेज होकर 2,695.77 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,438.50 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,330.48 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.72 प्रतिशत उछल कर 7,520.24 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

2500 से 3500 रुपये क्विंटल तक पहुंचे प्याज के दाम

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले की प्याज मंडी में इस समय प्याज के दाम 2500 रुपये से लेकर 3500 रुपये प्रति क्विंटल तक पहुंच गए हैं, जो कि पिछले साल के मुकाबले एक बड़ी वृद्धि है।

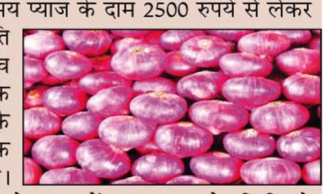

आंध्र प्रदेश में खुले बाजार में प्याज 50 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, जबकि सरकारी रायतू बाजार में प्याज की कीमत 42 से 45 रुपये प्रति किलो के बीच है। इस साल प्याज की कीमतों में वृद्धि पहले ही शुरू हो चुकी है। इस स्थिति का एक बड़ा कारण महाराष्ट्र में प्याज की फसल की खराबी है। बेमौसम बारिश ने महाराष्ट्र की प्याज फसल को बुरी तरह प्रभावित किया है। त्योहारों जैसे रक्षाबंधन और जन्माष्टमी के पहले प्याज की कीमतें इन दिनों तेजी से बढ़ रही हैं। कुर्नूल के किसानों के चेहरे पर इन दिनों खुशी की चमक है क्योंकि पिछले साल इसी मंडी में प्याज का भाव मुश्किल से 500 रुपये से 1000 रुपये प्रति क्विंटल था। तब किसानों को अपनी उपज की लागत निकालना भी मुश्किल हो रहा था और उन्होंने विरोध स्वरूप अपनी प्याज फेंक दी थी। इस बार प्याज के दाम में वृद्धि से किसानों को अच्छी आमदनी हो रही है।

समोआ के बल्लेबाज डेरियस विज़सर ने युवराज का तोड़ा रिकॉर्ड, एक ही ओवर में बनाए 39 रन

नई दिल्ली।
समोआ के बल्लेबाज डेरियस विज़सर ने मंगलवार को दिग्गज भारतीय खिलाड़ी युवराज सिंह का रिकॉर्ड तोड़ दिया। टी20 विश्व कप क्वालीफायर में विज़सर ने एक ही ओवर में 39 रन बनाकर खेल के टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में सबसे अधिक रन बनाने का नया रिकॉर्ड बनाया।

विज़सर ने युवराज (2007), किरोन पोलार्ड (2021), दीपेंद्र सिंह ऐरी (2024) और निकोलस पूरन (2024) के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया, इन सभी ने टी20ई प्रारूप में एक ही ओवर में 36 रन बनाए थे।

इस प्रक्रिया में, विज़सर खेल के टी20ई प्रारूप में शतक बनाने वाले पहले समोआ क्रिकेटर भी बन गए। विज़सर की 62 गेंदों में 132 रन की पारी की मदद से समोआ ने मंगलवार को 2026 विश्व कप क्षेत्रीय क्वालीफायर में वानुअतु पर 10 रन से जीत दर्ज की।

62 गेंदों में 132 रन बनाने वाले विज़सर 46 रन पर थे, जब वानुअतु के नलिन निपिको 15वां ओवर फेंकने के लिए आए, जिसमें समोआ के बल्लेबाज ने छह गेंदों पर 6 छक्के लगाए, इस दौरान निपिको ने तीन नो बॉल भी फेंकी। निपिको ने ओवर की पांचवीं गेंद डॉट बॉल फेंकी, लेकिन इसके बाद दो नो बॉल आईं, जिसमें 28 वर्षीय बल्लेबाज ने दूसरी गेंद पर छक्का लगाया।

विज़सर ने 14 छक्कों और पांच चौकों के साथ अपनी पारी का समापन किया।

युवराज ने 2007 टी20 विश्व कप मैच में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड के एक ओवर में छह छक्के लगाए, पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के अकिला धनंजय के साथ भी यही व्यवहार किया, ऐरी अप्रैल में यह उपलब्धि हासिल करने वाले तीसरे बल्लेबाज बने।

एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में एक ओवर में 6 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और अमेरिकी बल्लेबाज जसकरन मल्होत्रा के नाम है।

न्यूज ब्रीफ

लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका में जुड़ सकते हैं जहीर खान

नई दिल्ली। जहीर खान लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ मेंटर की भूमिका के लिए बातचीत कर रहे हैं। अगर चल रही बातचीत सफल होती है, तो वह उत्तरी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी में दो प्रमुख हस्तियों की जगह ले सकते हैं। गौतम गंभीर के 2023 में कोलकाता चले जाने के बाद से सुपर जायंट्स में कोई मेंटर नहीं है और मोर्ने मोर्कल के जाने से नई जगह खाली हो गई है। गंभीर और मोर्कल संयोग से या तो पहले ही भारतीय राष्ट्रीय टीम में शामिल हो चुके हैं या शामिल होने वाले हैं। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, जहीर को गंभीर की भूमिका के लिए चुना जा रहा है और वह लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाजों को अपनी विशेषज्ञता भी दे सकते हैं। वह खिलाड़ियों और फ्रैंचाइज़ के प्रबंधन के लिए एक प्रमुख मध्यस्थ भी होंगे। जहीर को पहले टीम इंडिया में गंभीर की नई व्यवस्था के तहत एक संभावित बॉलिंग कोच के रूप में देखा गया था, विशेष रूप से टीम में और उसके आसपास के युवा और उभरते हुए तेज गेंदबाजों को मेंटर करने के लिए – एक ऐसी भूमिका जिसके लिए उन्हें बहुत सम्मान दिया जाता है। अपने खेल के दिनों में भी, जहीर भारतीय टीम में युवा तेज गेंदबाजों का मार्गदर्शन और मेंटरिंग करने के लिए जाने जाते थे। भारतीय टीम के साथ जहीर खान की संभावित भूमिका साकार नहीं हो पाई, क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गंभीर की सिफारिश पर मोर्कल को प्राथमिकता दी। लेकिन पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज को आईपीएल में कोचिंग का व्यापक अनुभव है, उन्होंने पहले मुंबई इंडियंस के साथ काम किया है। लखनऊ सुपर जायंट्स सेटअप में, जहीर मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और कोचों की एक मजबूत टीम के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एडम वोजेस, लांस क्लूजनर और जोंटी रोड्स शामिल हैं। संजीव गोयनका के स्वामित्व वाली फ्रैंचाइज़ी में एक और प्रमुख कोच के शामिल होने की भी चर्चा है, जिसका विवरण अभी भी पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है।

यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम व मोहम्मद शोएब का चयन

मुरादाबाद। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव व पूर्व रणजी खिलाड़ी विजय गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि जनपद के दो युवा क्रिकेटर मिर्जा दानिश आलम व मोहम्मद शोएब का यूपी टी-20 क्रिकेट लीग में चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ी नोएडा सुपर किंग्स टीम की ओर से खेलेगें। एमपीएस क्रिकेट एकेडमी मुरादाबाद के संचालक मिर्जा दानिश आलम काफी समय से क्रिकेट एकेडमी का संचालन कर रहे हैं। वह 30 साल की उम्र के बाद भी वह क्रिकेट में जगह बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। वहीं, कुंदरकी के बांहपुर निवासी मोहम्मद शोएब डीपीजीएस एकेडमी में अभ्यास करते हैं। यूपीसीए की ओर से आयोजित इस लीग में शोएब का चयन होने पर डीपीजीएस के डायरेक्टर मंसूर सिद्दीकी, प्रधानाचार्य मुनीरा सिद्दीकी व कोच अनवर ने बधाई दी है।

बीडब्ल्यूएफ जापान ओपन : पहले दौर में हारकर बाहर हुईं अश्मिता चालिहा, मालविका बंसोड़

योकोहामा। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी अश्मिता चालिहा और मालविका बंसोड़ मंगलवार को यहां जापान ओपन के महिला एकल स्पर्धा के शुरुआती दौर में हारकर बाहर हो गईं। अश्मिता को चीनी ताइपे की शीर्ष वरीयता प्राप्त ताई त्ज़ु यिंग के हाथों 16-21, 12-21 से हार का सामना करना पड़ा, जबकि मालविका को यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा ने 21-23, 19-21 से हराया। बाद में, आकर्षि कश्यप बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट के अपने शुरुआती दौर के मैच में कोरिया की किम गा यून से भिड़ेंगी। मिश्रित युगल में, सतीश कुमार करुणाकरण और आद्या वरियाथ की भारतीय जोड़ी अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशारजंतो और लिसा आयु कुसुमावती की जोड़ी के खिलाफ करेगी। हाल ही में समाप्त हुए पेरिस ओलंपिक में भाग लेने वाले कोई भी भारतीय शटलर इस इवेंट में नहीं खेल रहे हैं।

पेरिस पैरालंपिक खेलों में 84 खिलाड़ी करेंगे देश का प्रतिनिधित्व

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा–विजय भव :

नई दिल्ली।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आगामी पेरिस पैरालंपिक के लिए भारतीय दल को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूरा देश खिलाड़ियों का समर्थन करेगा क्योंकि वे इस खेल महाकुंभ में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करेंगे। पैरालंपिक खेलों का आयोजन 28 अगस्त से आठ सितंबर तक होगा। इसमें भारत के रिकॉर्ड 84 खिलाड़ी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

पीएम मोदी ने खिलाड़ियों के साथ वर्चुअल बातचीत के दौरान पैरालंपिक में पहली बार भाग लेने वाले खिलाड़ियों के साथ-साथ तोक्यो पैरालंपिक के पदक विजेताओं से भी बात की। उन्होंने कहा, 'आपकी यात्रा देश के लिए उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी आपके और आपके करियर के लिए। हमारे देश का गौरव इस बात से जुड़ा होगा कि आप सब वहां क्या हासिल करते हैं। पूरा देश आपका समर्थन कर रहा है।'

उन्होंने कहा, '140 करोड़ भारतीय आपको अपना आशीर्वाद भेज रहे हैं। विजय भव:। जैसा आपने एशियाई पैरा खेलों और तोक्यो पैरालंपिक में किया था, मैं चाहता हूं कि आप सभी पेरिस में नये रिकॉर्ड बनाएं। आप सभी भारत के ध्वजवाहक के रूप में पेरिस जा रहे हैं। यह यात्रा आपके जीवन, आपके करियर की बेहद महत्वपूर्ण यात्रा होने जा रही है।'

प्रधानमंत्री ने सबसे पहले पैरा-तीरंदाज शीतल देवी से बातचीत की। सत्रह साल की शीतल भारतीय दल की सबसे कम उम्र की सदस्य हैं और वह पहली बार पैरालंपिक खेलों का हिस्सा बनेंगी। उन्होंने शीतल से कहा, 'दबाव मत लीजिए। जीत या हार के बारे में मत सोचिए। आप बस अपना सर्वश्रेष्ठ दीजिए। पूरा देश आपका समर्थन करेगा।' शीतल ने कहा, 'सर, कोई दबाव नहीं है। मेरी तैयारी बहुत अच्छी है। मैं यह सुनिश्चित करना चाहती हूं कि पेरिस में तिरंगा फहराया जाए।'

राइफल निशानेबाज अवनि लेखरा प्रधानमंत्री से बातचीत करने वाली अगली खिलाड़ी थीं। अवनि ने तोक्यो पैरालंपिक में अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया था। राजस्थान की इस निशानेबाज ने कहा, 'सर, पिछली बार मेरा पहला पैरालंपिक था। मैंने चार स्पर्धाओं में भाग लिया और उससे अनुभव प्राप्त किया। इस चक्र में मैं अपने खेल, तकनीक के मामले में काफी परिपक्व हुई हूं। इस बार भी मेरा लक्ष्य अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा।'

उन्होंने कहा, 'टोक्यो खेलों के बाद से मुझे देश से, आपसे जो समर्थन मिला है, उसने मुझे बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। लेकिन इसके साथ एक जिम्मेदारी भी आती है, वहां जाना और अपना सर्वश्रेष्ठ देना।' प्रधानमंत्री ने अवनि से पूछा कि तोक्यो के बाद से चीजें कैसे बदल गई हैं और आपने खुद को और अधिक गौरव के लिए कैसे प्रेरित रखा। अवनि ने कहा, 'सर, जब मैं पिछले सत्र में भाग ले रही थी एक तरह की बाधा थी कि मैं यह कर पाऊंगी या नहीं। लेकिन फिर जब मैंने दो पदक जीते तो वह बाधा टूट गई।' ऊंची कूद के खिलाड़ी मरियप्पन थंगावेलु ने कहा कि वह तोक्यो में जीते रजत पदक को पेरिस में स्वर्ण में बदलने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा, 'इस बार मैंने 100 प्रतिशत स्वर्ण जीतने का लक्ष्य रखा है।, मैं जर्मनी में प्रशिक्षण ले रहा हूं।' विश्व रिकॉर्डधारी भाला फेंक खिलाड़ी सुमित अंतिल ने कहा कि वह नीरज चोपड़ा से प्रेरणा लेकर दोहरा ओलंपिक पदक जीतने की कोशिश करेंगे।'

उन्होंने अंतिल से कहा, सुमित, सोनीपत की धरती अपने आप में बहुत खास है और वहां से विश्व रिकॉर्डधारी एथलीट निकलते हैं। आप पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। पीएम मोदी ने ताइक्वांडो एथलीट अरुणा तंवर से उनके सफर में उनके पिता की भूमिका के बारे में पूछा। अरुणा ने कहा, सर, परिवार के समर्थन के बिना हम एक सामान्य टूर्नामेंट भी नहीं खेल सकते हैं। मैं अपने दूसरे पैरालंपिक में भाग लेने जा रही हूं। पापा ने शुरू से ही मेरा समर्थन किया है। मेरी मां ने भी मेरा समर्थन किया है। समाज में लोग हमें अलग नजरिए से देखते हैं कि वह कुछ नहीं कर सकती। लेकिन मेरी मां और पिता ने हमेशा कहा है कि मैं बहुत कुछ कर सकती हूं।

प्रधानमंत्री तब जानना चाहते थे कि युवा एथलीट खेल और शिक्षा के बीच संतुलन कैसे बना पाते हैं। राजस्थान के भरतपुर के 16 वर्षीय निशानेबाज रुद्रांश खंडेलवाल ने इसका जवाब दिया, %सर, मैंने इसी साल 12वीं बोर्ड की परीक्षा दी थी और मैं अच्छे अंकों से पास हुआ, मुझे 83 प्रतिशत अंक मिले। उस समय विश्व कप चल रहा था और मैं एक ही समय में दोनों चीजों का प्रबंधन कर रहा था। रुद्रांश ने कहा, मुझे लगता है कि शिक्षा और खेल दोनों जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुजरात के मेहसाणा की टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल ने कहा कि इससे उन्हें काफी फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, खेलो इंडिया पहल ने हाल के वर्षों में खेलों के विकास में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसकी वजह से जमीनी स्तर से कई प्रतिभाएं सामने आई हैं। यह पैरा एथलीटों के लिए एक बहुत अच्छा मंच है और इससे उन्हें एक नयी दिशा मिली है।

प्रधानमंत्री ने इस बातचीत के दौरान कहा कि पेरिस के खेल गांव में सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए एक विशेष रिकवरी सेंटर बनाया गया है। प्रधानमंत्री ने कहा, मुझे उम्मीद है कि यह रिकवरी सेंटर भी आप सभी के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा।

बल्लेबाजी बांग्लादेश के लिए चिंता का विषय रही है: हथुरूसिंघे

रावलपिंडी।
पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले, बांग्लादेश के मुख्य कोच चंदिका हथुरूसिंघे ने सोमवार को स्वीकार किया कि उनके टीम की बल्लेबाजी चिंता तका विषय है। दो मैचों की टेस्ट सीरीज 21 अगस्त को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगी। बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैच जेसन गिलेस्पी के लिए पाकिस्तान के टेस्ट कोच के तौर पर पहला काम होगा। दो मैचों की सीरीज का दूसरा टेस्ट 30 अगस्त से 3 सितंबर तक कराची में खेला जाएगा।

मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए हथुरूसिंघे ने कहा कि बांग्लादेश की पिचें परिणाम देने वाली विकेट हैं, जबकि पाकिस्तान की पिचें बल्लेबाजी के लिए अनुकूल हैं। उन्होंने कहा, बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय रही है, लेकिन एक कारण से नहीं। हम अपने देश में परिणाम देने वाली विकेटों पर खेलते हैं। कभी-कभी ऐसी पिचों पर 250 रन जीत का स्कोर होता है। जाहिर है जब आप ऐसी पिचों पर खेलते हैं, तो बल्लेबाजों को मुश्किल होती है। मुझे उम्मीद है कि पाकिस्तान की पिचें आम तौर पर बल्लेबाजी के अनुकूल होंगी। बल्ले और गेंद के बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा होती है। हम इन पिचों पर बेहतर परिणाम दिखाएंगे।

मुख्य कोच ने अपनी टीम के तेज गेंदबाजों की तारीफ की और कहा कि उन्होंने हाल ही में संपन्न टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, तेज गेंदबाजों ने टी20 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन किया, जहां उन्हें अनुकूल परिस्थितियां मिलीं। यह रातों-रात नहीं हुआ। यह पिछले दो वर्षों में विकसित हुआ है। उन्होंने कुल मिलाकर 20 टेस्ट नहीं खेले हैं, इसलिए वे पाकिस्तान के आक्रमण की तुलना में युवा तेज गेंदबाज हैं।

नेशनल सब जूनियर फुटबाल चैंपियनशिप के लिए ट्रायल्स 24 से

मुरादाबाद। जिला फुटबाल एसोसिएशन के सचिव मोहम्मद नासिर कमाल ने मंगलवार को बताया कि बालक वर्ग की नेशनल सब जूनियर फुटबाल चैंपियनशिप के लिए उत्तर प्रदेश की सब जूनियर टीम के खिलाड़ियों का चयन ट्रायल्स के द्वारा किया जाएगा। यह ट्रायल्स 24, 25 व 26 अगस्त को सुबह 7 बजे से आगरा के एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम के फुटबाल मैदान पर आयोजित होंगे।

बीबीएल: डेविड वार्नर ने सिडनी थंडर के साथ 2, स्मिथ ने सिक्सर्स के साथ 3 वर्ष का किया करार

सिडनी।
डेविड वार्नर ने बिग बैश लीग (बीबीएल) टीम सिडनी थंडर के साथ दो और स्टीवन स्मिथ ने सिडनी सिक्सर्स के साथ तीन साल का अनुबंध किया है।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपने रोमांच को समाप्त करने के बाद, वार्नर अपने शानदार करियर में पहली बार पूरे बीबीएल सत्र के लिए उपलब्ध होंगे। पिछले दो वर्षों में, वार्नर ने थंडर के लिए आठ मैच खेले हैं, जिसमें वह मैच भी शामिल है जिसमें वे पिछले साल सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे।

थंडर के महाप्रबंधक ट्रेंट कोपलैंड ने फ्रैंचाइज़ी द्वारा जारी एक बयान में कहा, डेवी जहाँ भी खेलते हैं, दुनिया भर में, विशेष रूप से भारत में, लोकप्रिय हैं और मुझे पता है कि सिडनी के पश्चिम में दक्षिण एशियाई समुदाय थंडर में उनका समर्थन करेंगे। डेवी में, हमें लगभग 20 वर्षों के टी20 अनुभव के साथ एक विश्व स्तरीय प्रतिभा मिलती है, और अब जब वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से सेवानिवृत्त हो गए हैं, तो हम फाइनल सहित पूरे टूर्नामेंट के लिए उनके पूर्ण ध्यान और प्रतिबद्धता पर भरोसा कर सकते हैं। स्मिथ सिक्सर्स की टीम से जुड़े थे और उन्होंने 2012 में बीबीएल का पहला संस्करण जीता था। हालाँकि, पिछले कुछ वर्षों में, फ्रैंचाइज़ी के लिए उनकी उपस्थिति छिटपुट रही है। इस अनुभवी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज के नाम शतक बनाने वाले पहले पुरुष सिक्सर्स खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड भी है। स्मिथ इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में जगह बनाने से चूक गए थे।

इस बीच, बीबीएल के 14वें संस्करण से पहले, स्मिथ के साथी मार्नस लाबुशेन और एलेक्स कैरी ने क्रमश: ब्रिस्बेन हीट और एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ फिर से अनुबंध किया है। ब्रिस्बेन हीट के कोच जोहान बोथा ने लाबुशेन के बारे में कहा, उनकी खेल समझ असाधारण है और यह मैदान के अंदर और बाहर हमारे लिए बहुत बड़ी संपत्ति है।

कैरी ने स्ट्राइकर्स के साथ चार साल का करार किया है। दक्षिणपंथी बल्लेबाज ने बीबीएल में अपने आठ साल के करियर के दौरान सभी 56 बीबीएल मैच स्ट्राइकर्स के लिए खेले हैं।

अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी विश्व कप क्वालीफायर से बाहर

ब्यूनस आयर्स।
अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी चोट के कारण अगले महीने चिली और कोलंबिया के खिलाफ़ होने वाले विश्व कप क्वालीफ़ायर में नहीं खेल पाएंगे। 37 वर्षीय मेसी को सोमवार को अर्जेंटीना की 28 सदस्यीय टीम में शामिल नहीं किया गया। इससे पहले जुलाई में कोपा अमेरिका फाइनल में कोलंबिया पर अर्जेंटीना की जीत के दौरान टखने की चोट से उबरने के लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया था। रिवर प्लेट के अनुभवी गोलकीपर फ़्रैंको अरमानी और रोमा फ़ॉरवर्ड पाउलो डायबाला को भी टीम में शामिल नहीं किया गया। मिडफ़ील्डर एज़ेक्विएल फ़र्नांडीज़ और स्ट्राइकर वैलेंटिन कैस्टेलानोस को पहली बार टीम में शामिल किया गया, जबकि युवा प्रतिभाओं एलेजांद्रो गार्नाचो, वैलेंटिन कार्बोनी, वैलेंटिन बार्को और मटियास सोले को भी टीम में शामिल किया गया। अर्जेंटीना 5 सितंबर को ब्यूनस आयर्स में चिली से और पांच दिन बाद बैरेंक्विला में कोलंबिया से भिड़ेगा। अर्जेंटीना वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप में शीर्ष पर है, जिसके पास अब तक छह मैचों में 15 अंक हैं।

अर्जेंटीना की टीम

गोलकीपर : वाल्टर बेनिटेज़, गेरोनिमो रूली, जुआन मुसो, एमिलियानो मार्टिनेज।

डिफेंडर: गोंजालो मोंटिएल, नाहुएल मोलिना, क्रिस्टियन रोमेरो, जर्मन पेजेला, लियोनार्डो बालर्डी, निकोलस ओटामेंडी, लिसेंड्रो मार्टिनेज, निकोलस टैगलियाफिको, वैलेंटिन बार्को।

मिडफील्डर: गुइडो रोड्रिगेज, एलेक्सिस मैक एलिस्टर, एंजो फर्नांडीज, जियोवानी लो सेल्सो, एजेक्विएल फर्नांडीज, रोड्रिगो डी पॉल, निकोलस गोंजालेज, लिएंड्रो पेरेडेस।

फॉरवर्ड: एलेजांद्रो गार्नाचो, मटियास सोले, गिउलिआनो शिमोन, वैलेंटिन कार्बोनी, जूलियन अल्वारेज़, लुटारो मार्टिनेज, वैलेन्टिन कैस्टेलानोस।

जर्मनी के कप्तान गुंडोगन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

बर्लिन। घरेलू धरती पर यूरो 2024 में जर्मनी की कप्तानी करने वाले इल्के गुंडोगन ने सोमवार को सोशल मीडिया पर अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। अनुभवी मिडफील्डर ने 33 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी से हटने का फैसला किया। अपने देश के लिए 82 मैचों में 19 गोल करने वाले गुंडोगन ने कहा, कुछ हफ़्तों के चिंतन के बाद, मैंने फैसला किया है कि अब अपने राष्ट्रीय टीम करियर को समाप्त करने का समय आ गया है। मुझे अपने देश के लिए 82 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर गर्व है, एक ऐसी संख्या जिसके बारे में मैंने 2011 में अपने सीनियर पदार्पण के समय कभी सपने में भी नहीं सोचा था। निस्संदेह, पिछली गर्मियों में हमारे घरेलू यूरोपीय चैंपियनशिप में टीम की कप्तानी करने का बड़ा सम्मान मेरा मुख्य आकर्षण था। गुंडोगन की सेवानिवृत्ति थॉमस मुलर और टोनी क्रूस की अंतरराष्ट्रीय सेवानिवृत्ति के बाद हुई है, जिन्होंने यूरो 2024 में स्पेन से जर्मनी की 2-1 क्वार्टर फाइनल हार के बाद संन्यास ले लिया था। अक्टूबर 2011 में बेल्जियम के खिलाफ़ गुंडोगन ने जर्मनी के लिए पदार्पण किया। चोट के कारण वे 2014 विश्व कप और 2016 यूरोपीय चैम्पियनशिप से चूक गए।

जलाल ने बीसीबी निदेशक पद से दिया इस्तीफा, कहा-खेल राजनीति मुक्त हो

नई दिल्ली।
जलाल यूनुस ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) निदेशक और क्रिकेट संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। जलाल का इस्तीफा तब आया है जब बांग्लादेश के 41 विभिन्न खेल निकायों के नियंत्रण प्राधिकरण, राष्ट्रीय खेल परिषद ने उनसे पद छोड़ने को कहा।

1980 के दशक में पेशेवर रूप से खेलने वाले पूर्व तेज गेंदबाज जलाल 1990 के दशक के उत्तरार्ध से खेल आयोजक रहे हैं। वह 2009 से लगातार बीसीबी में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रहे हैं और दिसंबर 2021 में क्रिकेट संचालन प्रमुख बने। जलाल ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, मैंने क्रिकेट के व्यापक हित के लिए इस्तीफा दे दिया है। मैं क्रिकेट को सही तरीके से चलाने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। संविधान के अनुसार मुझे बदलने के उनके इरादे से मैं सहमत हूं। मैं क्रिकेट की प्रगति में बाधा नहीं बनना चाहता। इस बीच, बीसीबी में एनएससी द्वारा नामित दूसरे निदेशक अहमद सज्जादुल आलम ने उसी दिन पद छोड़ने के बोर्ड के अनुरोध को ठुकरा दिया।

उन्होंने ईएसपीएनक्रिकइन्फो से कहा, मैंने उनसे कहा कि चूंकि उन्होंने मुझे एनएससी काउंसलर के रूप में नामित किया था और फिर मैं निदेशक बन गया, इसलिए उन्हें ऐसा करना होगा। वे मेरे बारे में अपना निर्णय मुझे बता सकते हैं। आलम एक अनुभवी खेल आयोजक भी हैं, जो वर्तमान में बीसीबी की टूर्नामेंट समिति के अध्यक्ष हैं। एनएससी का यह कदम नए खेल सलाहकार आसिफ महमूद द्वारा बीसीबी सहित बांग्लादेश के सभी खेल महासंघों में सुधार की मांग के बाद उठाया गया है।

उन्होंने कहा है कि वह राजनीति मुक्त खेल क्षेत्र देखना चाहते हैं। बांग्लादेश के सबसे लोकप्रिय खेल के संरक्षक बीसीबी का निर्माण पिछले 15 वर्षों में राजनीतिक प्रभाव के आधार पर हुआ है।

बीसीबी प्रमुख नजमुल हसन देश के खेल मंत्री थे, जबकि बीसीबी के निदेशक मंडल में एक सांसद, एक पूर्व सांसद, एक पूर्व मेयर और देश के प्रधानमंत्री के दो चचेरे भाई शामिल थे। यहां तक कि बांग्लादेश के दो शीर्ष क्रिकेटर भी संसद के सदस्य थे।

एनएससी अब इस्तीफा देने वाले जलाल की जगह बीसीबी में अपने निदेशक के रूप में किसी अन्य व्यक्ति को नामित कर सकता है। कथित तौर पर, 58 वर्षीय बांग्लादेश के पूर्व कप्तान और दो बार के मुख्य चयनकर्ता फारुक अहमद एनएससी द्वारा नामित निदेशक होने की संभावना है।

न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान टेस्ट को मुफ्त में देख सकेंगे प्रशंसक

ग्रेटर नोएडा में अगले माह नौ से 13 सितंबर तक न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान के बीच होने वाले एकमात्र अंतरराष्ट्रीय टेस्ट मैच को प्रशंसक मुफ्त में देख सकेंगे। ऐसे में अब तक टिकट का इंतजार कर रहे प्रशंसकों को राहत मिली है। इस स्टेडियम की क्षमता 12 हजार दर्शकों की है और अब जबकि टिकट नहीं लग रहा है स्टेडियम पूरी तरह भरा रहेगा। इसी माह 23 अगस्त को अफगानिस्तान की टीम यहां पहुंच जाएगी। टीम 23 को यहां आराम करेगी। इसके बाद 24 और 25 अगस्त को टीम अभ्यास करेगी। वहीं 31 अगस्त से दो सितंबर तक टीम रणजी टीम के साथ एक अभ्यास मैच खेलेगी जबकि पांच सितंबर को न्यूजीलैंड टीम पहुंचेगी। छह से आठ तक न्यूजीलैंड की टीम अभ्यास करेगी। मैच देखने के लिए स्टेडियम पहुंचने वाले दर्शकों को शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में पहुंचने वाले दर्शकों को गेट नंबर 3 और 4 से निशुल्क प्रवेश मिलेगा।

साइबर रिश्तों से बढ़ी बेरुखी...

साइबर रिश्तों के इस युग में रोजमर्रा की जिंदगी में आमने-सामने के लोगों से रिश्ते जोड़ने की अहमियत कम हो गई है। हमेशा लोगों को शिकायत रहती है कि युवा पीढ़ी के लोग बहुत मनमानी करते हैं और किसी की सुनते नहीं। एक ताजा शोध के अनुसार इस बात की पुष्टि हो गई है। अब युवा पीढ़ी के लोग अधिक रूखे स्वभाव के हो गए हैं। वे किसी से घुलते-मिलते नहीं। मौजूदा समय में 18 से 34 वर्ष तक के लोग अपने पड़ोसियों से दुआ-सलाम कम ही करते हैं। साथ ही बुजुर्गों का भी स्वागत नहीं करते।

डेली मेल की एक रिपोर्ट के अनुसार इस आयु वर्ग के लोग ना तो अब बिल्डिंग के लोगों को चाय की पेशकश करने में रुचि लेते हैं और न ही किसी त्योहार पर आए डाकियो को इनाम देना चाहते हैं। 23 फीसद लोग साझा बरामदे या गलियारे में कम रुचि लेते हैं जबकि 55 साल से अधिक की उम्र के लोगों के साथ ऐसा नहीं है। इस आयु समूह के 35 फीसद लोग अपने पड़ोसियों की अनदेखी करते हैं। जबकि 55 साल से अधिक आयु वर्ग में केवल 15 फीसद लोग ऐसा करते हैं। युवा वर्ग के 18 फीसद लोग किसी महिला या वृद्ध जन के लिए दरवाजा खोलना पसंद नहीं करते हैं। वहीं 17 फीसद युवा सर्वाजनिक परिवहन में किसी गर्भवती महिला के लिए अपनी सीट नहीं छोड़ना चाहते। जबकि 12 फीसद लोग किसी वृद्ध को अपनी सीट नहीं देना चाहते। 55 साल से अधिक आयु के 83 फीसद लोगों ने कहा कि वह अपने बिल्डर को कॉफी या चाय की पेशकश जरूर करते हैं। लेकिन 50 फीसद युवा पीढ़ी ऐसा नहीं करती। यह सर्वेक्षण यूगाव सर्वे ने एक हजार वयस्कों पर किया है।

नीली जींस का ट्रेंड 6,200 साल पुराना

नीले रंग की जींस के लिए हम पेरूवासियों को धन्यवाद दे सकते हैं। शोधकर्ताओं ने पेरू के उत्तरी तट पर हुआका प्रीटा में खुदाई के दौरान 6,200 साल पुराना कपड़ा पाया गया, जिस पर नीले रंग को डाई के रूप में इस्तेमाल किया गया था। इसे सबसे पहली जींस माना गया है। जॉर्ज वाशिंगटन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने कहा कि निष्कर्ष से पता चलता है कि जटिल वस्त्र तकनीक का विकास प्राचीन रेडियन लोगों ने किया था। हुआका प्रीटा कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला कपास गॉसपियम बारबाडेंसी, आज उगाई वाले मिस्र के कपास की जाति का ही है। हमारे पास अच्छी नीली जींस नहीं होती यदि दक्षिण अमेरिकी नहीं होते।

लड़कियों को वर की तलाश...

यौवन में दस्तक देती हर लड़की का सपना होता है कि उसकी शादी धूम धाम से हो, लेकिन एक जगह ऐसी भी है जहां लड़कियों के लिए शादी करना बेहद मुश्किल काम है। ब्राजील के नोइवा दो कोरडेएरो कस्बे में 20 से 35 साल की महिलाएं आज भी अपने लिए वर की तालाश में जुटी हुई हैं। इस कस्बे में हजारों लड़कियां शादी करने के लिए तरस रही हैं। इस कस्बे में बेहद खूबसूरत लड़कियां रहती हैं, लेकिन यहां की लड़कियों के लिए सबसे बड़ी मुसीबत यहां कुवांरे लड़कों की कमी है। कस्बे में रहने वाली लड़कियां प्यार और शादी का सपना संजोती हैं लेकिन सिर्फ शादी के लिए कस्बा नहीं छोड़ना चाहती। वे चाहती हैं कि दूसरे गांवों के लोग उनके साथ रहें उन्हीं के कस्बे में आकर रहें। साथ ही पहाड़ियों के बीच बसे इस कस्बे में बहुत ही कम शादीशुदा मर्द हैं और जो कुवांरे लड़के हैं वे अभी बहुत छोटी उम्र के हैं।

स्टूडेंट लाइफ में सेविंग...

अपने सपनों को उड़ान देने के लिए जब युवा दूसरे शहरों के अच्छे कॉलेजों में एडमिशन लेते हैं, तो जाहिर सी बात है कि फन और मस्ती में ही उनकी सारी पॉकेटमनी खत्म हो जाती होगी, क्योंकि न तो वह सेविंग्स के बारे में जानते हैं और न ही बजट कंट्रोल में रखना जानते हैं। बचत करने का पहला नियम है कि आप बजट बनाएं, बजट बनाते समय वर्क शीट पर दो सेक्शन बनाएं, जिसमें जरूरी और गैर जरूरी खर्च के बारें में लिखें। सबसे पहले वे काम करें जो जरूरी हैं, सिर्फ दूसरों को दिखाने के चक्कर में की जाने वाली फिजूल खर्ची से बचें। अक्सर आपका वीकेंड घर में बेड पर आराम फरमाते, टीवी देखते और पिज्जा खाने में निकल जाता है। ऐसे में अच्छा होगा वीकेंड पर आप कोई पार्ट टाईम जॉब शुरू करें। इससे आप अपनी पॉकेट मनी भी जुटा पाएंगे। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान नए सेमेस्टर के शुरू होने पर आप चाहें तो रेंटल बुक्स ले कर अपनी पढ़ाई कर सकते हैं। यदि आप रोजाना जाने वाले स्टूडेंट्स में शामिल हैं तो लाइब्रेरी से बेहतर कोई और ऑप्शन नहीं हो सकता। कॉलेज जाना हो या फिर दोस्तों के साथ मस्ती करनी हो, हमेशा कोशिश करें कि आने-जाने के लिए पब्लिक व्हीकल का इस्तेमाल किया जाए, इससे आपका काफी पैसा बचेगा।

भीड़ में चलने का चलो अंदाज बदलते हैं, दुनिया कल बदलेगी हम आज बदलते हैं, चलो अपने हाथों की पतवार बदलते हैं, हर कदम के साथ अपनी रफ्तार बदलते हैं। आपके कपडे पहनने का स्टाइल, बात करने का अंदाज आपकी पर्सनैलिटी के बारे में बहुत कुछ बताता है। चाहे अनचाहे तौर पर आपके चलने का तरीका भी दूसरों पर गहरा असर छोड़ता है। क्या आप जानते हैं कि युवाओं के चलने की स्टाइल से उनके स्वभाव के बारे में भी पता चलता है। भला कैसे...? तो आइए जानते हैं।

चलने का अंदाज...

व्यक्ति का मूड उसकी चाल को काफी प्रभावित करता है। चलने के अंदाज से किसी व्यक्ति के मूड के बारे में भी आसानी से पता लगाया जा सकता है। एक शोध के मुताबिक, जो लोग अवसाद से ग्रसित होते हैं, चलते समय उनकी हाथों की गतिविधियां कम होती हैं और उनके कंधे आगे की ओर झुके होते हैं। वहीं जो लोग अच्छे मूड में होते हैं, चलते समय उनके हाथों की गतिविधियां ज्यादा होती हैं। क्वींस यूनिवर्सिटी के शोध में कहा गया है कि हमारा मूड हमारी चाल को प्रभावित करता है। किसी पल हम कैसा महसूस कर रहे हैं, इससे हमारी चाल बहुत प्रभावित होती है। हर किसी की चाल कुछ न कुछ कहती है और चलने का तरीका बताता है कि आप किस स्वभाव के हैं।

आक्रामकता का अंदाज

हाल ही यूके की पोर्ट्समाउथ यूनिवर्सिटी में हुई एक स्टडी के मुताबिक, लोगों के चलने के अंदाज से पता चलता है कि वे कितने आक्रामक है। अगर चलते वक्त किसी व्यक्ति के शरीर का ऊपरी और निचला हिस्सा ज्यादा हिलता है तो उसमें आक्रामकता ज्यादा होती है। शोधकर्ताओं ने 29 लोगों पर ट्रेडमिल पर उनके नेचुरल स्पीड में चलने के ऊपर एक अध्ययन किया है। एक शोधकर्ता के मुताबिक, जब हम चलते हैं तो हमारे शरीर में मूवमेंट होती है. जब कोई व्यक्ति अपना बायां पैर आगे बढ़ाता है तो उसके साथ कूल्हे का बायां भाग भी आगे आता है, बायां कंधा थोड़ा पीछे की तरफ झुकता है और दायां कंधा संतुलन बनाने के लिए आगे झुकता है। शोधकर्ताओं ने प्रतिभागियों को एक फॉर्म भरने दिया जो उनके आक्रामकता के स्तर का अंदाजा लगाता है। उन्होंने प्रतिभागियों के व्यक्तित्व की विशिष्टता का पता लगाने के लिए बिग फाइव नाम का एक टेस्ट भी लिया। टेस्ट और फॉर्म के जरिए उन्होंने पता लगाया कि लोग क्या सोचते हैं, क्या महसूस करते हैं और कैसे व्यवहार करते हैं। शोधकर्ताओं नें मनुष्यों के वक्ष और कूल्हे की गति और उनके चाल की गति का पता लगाया। शोधकर्ता कहते हैं कि रिसर्च से यह बात कंफर्म होती है कि लोगों के चलने के तरीके से उनके व्यक्तित्व के बारे में पता चलता है।

छोटे-छोटे कदम

जो पुरूष छोटे-छोटे कदम रखकर धीरे चलते हैं वो छोटी सी बातों में ही परेशान हो जाते हैं। उनका जीवन थोड़ा परेशानी भरा होता है। यानी ऐसे लोग आपका उत्तरदायित्व नहीं संभाल सकते। ये कमजोर साबित होते हैं।

कंधे आगे की ओर

जो कंधे आगे की ओर झुकाकर चलते हैं वे थोड़े आलसी होते हैं लेकिन जरुरत पड़ने पर मेहनत करने के लिए भी तैयार रहते हैं। इन्हें कोई भी काम दिया जाए उसे करने में आलस महसूस करते हैं और कोई भी निर्णय लेने में बहुत बार सोचते हैं।

तेज चाल

जिन युवाओं की चाल तेज होती है वे बड़े उत्साही और हमेशा आगे बढ़ने वाले स्वभाव के होते हैं। इनका शरीर फिट और आकर्षक होता है। ऐसे लोग दूसरों को भी उत्साही बनाते हैं और जीवन में काफी आगे जाते हैं। जो लोग पैरों के साथ हाथों को हिलाकर चलते हैं वे बहुत चतुर और जिंदादिल होते हैं। ऐसे लोग जोशीले और उत्साहित होने के साथ उमंग से भरे होते हैं।

पैरों को दबाव देना

जमीन पर पैरों को दबाव देकर जो लोग चलते हैं वो हिम्मती और जिद्दी स्वभाव के होते हैं और अपनी बातों पर अडिग रहने वाले होते हैं।

लंबे-लंबे कदम

जो लोग लंबे-लंबे कदम रखकर चलते हैं, वे आत्मविश्वासी और बेहद साहसी होते हैं। इनमें हमेशा प्रतियोगिता की भावना होती है। इस स्वभाव वाले लोग अपनी सोच से एक कदम आगे चलते हैं।

धीमी गति से चलना

जो लोग धीमी गति से चलते हैं या पैरों को घसीटकर चलते हैं, वो सहमे हुए और दुखी स्वभाव के होते हैं। ये लोग तनावग्रस्त होते हैं।

फर्स्ट इंप्रेशन...

सभी चाहते हैं कि किसी से पहली बार मिलने पर ऐसी छाप छोड़े कि उसके मन-मस्तिष्क में उम्र भर के लिए अच्छी राय बन जाए, लेकिन ज्यादातर लोगों को यह तकनीक ही नहीं आती कि पहली ही मुलाकात में कैसे किसी को हमेशा के लिए अपना प्रशंसक बनाया जा सकता है। तो आइए जानते हैं कैसे जमाएं फर्स्ट इंप्रेशन।

स्टाइल सुधारें

पहली मुलाकात में ध्यान रखें कि सामने वाले पर आपकी बातचीत का क्या प्रभाव पड़ रहा है। इसे भांपकर अपनी शैली सुधारें। अपना ध्यान उस व्यक्ति पर केंद्रित करें, आंखों से आंखें मिलाकर बात करें। चाहे सामने कोई उच्च पदस्थ व्यक्ति हो, नर्वस होकर, इधर-उधर देखते हुए बातचीत न करें। यदि आपको लगता है कि सामने वाला बोर कर रहा है तो भी पहली बार उसकी बात ध्यान से सुनें।

हाथ मिलाने का सलीका

किसी से भी हाथ मिलाते समय ध्यान रखें कि हाथ को न तो ढीला छोड़कर मिलाया जाए और न बिल्कुल सख्त तरीके से। हाथ मिलाते समय आपके चेहरे पर खुशी और अपनापन झलके। किसी स्त्री से हाथ मिलाते समय आपके व्यवहार में शालीनता नहीं होगी तो मुश्किल में भी पड़ सकते हैं।

आत्मविश्वास जरूरी

कई बार लोग अपने सामने किसी उच्च व्यक्तित्व वाले व्यक्ति को देख कर हड़बड़ा जाते हैं और ऐसी हरकतें कर बैठते हैं कि सामने वाले पर इसका बुरा असर पड़ता है। अगर आपकी पहली मुलाकात किसी लड़की से हो रही है तो अपने फेशियल एक्सप्रेशंस को संयत रखें। ऐसी लड़की बेशक आपकी भावी मंगेतर या रिश्तेदार हो, लेकिन अपने व्यवहार को संयत रखें, हावी होने की कोशिश न करें।

खूबसूरती का प्रदर्शन

कुछ लोग खूबसूरती का अनावश्यक प्रदर्शन करती हैं। सभी लोग सौंदर्य पर रीझने वाले नहीं होते। भले ही यह बातचीत शादी तय करने के लिए हो रही हो, याद रखें कि आपका चेहरा आपके व्यक्तित्व का सिर्फ एक हिस्सा है, वह तभी किसी को आकर्षित करता है, जबकि आपकी भाषा, बातचीत का अंदाज और भाव-भंगिमा शालीनतापूर्ण हो। हर किसी में अलग-अलग गुण होते है, उन्हे सराहे। मधुर वाणी जहां दिलों पर राज करा सकती है, वहीं कर्कश बातें चोट पहुंचाती है। इसलिए अपने व्यवहार में विनम्रता रखें। यही एक बात है जो याद रह जाती है।

सहज रहें

किसी के साथ पहली मुलाकात में सामने वाले को यह महसूस हो कि उससे मिलने पर आपको खुशी हुई। शादी-विवाह तय करते समय भी ध्यान रखें कि आपकी नापसंदगी दूसरे पर एकदम से जाहिर न हो। कई बार तो ऐसा भी होता है कि पहली मुलाकात में कोई पसंद नहीं आता, बाद में वही जीवनसाथी, बॉस या अन्य किसी रिश्ते के तहत हमारे सामने आ जाता है। पहली मुलाकात में अपना समूचा ज्ञान या दर्शन भी सामने वाले के सामने प्रस्तुत न कर दें। सहज रहे, भले ही सामने वाले की बातों से आप सहमत न हों, लेकिन इसे पहली ही बार में न जाहिर करे।

ऐसे बनाएं आकर्षक बॉडी....

एक जमाना था जब आदमी दो पैक ऐब्स बनाकर ही मोहल्ले में शान से चला करता था, लेकिन आज के जमाने में दो पैक ऐब्स नहीं बल्कि सिक्स पैक ऐब्स चलते हैं। फिल्मों और टीवी से लेकर गली के जिम तक हर कोई सिक्स पैक ऐब्स बनाने की होड़ में लगा हुआ है। यदि आपको भी सिक्स पैक बनाने की चाहत है तो हम आपको बता दें कि इसको बनाना इतना आसान नहीं है लेकिन अगर आप कुछ बातों पर ध्यान दें तो सिक्स पैक ऐब्स बना सकते हैं। सिक्स पैक ऐब्स बनाने के लिए आपको अपने वर्कआउट के साथ साथ अपनी डायट पर भी खास ध्यान देना होगा। इसमें सब से पहला कार्य होता हैं अपने भोजन पर नियंत्रण रखना। यदि आप दिन में दो या तीन बार भरपेट खाना खाते हैं तो आपको तीन के बजाय पांच से छह बार खाना होगा। मतलब आप कम-कम मात्रा में 2-3 बार के बजाय 6 बार खाना खाएंगे। इसका कारण यह है कि एक ही बार भरपेट खाने से पेट की मांसपेशियों पर बहुत अधिक बल पड़ता है जिससे मोटापा बढ़ जाता है और शरीर बेडौल हो जाता है। आपको प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करना होगा। इससे शरीर में ताकत आएगी और मांसपेशियां मजबूत होंगी। पने आहार में काबोहाइड्रेट्स की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक लें। शुगर युक्त चीजें, अधिक कैलोरी वाले फूड और एल्कोहल का सेवन करने से बचें। मक्खन, चीज जैसी चीजों का सेवन न ही करें तो बेहतर होगा। आपको साथ ही ऑयली फूड से दूर रहें। आप कम मात्रा में पीनट बटर का सेवन भी कर सकते हैं। अंत में पानी पीने की मात्रा का भी ध्यान रखे। पानी दिन में कम से कम 8 गिलास या इससे अधिक पीएं।

चेस्ट के लिए

चेस्ट को शेप देने के लिए फ्लैट डंबल प्रेस सबसे बेहतर एक्सरसाइज है। यह फ्लैट बेंच से इसलिए बेहतर है क्योंकि उसमें आपके हाथ एक सीमा से नीचे नहीं आते। बेंच करते वक्त रॉड जैसे ही आपकी चेस्ट से टच होती है आप उसे ऊपर की ओर धकेल देते हैं। वहीं डंबल प्रेस के मामले में आपकी चेस्ट पर कुछ आने जैसी बात ही नहीं होती। जितना आप डंबल को नीचे ले जाएंगे उतना प्रेशर आपकी चेस्ट पर बनेगा।

पावर के लिए

ओवरऑल मसल बिल्डिंग और पावर के लिए बॉडी बिल्डरों की सबसे पसंदीदा एक्सरसाइज है स्क्वेट। जो लोग इसे नहीं करते उन्हें लगता है कि यह सिर्फ पैरों की कसरत है पर जो लोग करते हैं वो जानते हैं कि ये कसरत मर्द बनाती है। यह एक्सरसाइज ग्रोथ हार्मोन को जबरदस्त तरीके से एक्टिवेट करती है। एक हैवी सेट लगा कर देखें, दिमाग की बत्ती जल जाएगी। एक और सबूत चाहिए तो हैवी स्क्वेट लगाने के बाद ब्रेंच प्रेस लगाएं आप नॉर्मल से ज्यादा वेट लगा पाएंगे।

बाइसेप्स के लिए

कसरतों की लंबी लिस्ट है और आप उन्हें आजमाते भी होंगे, पर बारबेल कर्ल से बेहतर कुछ नहीं। जैसे स्क्वेट पैरों की एक मुकम्मल कसरत है वैसे ही बारबेल कर्ल बाइसेप्स की मुकम्मल एक्सरसाइज है। एक बात और आप अगर शुरुआती दौर में नहीं हैं तो बड़ी रॉड से कर्ल करें।

ट्राइसेप्स

आपके आर्म में 30 फीसदी हिस्सेदारी बाइसेप्स और 70 फीसदी ट्राइसेप्स की होती है। अगर आपको बड़े आर्म्स चाहिए तो बाइसेप्स की बजाय ट्राइसेप्स पर ज्यादा ध्यान दें। आपके ट्राइसेप्स के भी तीन हिस्से होते हैं और बेंच डिप्स ऐसी एक्सरसाइज है तो तीनों हिस्सों पर काम करती है। इसे आप बॉडी वेट के साथ और एक्सट्रा वेट के साथ भी कर सकते हैं।

बाइसिकल क्रंच

सिक्स पैक की ओर बढ़ रहे हैं तो इस एक्सरसाइज को अपने शेड्यूल में जरूर शामिल करें। बाकी की क्रंचेस आमतौर पर एब्स के किसी एक हिस्से पर काम करती हैं पर ये एक साथ सिक्स पैक पर काम करती है। यहां ये बताना हम जरूरी समझते हैं कि ये सबसे ज्यादा फायदेमंद उस शख्स के लिए जिसका पेट फ्लैट और जो सिक्स पैक बनाने के लिए कसरत कर रहा हो।

बच्चों को सुलाने के आसान तरीके

आमतौर पर बच्चों को जब नींद नहीं आती है तो वो चिड़चिड़े हो जाते हैं। फिर उन्हें किसी भी तरह बहलाने फुसलाने की कोशिशें बेकार साबित होती हैं। उस समय उन्हें जरूरत होती हैं प्यारी सी लोरी के साथ शांत माहौल और मां के गोद की। लोरी सुनाकर बच्चों को सुलाने का चलन बरसों से चला आ रहा है। आज भी मां अपने बच्चों को लोरी सुनाकर ही सुलाती हैं। धीरे-धीरे और मीठे स्वर में गाई गई लोरी का बच्चे के दिमाग पर काफी असर होता है इसको सुनते-सुनते वे धीरे-धीरे मीठी नींद की ओर बढ़ने लगते हैं।

लोरी ही जरूरी नहीं: लोरी बच्चे को सुलाने का सबसे प्यारा तरीका समझा जाता है। लेकिन सिर्फ लोरी ही जरूरी नहीं है इसके साथ बच्चे के शरीर पर हल्की-हल्की थपकी और गोद में उसे धीरे-धीरे झुलाना भी काफी मददगार साबित होते हैं। और यह प्रक्रिया आपको तब तक करनी चाहिए जब तक बच्चा गहरी नींद में ना सो जाए।

लोरी सुनते ही क्यों सो जाते हैं बच्चे: लोरी की मीठी आवाज से बच्चे का ध्यान आस-पास की आवाजों से हटने लगता है। बच्चों को लगातार गोद में झुलाते रहने से उसकी नजर किसी भी चीज पर नहीं टिक पाती। और थोड़ी ही देर में उसकी आखों में नींद आने लगती है। और वह धीरे-धीरे अपनी आंखों को बंद करने लगता है।

स्तनपान करते हुए: आमतौर पर देखा जाता है कि बच्चें मां की गोद में स्तनपान करते हुए भी सो जाते हैं। ऐसे में उनके सिर पर धीरे-धीरे हाथ से सहलाएं जिससे उनकी आंखों में नींद आने लगे। और जब वह पूरी नींद में सो जाए तो उसे धीरे से बिस्तर पर लेटा दें।

गोद में लेकर झुलाएं: बच्चो को जब नींद आती है तो वो आपकी गोद में झुलना चाहते हैं। ऐसे में बच्चे को अपनी गोद में लेकर दाएं से बाएं झुलाएं। धीरे-धीरे उसकी आंखे भारी होने लगती है और वह थकवाट के कारण अपनी आंखे बंद करने पर मजबूर हो जाता है। ध्यान रहे कि ज्यादा से जोर से झुलाने पर बच्चा डर भी सकता है।

प्रैम या स्ट्रॉलर में: कई बार देखा जाता है कि बच्चा प्रैम या स्ट्रॉलर में बैठकर आगे-पीछे हिलाते हुए सोना चाहता है। यह प्रक्रिया बार-बार करने पर बच्चा धीरे-धीरे नींद की आगोश में चला जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)